वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2022-23

एपीडा
APEDA

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)

(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2022-23

एपीडा
APEDA

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद
निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)
(वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार)

विषय सूची

1.	**एपीडा के बारे में**	**5**
1.1	संगठन संरचना	5
1.2	निर्दिष्ट कार्य	7
1.3.	एपीडा द्वारा मॉनिटर किए गए उत्पाद	7
1.4.	एपीडा प्राधिकरण की संरचना	8
1.5.	प्रशासनिक संरचना	9
2.	**एपीडा का निर्यात परिदृश्य (2022–2023)**	**11**
2.1	कृषि निर्यात में एपीडा की हिस्सेदारी	11
2.2	प्रमुख 15 बाजारों में एपीडा निर्यातों की हिस्सेदारी	11
2.3	एपीडा के प्रमुख उत्पाद और प्रमुख बाजार	13
2.4	एपीडा का निर्यात निष्पादन	13
3.	**प्राधिकरण बैठकें और सांविधिक कार्य**	**15**
4.	**निर्यातकों का पंजीकरण**	**16**
4.1	पंजीकरण–सह–सदस्यता–प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)	16
4.2	बासमती चावल निर्यात के लिए पंजीकरण–सह–आवंटन–प्रमाणपत्र (आरसीएसी)	16
4.3	मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के लिए जारी निर्यात प्रमाण पत्र (सीओई)	18
5.	**एपीडा में राजभाषा का कार्यान्वयन**	**19**
6.	**एपीडा की कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात संवर्धन योजना**	**20**
6.1	बाजार विकास	20
6.2	अवसरंचना विकास	20
6.3	गुणवत्ता विकास	20
6.4	सामान्य अवसरंचना	21
7.	**एपीडा की ई–गवर्नेंस पहलें**	**23**
8.	**बागवानी क्षेत्र (ताजे फल एवं सब्जियां और पुष्पकृषि)**	**25**
9.	**प्रसंस्कृत एवं अन्य प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र**	**29**
10.	**पशुधन क्षेत्र**	**32**
11.	**अनाज क्षेत्र**	**34**
12.	**जैविक क्षेत्र**	**38**
13.	**गुणवत्ता विकास**	**40**
14.	**जीआई उत्पाद**	**42**

15. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले एवं क्रेता–विक्रेता बैठकें **45**
15.1 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले एवं क्रेता विक्रेता बैठकें 45
15.2 राष्ट्रीय कार्यक्रम 51

16. एपीडा क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियाँ 58
16.1. अहमदाबाद 58
16.2. बेंगलुरु 60
16.3. भोपाल 63
16.4. चंडीगढ़ 66
16.5. चेन्नई 68
16.6. गुवाहाटी और त्रिपुरा 72
16.7. हैदराबाद 76
16.8. जम्मू, श्रीनगर और लद्दाख 79
16.9. कोच्चि 82
16.10. कोलकाता 85
16.11. मुंबई 90
16.12. वाराणसी 94
16.13. विशाखापत्तनम 102

17. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन **104**

18. कृषि निर्यात नीति का कार्यान्वयन **105**

19. अन्य गतिविधियाँ 108

1. एपीडा के बारे में

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की स्थापना भारत सरकार द्वारा दिसंबर 1985 में संसद द्वारा पारित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम के अन्तर्गत की गई थी। यह अधिनियम (1986 का 2) 13 फरवरी, 1986 से भारत के राजपत्र में जारी एक अधिसूचना विशेषतः भाग–2 (धारा 3 (2) 13.2.1986 के द्वारा लागू हुआ था। इस प्राधिकारण ने प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन परिषद (पीएफईपीसी) को प्रतिस्थापित किया था। एपीडा अधिनियम के अध्याय V की धारा 21(2) के संदर्भ में विगत वित्त वर्षों के दौरान अपनी गतिविधियों, नीति और कार्यक्रमों का सही और पूर्ण लेखों का विवरण प्रस्तुत करने वाली प्राधिकरण की वार्षिक रिपोर्ट की एक प्रति केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत की जानी आवश्यक है जिससे इसे संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके।

यह वित्त वर्ष 2022–23 के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) की 37वीं वार्षिक रिपोर्ट है।

1.1. संगठन संरचना

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण का मुख्यालय नई दिल्ली में है और एपीडा के कार्यपालक, एपीडा अध्यक्ष हैं।

एपीडा के निम्न 16 क्षेत्रीय कार्यालय हैः

1. अहमदाबाद
2. बेंगलुरु
3. भोपाल
4. चंडीगढ़
5. चेन्नई
6. गुवाहाटी
7. त्रिपुरा
8. हैदराबाद
9. जम्मू
10. श्रीनगर
11. लद्दाख
12. कोच्चि
13. कोलकाता
14. मुंबई
15. वाराणसी
16. विशाखापत्तनम

संगठन चार्ट
कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
(वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार

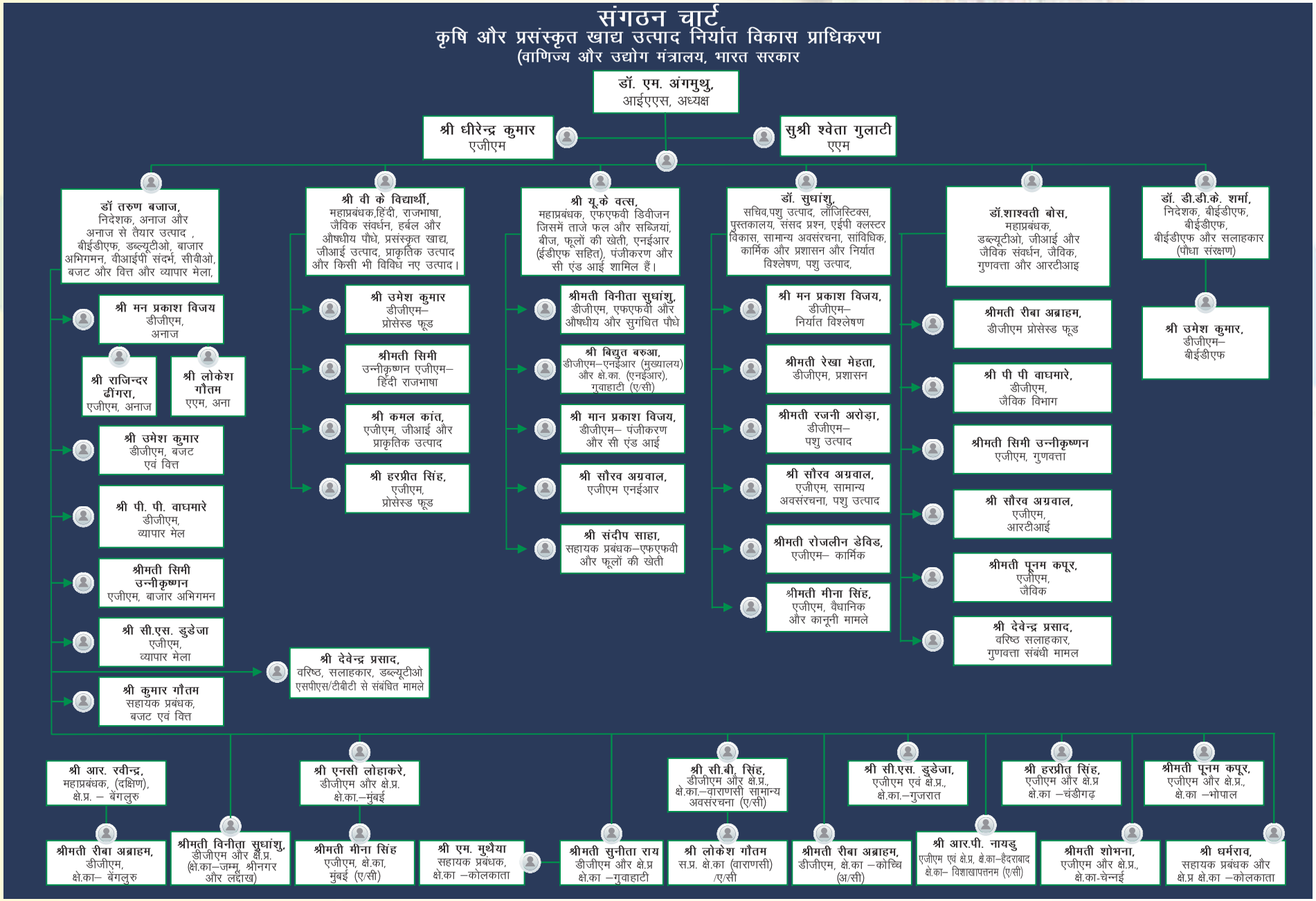

1.2 निर्दिष्ट कार्य

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम 1985, (1986 का 2) के प्रावधानों के अनुसार एपीडा को निम्नलिखित कार्य सौंपे गए हैं:–

क. वित्तीय सहायता प्रदान करके या अन्य सर्वेक्षण और व्यवहार्यता करने के माध्यम से निर्यात के लिए अनुसूचित उत्पादों से संबंधित उद्योगों का विकास सर्वेक्षण और व्यवहार्यता अध्ययन, संयुक्त उद्यमों तथा अन्य राहत व सब्सिडी योजनाओं के माध्यम से इक्विटी पूंजी में भागीदारी;

ख. निर्धारित शुल्क के भुगतान पर अनुसूचित उत्पादों के निर्यातकों के रूप में व्यक्तियों का पंजीकरण;

ग. निर्यात उद्देश्य के लिए अनुसूचित उत्पादों के लिए मानक और विशिष्टताओं का निर्धारण करना;

घ. बूचड़खानों (स्लाउटर हाउस), प्रसंस्करण संयंत्रों, भंडारण परिसर, संप्रेषणों या अन्य स्थानों पर मांस और मांस उत्पादों का निरीक्षण करना जहाँ ऐसे उत्पाद रखें जाते हैं या ऐसे उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाती है;

ड़ अनुसूचित उत्पादों की पैकेजिंग में सुधार लाना;

च. भारत से बाहर अनुसूचित उत्पादों के विपणन में सुधार लाना;

छ. निर्यातोन्मुख उत्पादन का प्रोत्साहन और अनुसूचित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देना;

ज. अनुसूचित उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, पैकेजिंग, विपणन या निर्यात में लगे संगठनों या कारखानों के मालिकों या अन्य ऐसे व्यक्तियों को जिन्हें अनुसूचित उत्पादों से सम्बद्ध में किसी भी मामले में निर्धारित किया जा सकता है, से आँकड़ों का संग्रह करना और इन आकड़ों को या इनके किन्ही अंशों एवं उनके उद्धरणों को प्रकाशित करना;

झ. अनुसूचित उत्पादों से जुड़े उद्योगों के विभिन्न पक्षों में प्रशिक्षण;

ञ. यथा निर्धारित अन्य मामले ।

1.3. एपीडा द्वारा मॉनिटर किए गए उत्पाद

एपीडा को निर्यात संवर्धन तथा विकास का उत्तरदायित्व सौंपा गया है । एपीडा अधिनियम की प्रथम अनुसूची में अधिसूचित उत्पाद निम्नलिखित है:–

एपीडा अधिनियम की दूसरी अनुसूची में बासमती चावल को भी शामिल किया गया है।
इसके अतिरिक्त एपीडा को चीनी के आयात की निगरानी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।
एपीडा जैविक निर्यात के लिए राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के अंतर्गत प्रमाणन निकायों की मान्यता के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबी) के सचिवालय के रूप में भी कार्य करता है। निर्यात के लिए ''जैविक उत्पाद'' को केवल तभी प्रमाणित किया जाता है जब उन्हें दस्तावेज– ''जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) में निर्धारित मानकों के अनुसार उत्पादित, संसाधित और पैक किया गया हो।

1.4. एपीडा प्राधिकरण की सरंचना

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम 1985 की धारा 4 की उप धारा 4 के अनुसार, प्राधिकरण में निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगेः –

- केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष।
- भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार, पदेन।
- नीति आयोग के प्रतिनिधि रूप में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सदस्य।
- दो लोकसभा द्वारा निर्वाचित और एक राज्य सभा द्वारा निर्वाचित संसद के तीन सदस्य।
- केंद्रीय सरकार से क्रमशः द्वारा आठ सदस्यों को नियुक्त किया जाता है। केंद्र सरकार से संबंधित
  - (क) कृषि एवं ग्रामीण विकास
  - (ख) वाणिज्य
  - (ग) वित्त
  - (घ) उद्योग
  - (ड.) खाद्य
  - (च) नागरिक आपूर्ति
  - (छ) नागरिक विमानन
  - (ज) शिपिंग एवं परिवहन
- राज्यों और संघ शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि के रूप में वर्णक्रम के अनुसार चक्रानुक्रम से पांच सदस्यों को केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त परन्तु इस खंड के तहत एक नियुक्ति संबंधित केंद्र शासित प्रदेश, जैसे भी मामला हो, राज्य सरकार की सिफारिश पर की जाती है ।
- प्रतिनिधि के रूप में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त सात सदस्य हैंः–
  - (क) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
  - (ख) राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड
  - (ग) राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ
  - (घ) केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान
  - (ड.) भारतीय पैकेजिंग संस्थान
  - (च) स्पाइसेस एक्स्पोर्ट प्रमोशन काउंसिल और
  - (छ) काजू निर्यात संवर्धन परिषद
- केंद्र सरकार के प्रतिनिधित्व द्वारा नियुक्त12 सदस्यः
  - (क) फल और सब्जी उत्पाद उद्योग
  - (ख) मांस, कुक्कुट और डेयरी उत्पाद उद्योग
  - (ग) अन्य अनुसूचित उत्पाद उद्योग
  - (घ) पैकेजिंग उद्योग
- परन्तु उप खंड (i) से (iii) या उप खंड (iv) में निर्दिष्ट उद्योग के किसी भी समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए नियुक्त सदस्यों की संख्या किसी भी स्थिति में दो से कम नहीं होगीं;

- अनुसूचित उत्पादों की कृषि, अर्थशास्त्र तथा विपणन के क्षेत्र में विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों में से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त दो सदस्य।

1.5 प्रशासनिक संरचना

अध्यक्ष	–	केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त
निदेशक	–	एपीडा द्वारा नियुक्त
सचिव	–	केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त
अन्य अधिकारी और कर्मचारी	–	प्राधिकरण द्वारा नियुक्त

एपीडा अधिनियम की धारा 7 (3) में प्रावधान है कि प्राधिकरण अपने कार्यों के कुशल निष्पादन के लिए आवश्यक अधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति कर सकता है।

कुल स्वीकृत अधिकारियों/कर्मचारियों या पदों की संख्या निम्नानुसार है:–
श्रेणी क - 41 पद
श्रेणी ख - 42 पद
श्रेणी ग - 60 पद(*)
कुल - 143 पद
(*)वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 24.1.2019 के पत्रांक द्वारा अनुमोदित एपीडा के संबंध में पुनर्गठन रिपोर्ट के अनुसार रिक्त होने पर श्रेणी ग के पदों को समाप्त कर दिया जाएगा।

प्राधिकरण के अध्यक्ष
डॉ. एम. अंगमुथु ने वर्ष 2022–23 के दौरान अध्यक्ष, एपीडा का पदभार संभाला।

निदेशक
डॉ. तरुण बजाज ने वर्ष 2022–23 के दौरान निदेशक, एपीडा का पदभार संभाला।

प्राधिकरण के अधिकारी/कर्मचारी
समीक्षाधीन अवधि के दौरान, कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या 143 (अध्यक्ष सहित) की तुलना में संगठन में कर्मचारियों की कुल संख्या 76 थी। एपीडा प्राधिकरण के कर्मचारियों का श्रेणीवार विवरण इस प्रकार है :–

सरकार में श्रेणी क के समकक्ष पद (अध्यक्ष सहित)	29
सरकार में श्रेणी ख के समकक्ष पद	32
सरकार में श्रेणी ग के समकक्ष पद	15

प्राधिकरण द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग और महिला कर्मचारियों के कल्याण और विकास की पर्याप्त देखभाल की जाती है।

वर्तमान में, एपीडा में ग्रुप ए, बी और सी श्रेणी में कुल 23 महिला कर्मचारी हैं।

एपीडा ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायत प्राप्त करने के लिए एक समिति का गठन किया गया है जिसकी अध्यक्षता उप महाप्रबंधक स्तर की एक महिला अधिकारी कर रही हैं। महिला कर्मचारियों के कल्याण की भी अच्छी तरह से देखभाल की जाती है और किसी भी महिला कर्मचारी की ओर से उत्पीड़न या उनके कल्याण से संबंधित कोई शिकयत प्राप्त नहीं हुई है।

सरकारी मानदण्डों के अनुसार, शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए आरक्षण सभी श्रेणियों में कुल संख्या का 4% है। मौजूदा कर्मचारियों की संख्या 76में से दो पदधारी शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। एपीडा ने दिव्यांगजनों के कल्याण का ध्यान रखा है। एपीडा ने एक कर्मचारी को कार्यालय के भीतर आने–जाने के लिए मोटर चालित व्हील चेयर प्रदान की है। साथ ही उन्हें नियमानुसार सभी सुविधाएँ दी जाती हैं। अभी तक उनकी ओर से कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

2. एपीडा का निर्यात परिदृश्य (2022–23)

2.1. एपीडा का कृषि निर्यात में हिस्सा

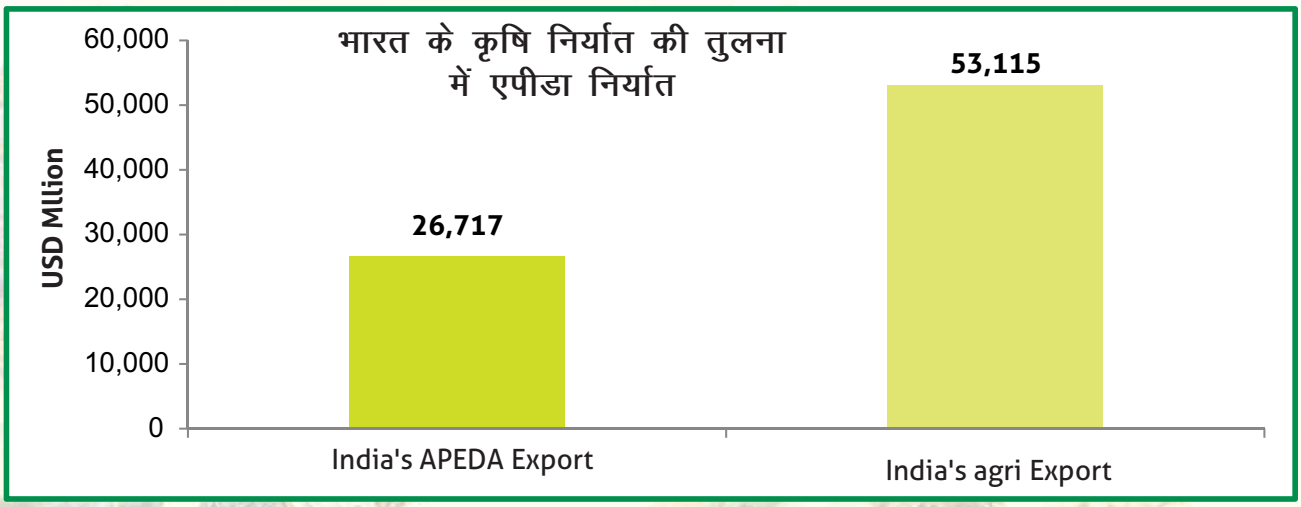

भारत कृषि निर्यात और एपीडा निर्यात 2022–23

भारत के कृषि निर्यात स्थिति	अमेरिकी डॉलर मिलियन		प्रतिशत
	2021-22	*2022-23*	
भारत कृषि निर्यात	50,229	53,115	**5.7%**
भारत एपीडा निर्यात	24,568	26,717	**8.7%**
कृषि निर्यात में एपीडा की हिस्सेदारी (%)	**50%**	**52%**	

स्रोतः डीजीसीआईएस

2.2. भारत से एपीडा उत्पादों का निर्यातः प्रमुख 20 बाजार

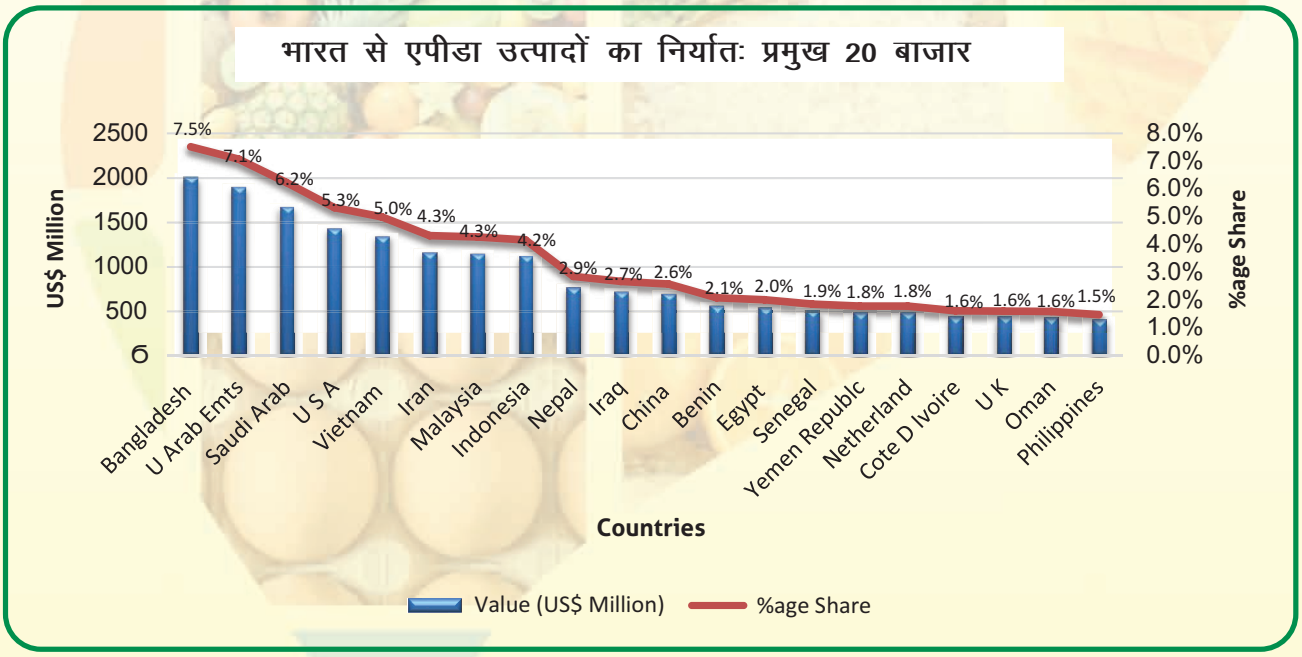

भारत से एपीडा उत्पादों का निर्यातः प्रमुख 20 बाजार

देश का नाम	2022-23		प्रतिशत शेयर मूल्य
	मात्रा (मैट्रिक टन में)	अमेरिकी डॉलर मिलियन	
बांग्लादेश	5083014	2009	7.5%
संयुक्त अरब अमीरात	2236561	1891	7.1%
सऊदी अरब	1491417	1667	6.2%
यू.एस.ए.	683180	1428	5.3%
वियतनाम	2075997	1336	5.0%
ईरान	1221275	1157	4.3%
मलेशिया	1253546	1142	4.3%
इंडोनेशिया	1601048	1114	4.2%
नेपाल	2098769	766	2.9%
इराक	632632	715	2.7%
चीन	1722054	691	2.6%
बेनिन	1572925	559	2.1%
मिस्र	389093	540	2.0%
सेनेगल	1366517	500	1.9%
यमन गणराज्य	662751	479	1.8%
नीदरलैंड	305185	478	1.8%
कोटे डी आइवर	1221247	435	1.6%
यू के	318974	430	1.6%
ओमान	548488	429	1.6%
फिलिपींस	367695	397	1.5%
कुल प्रमुख 20 देश	26852366	18164	68.0%
अन्य देश	26852366	8554	32.0%
कुल	40823720	26718	100.0%

स्रोतः डीजीसीआईएस

2.2. एपीडा के प्रमुख उत्पाद और प्रमुख बाजार

क्र.सं.	एपीडा के प्रमुख उत्पाद	एपीडा के प्रमुख बाजार
1.	गैर–बासमती चावल	बेनिन (8.35%), चीन (7.63%), सेनेगल (6.79%), Cote D Ivoire (6.64%), टोगो (5.20%)
2.	बासमती चावल	सऊदी अरब (21.71%), ईरान (20.35%), इराक (7.87%), संयुक्त अरब अमीरात (6.98%), यमन गणराज्य (6.42%)
3.	भैंस का मांस	मलेशिया (16.77%), वियतनाम (15.94%), मिस्र (12.71%), इंडोनेशिया (9.84%), इराक (7.32%)
4.	गेहूँ	बांग्लादेश (27.67%), इंडोनेशिया (18.59%), कोरिया (10.13%), संयुक्त अरब अमीरात (9.93%), यमन गणराज्य (5.60 %)
5.	मक्का	बांग्लादेश (49.21%), वियतनाम (25.09%), नेपाल (10.72%), मलेशिया (5.12%), श्रीलंका (3.97%)
6.	विविध उत्पाद	यूएसए (17.87%), संयुक्त अरब अमीरात (11.57%), मलेशिया (10.17 %), नेपाल (5.31 %), ऑस्ट्रेलिया (4.74 %)
7.	मूंगफली	इंडोनेशिया (33.41%), वियतनाम (24.44%), फिलीपींस (7.72%), मलेशिया (7.55%), थाईलैंड (6.46%)
8.	अनाज से तैयार उत्पाद	यूएसए (16.63%), नेपाल (6.85%), बांग्लादेश (6.84%), संयुक्त अरब अमीरात (6.79%), यू के (4.77%)
9.	दालें	बांग्लादेश (22.83%), चीन (17.61%), संयुक्त अरब अमीरात (15.13%), यूएसए (7.83%), नेपाल (4.68%)
10.	प्रसंस्कृत सब्जियां	यूएसए (16.95%), यूके (8.76%), फिलीपींस (7.56%), जर्मनी (5. 55%), थाईलैंड (5.40%)

स्रोतः डीजीसीआईएस

2.3. एपीडा का निर्यात निष्पादन (PERFORMANCE)

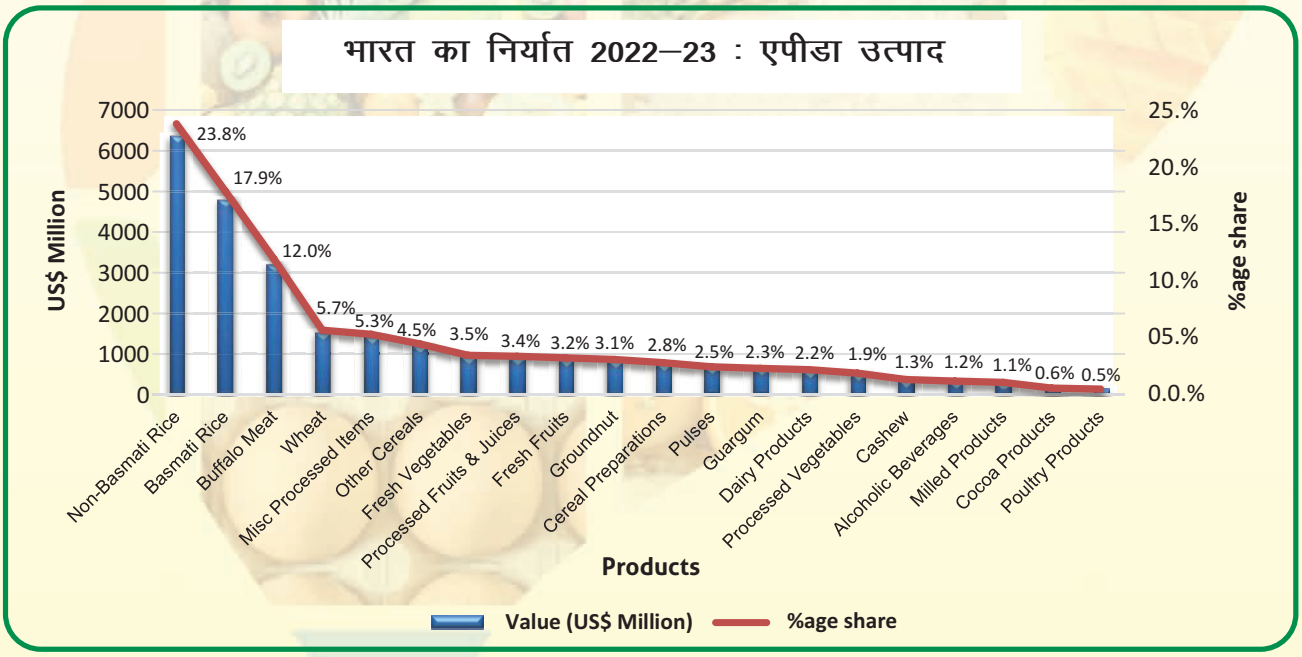

विश्व में भारत का निर्यातः एपीडा उत्पाद – 2022–23

	मात्रा (मैट्रिक टन में)	रूपए (करोड़ में)	अमेरिकी डॉलर मिलियन
गैर–बासमती चावल	1,77,86,557	51,088	6,355
बासमती चावल	45,60,762	38,524	4,787
भैंस का मांस	11,75,532	25,639	3,193
गेंहू	46,93,292	11,826	1,519
विविध प्रसंस्कृत उत्पाद	-	11,407	1,418
अन्य अनाज	36,25,735	9,610	1,193
ताजी सब्जियां	33,75569	7,447	924
प्रसंस्कृत फल और रस	6,20,230	7,316	908
ताजे फल	10,94,114	6,967	863
मूंगफली	6,69,112	6,735	831
अनाज से तैयार उत्पाद	4,80,414	6,052	752
दालें	7,62,851	5,312	661
ग्वार गम	4,06,531	4,945	617
डेयरी उत्पाद	1,56,373	4,709	588
प्रसंस्कृत सब्जियां	3,66,555	4,094	508
काजू	59,581	2,868	356
मादक पेय पदार्थ	2,35,563	2,615	324
मिल्ड उत्पाद	6,37,537	2,277	288
कोको उत्पाद	34,250	1,242	154
पॉल्ट्री/ कुक्कुट उत्पाद	-	1,081	134
फलों / सब्जियों के बीज	21,125	943	117
पुष्पकृषि	21,034	707	88
भेड़/बकरी का मांस	10,083	545	67
पशु केसिंग	12,577	326	40
काजू शेल तरल	17,248	113	14
अन्य मांस	755	19	2
प्रसंस्कृत मांस	336	12	1
कुल		**2,14,429**	**26,717**

स्रोतः डीजीसीआईएस

3. प्राधिकरण बैठकें और सांविधिक कार्य

वर्ष 2022–23 के दौरान एपीडा प्राधिकरण की तीन बैठकें निम्नानुसार आयोजित की गईं:

103वीं प्राधिकरण बैठक	28 जून 2022
104 वीं प्राधिकरण बैठक	11 जनवरी 2023
105 वीं प्राधिकरण बैठक	18 मार्च 2023

4. निर्यातकों का पंजीकरण

4.1 पंजीकरण–सह–सदस्यता–प्रमाणपत्र (आरसीएमसी)

क्रम सं.	कार्यालय का नाम	मौजूदा आरसीएमसी	कुल आरसीएमसी की संख्या (नए)	कुल आरसीएमसी की संख्या (नवीनीकरण)	कुल आरसीएमसी की संख्या (संशोधन)
1	एपीडा भोपाल	25	271	4	50
2	एपीडा बैंगलोर	8174	633	263	470
3	एपीडा चंडीगढ़	33	161	5	34
4	एपीडा चेन्नई	1378	1099	118	383
5	एपीडा दिल्ली	7512	1407	572	1060
6	एपीडा गुवाहाटी	435	192	12	45
7	एपीडा अहमदाबाद	128	989	43	349
8	एपीडा हैदराबाद	2471	674	120	310
9	एपीडा कोच्चि	255	337	29	116
10	एपीडा कोलकाता	2677	724	139	321
11	एपीडा मुंबई	15463	2448	659	1419
12	एपीडा राजस्थान	17	100	4	27
13	एपीडा वाराणसी	28	179	2	46
	कुल	**38596**	**9214**	**1970**	**4630**

4.2 एपीडा के अंतर्गत उत्पाद श्रेणियों के लिए आरसीएमसी का विभाजन

क्रम सं.	उत्पाद	उत्पादक	व्यापारी	व्यापारी सह उत्पादक	कुल योग
1	मादक और गैर मादक पेय	77	8310	60	8447
2	सभी उत्पाद	2	14775	5	14782
3	पशु केसिंग	2	4242	7	4251
4	बासमती चावल	1287	15433	633	17353
5	भैंस का मांस	23	4475	35	4533
6	काजू की गिरी	26	1176	20	1222
7	काजू खोल तरल	5	1019	5	1029
8	अनाज से तैयार उत्पाद	478	13459	734	14671
9	कोको उत्पाद	65	12507	80	12652
10	डेयरी उत्पाद	118	11639	179	11936

क्रम सं.	उत्पाद	उत्पादक	व्यापारी	व्यापारी सह उत्पादक	कुल योग
11	तेल रहित चावल की भूसी	11	3351	15	3377
12	सूखी और संरक्षित सब्जियां	398	14194	613	15205
13	सूखे मेवे (अखरोट)	51	13684	113	13848
14	पुष्पकृषि	25	12196	43	12264
15	ताजा अंगूर	73	14399	287	14759
16	ताजा आम	85	14820	280	15185
17	ताजा प्याज	78	15530	302	15910
18	फल और सब्जियों के बीज	63	14409	120	14592
19	ग्वारगम	29	12236	31	12296
20	हर्बल और औषधीय	74	12641	139	12854
21	एचपीएस मूंगफली	187	12874	366	13427
22	गुड़ और कन्फेक्शनरी	176	13744	301	14221
23	कार्डानोल	1	769	2	772
24	आम का गूदा	63	13361	82	13506
25	अन्य मांस	6	4350	15	4371
26	विविध तैयार उत्पाद	318	13216	353	13887
27	प्राकृतिक शहद	73	12024	138	12235
28	गैर बासमती चावल	1846	15849	837	18532
29	अन्य अनाज	339	14507	566	15412
30	अन्य ताजे फल	114	15387	357	15858
31	अन्य ताजी सब्जियाँ	127	15754	394	16275
32	अन्य प्रसंस्कृत फल सब्जियां	327	14385	509	15221
33	अचार और चटनी	93	13525	182	13800
34	कुक्कुट उत्पाद	45	6525	61	6631
35	प्रसंस्कृत मांस	12	4432	31	4475
36	भेड/बकरी का मांस	12	4451	33	4496
37	गेंहू	146	14585	361	15092
	कुल योग	**6855**	**404233**	**8289**	**419377**

4.3 वर्ष 2022–23 के लिए बासमती चावल के निर्यात के लिए पंजीकरण–सह–आवंटन प्रमाणपत्र (आरसीएसी)

माह	आरसीएसी की कुल संख्या	मात्रा (मैट्रिक टन)	एफओबी वैल्यू (मिलियन अमेरिकी डालर)
अप्रैल	2645	356275.989	372.5
मई	2706	363134.565	429.99
जून	2655	462242.761	521.78
जुलाई	2412	320879.175	369.11
अगस्त	2475	384108.186	447.99
सितम्बर	2470	267937.477	308.65
अक्टूबर	2413	225051.231	273.47
नवम्बर	3033	349477.702	399.61
दिसम्बर	3576	470640.969	491.67
जनवरी	3566	452816.004	567.53
फरवरी	3528	443833.47	497.79
मार्च	3688	462726.633	520.73

4.4 मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के लिए जारी निर्यात प्रमाण पत्र (सीओई)

मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के निर्यात के लिए जारी निर्यात प्रमाण पत्र (सीओई) एपीडा द्वारा मूंगफली और मूंगफली उत्पादों के निर्यातकों/ प्रसंस्करणअकर्ताओं को उस मात्रा के लिए निर्यात प्रमाण पत्र जारी किया जाता है, जो एफ्लाटॉक्सिन जांच में पास होता है जो अधिकृत प्रयोगशाला की रिपोर्ट के आधार पर होता है जो यह बताता है कि प्रोसेसिंग और पैकेजिंग एपीडा द्वारा पंजीकृत प्रोसेसिंग ईकाई और वेयर हाऊस में की गई है। सीओई के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त होने पर, एपीडा प्रक्रिया के अनुपालन की जांच करता है और उसके बाद डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित सीओई को ऑनलाइन जारी किया जाता है।

कुल सीओई	मात्रा (मैट्रिक टन)
34,210	6,80,532

5. एपीडा में राजभाषा का कार्यान्वयन

एपीडा द्वारा 2022–23 के दौरान भारत सरकार के राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों के विभिन्न प्रावधानों का अनुपालन किया गया । एपीडा ने निर्धारित समय अवधि के भीतर राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय और वाणिज्य विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अनिवार्यता का अनुपालन किया है। एपीडा ने दिन–प्रतिदिन के कार्यालय कार्यों में हिंदी के प्रचार के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं, जैसेः

1. वर्ष के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें नियमित आधार पर आयोजित की गईं।
2. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3 (3) के अंतर्गत सभी दस्तावेज अनिवार्य रूप से द्विभाषी रूप में जारी किए गए।
3. राजभाषा के संचालनात्मक कार्यान्वयन तथा हिदी में पत्राचार को बढ़ने के लिए एपीडा ने पहल की है और निम्नलिखित ऑनलाइन प्रमाण पत्र द्विभाषी रूप से जारी किए जा रहें है :–
   क. आरसीएमसी
   ख. आरसीएसी
   ग. सीओई
4. एपीडा द्वारा सूरत, गुजरात में 14–15 सितंबर 2022 को आयोजित ''द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन'' में भाग लिया गया।
5. एपीडा ने राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''प्रतीक चिन्ह (लोगो)'' प्रतियोगिता में भाग लिया।
6. 14 से 29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा/हिंदी दिवस आयोजित किया गया। संचार के नियमित माध्यम के रूप में हिंदी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।
7. इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मानित करने और उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया।
8. एपीडा ने नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकों में सक्रिय रूप से और नियमित रूप से भाग लिया है।
9. एपीडा ने 16 मार्च 2023 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित ''राजभाषा सम्मेलन'' में भाग लिया।
10. अधिकारियों/कर्मचारियों को नियमित रूप से हिंदी टिप्पण करने में सहायता करने के लिए सभी फाइल कवर द्विभाषी आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले वाक्यांशों के साथ मुद्रित होते हैं।
11. संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप–समिति द्वारा 03.11.2022 को क्षेत्रीय कार्यालय बैंगलोर का निरीक्षण किया गया । समिति के माननीय सदस्यों ने एपीडा स्टाल का दौरा किया और हिंदी रजिस्टरों, फाइलों का निरीक्षण किया और क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर एपीडा अधिकारियों के साथ बातचीत की।
12. अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना दैनिक कार्यालय कार्य हिंदी में करने के लिए प्रेरित करने के लिए नकद प्रोत्साहन योजना दी गई।
13. एपीडा की वेबसाइट हिंदी में भी उपलब्ध है जोकि समय समय पर अद्यतित की जाती है।

6 एपीडा की कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात प्रोत्साहन योजना

एपीडा की कृषि एवं प्रसंस्कृत उत्पाद निर्यात प्रोत्साहन योजना एपीडा द्वारा संचालित एक निर्यात प्रोत्साहन योजना है। इस योजना का उद्देश्य निर्यातकों को सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादों के निर्यात को सुविधाजनक बनाना है। यह निम्नलिखित द्वारा उद्देश्य को प्राप्त करता है:

- कृषि–निर्यातकों के सामने आने वाली कई चुनौतियों को समझना।
- इन चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने और एपीडा के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सहायता की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए।
- वित्तीय सहायता तीन व्यापक क्षेत्रों में प्रदान की जाती है, अर्थात् निर्यात अवसंरचना का विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास।

6.1 बाजार विकास

यह निर्यातकों को नए बाजारों में बाजार पहुंच प्राप्त करने और मौजूदा बाजारों में अपनी स्थिति बनाए रखने में सहायक है। इसमें खाद्य उत्पादों के निर्यात के लिए संरचित विपणन योजना सूचित निर्णय लेने के लिए मार्केट इन्टेलिजेन्स, अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर, कौशल विकास, क्षमता निर्माण और उच्च गुणवत्ता वाली पैकेजिंग को शामिल किया गया है। इस सहायता के अन्तर्गत निम्नलिखित शामिल हैं:

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी
- व्यापार प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान
- क्रेता–विक्रेता सम्मेलन का आयोजन
- नए उत्पादों के लिए पैकेजिंग मानकों का विकास करना और मौजूदा मानकों का उन्नयन करना

6.2 अवसंरचना विकास

एपीडा कृषि–उद्योगों के विकास और मूल्य श्रृंखला में कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए अवसंरचना के महत्व को मान्यता देता है। योजना में ताजा उत्पाद और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद दोनों शामिल हैं। योजना का उद्देश्य खराब होने के करण होने वाले नुकसान को कम करना और कृषि उत्पादों का गुणवत्ता उत्पादन सुनिश्चित करना है। इसे प्राप्त करने के लिए, फसल कटाई उपरान्त सुविधाओं को स्थापित करने की आवश्यकता होती है। इस योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाती है।

- अवसंरचना जैसे पैकिंग/ग्रेडिंग लाइनों के साथ पैक हाउस सुविधाएं।
- शीत भंडारण और रेफ्रिजरेटर परिवहन आदि के साथ प्री–कूलिंग इकाइयां।
- केले जैसी फसलों के प्रबंधन के लिए केबल प्रणाली
- सामान्य अवसंरचना सुविधाएं
- आयात करने वाले देशों की पादप–स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं के अनुपालन के लिए पूर्व–शिपमेंट उपचार सुविधाएं जैसे विकिरण, उच्च वाष्प उपचार (वीएचटी), हॉट वाटर डिप ट्रिटमेंट उपचार (एचडब्ल्यूडीटी)।
- मिसिंग गैप को दूर करने के लिए प्रसंकरण सुविधाओं (प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र) के लिए अवसरंचना जिसमें एक्स–रे स्क्रीनिग, सॉर्टेक्स, गंदगी/मेटल डिटेक्टर, सेंसर, वाइब्रेटर या खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता आवश्यकताओं के लिए कोई नया उपकरण या प्रोद्योगिकी जैसे उपकरण शामिल है।

6.3 गुणवत्ता विकास

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में भाग लेने के लिए, विभिन्न देशों की खाद्य सुरक्षा आवश्यकताओं का पालन करना आवश्यक है। कई आयातक देश कड़े अधिकतम अवशेष स्तर (एमआरएल) के पालन की मांग करते हैं। विकसित आयातक देशों ने बहुत कम स्तर पर एमआरएल स्थापना की है। इसके लिए, खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं द्वारा उच्च परिशुद्धता

उपकरणों को स्थापित करना आवश्यक है। इस घटक के अन्तर्गत आयातक देशों के निर्धारित मानकों का पालन करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इस घटक के अन्तर्गत निम्नलिखित सहायता प्रदान की जाती है:

- गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों की स्थापना,
- प्रयोगशाला परीक्षण उपकरण,
- ट्रेसबिलिटी सिस्टम और नमूने आदि के परीक्षण के लिए फार्म स्तर परिधीय निर्देशांक को पकड़ने के लिए हैंड हॉल्ड उपकरण।
- पानी, मिट्टी, अवशेषों या कीटनाशकों, पशु चिकित्सा दवाओं, हार्मोन, विषाक्त पदार्थों, भारी धातु, दूषित पदार्थों आदि का परीक्षण।

6.4 सामान्य अवसंरचना

1. वर्ष 2022–23 के दौरान स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लाभार्थी	पात्र लागत (रुपए लाख में)
1.	दाल प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन में उत्कृष्टता केंद्र, कर्नाटक	मैसर्स कर्नाटक स्टेट पल्सेस अभिवृद्धि मंडली लिमिटेड, कालाबर्ग (केएसपीएमएल)	444.00
2.	इंटीग्रेटेड पैक हाउस सहजनवा, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश	राज्य कृषि उपज मंडी बोर्ड, लखनऊ, उ0प्र0	553.00
3.	बिहार के दरभंगा जिले के केवटी ब्लॉक में ताजे फल और सब्जी के निर्यात के लिए पैक हाउस	निदेशक बागवानी सह मिशन निदेशक, बिहार बागवानी विकास सोसाइटी (बीएचडीएस), पटना, बिहार	650.00
4.	उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के कालाडुंगी में साझा अवसरंचना की स्थापना	निदेशक, बागवानी और खाद्य प्रसंस्करण विभाग, नर्सरी सर्किट हाउस, देहरादून, उत्तराखंड	603.00

2. वर्ष 2022–23 दौरान पूर्ण की गई परियोजना का विवरण:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लाभार्थी	पात्र लागत (रुपए लाख में)
1.	करीमगंज, असम में फलों और सब्जियों के लिए पैक हाउस की स्थापना	असम राज्य कृषि विपणन बोर्ड (एएसएएमबी), असम	1,050.00
2.	एकीकृत पैक हाउस, नरोदा, गुजरात का आधुनिकीकरण/उन्नयन	मैसर्स गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन लिमिटेड	501.00

3. वित्तीय वर्ष 2022–23 का बजट विवरण इस प्रकार है:

(रूपए करोड़ में)

क्र. सं.	विवरण	स्वीकृत बजट 2022-23	व्यय राशि	देय राशि
क	सहायता अनुदान सब्सिडी	46.0	46.0	0.00
	उप कुल (क)	**46.0**	**46.0**	**0.00**
ख	पूंजीगत संपति के निर्माण के लिए अनुदान	23.6	23.6	0.00
	उप कुल (ख)	**23.6**	**23.6**	**0.0**
ग	सामान्य सहायता अनुदान	5.0	5.0	0.00
	उप कुल (ग)	**5.0**	**5.0**	**0.00**
घ	पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर)			
	(i) सहायता अनुदान (सामान्य)	2.0	2.0	0.00
	(ii) सब्सिडी	2.0	2.0	0.00
	(iii) पूंजीगत संपति का निर्माण	1.4	1.4	0.00
	उप कुल (घ)	**5.4**	**5.4**	**0.00**
	कुल (क+ख+ग+घ)	**80.0**	**80.0**	**0.00**

7 एपीडा की ई–गर्वनेंस पहलें

एपीडा हमेशा से भारत से कृषि निर्यातों को बढ़ावा देने और उनके विकास के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने और व्यापार करने में सरलता के लिए आई टी प्रणालियों का उपयोग करने में अग्रणी रहा है। एपीडा ने मौजूदा ई–गर्वनेंस प्रणालियों को बढ़ाने और हितार्थियों के लाभ के लिए नई ऑन लाइन सुविधाओं को शुरू करने के लिए पिछले कुछ वर्षों के दौरान अनेक पहलें की हैं। इसमें मौजूदा सुविधाओं के सरलीकरण और उन्हें युक्तिसंगत बनाने तथा ई–गर्वनेंस को अधिक प्रभावी और कारगर बनाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की शुरूआत करने पर जोर दिया गया है।

क) एपीडा मिलेट पोर्टल

चूंकि वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया गया है, इसलिए एपीडा ने मिलेट के लिए एक विशेष वैब पोर्टल बनाया है जिसमें मिलेट्स, स्वास्थ्य संबंधी उसके लाभों, उत्पादन और निर्यात आंकड़े, अन्य संगत सूचना के साथ मिलेट निर्यातकों की एक डायरेक्टरी और भारत की क्षमता का आकलन करने वाला एक व्यापक वैश्विक विपणन अभियान और 30 आयातक देशों और 21 मिलेट उत्पादक राज्यों की ई–केटेलॉग के बारे में जानकारी दी गई है। इस ई–कैटेलॉग में अलग–अलग देशों की प्रोफाइल, भारतीय मिलेट और मिलेट मूल्यवर्धित बास्केट, मिलेट उत्पादन परिदृश्य, मिलेट के भारतीय निर्यातय मिलेट्स के अंतर्राष्ट्रीय मानक और निर्यातकों, स्टार्ट–अप, एफपीओ, आयातकों और देश में भारतीय दूतावासों की संपर्क सूची संबंधी सूचना दी गई है।

ख) अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष मनाने के लिए डिजीटल पहलें (आईवाईओएम) 2023

मिलेट्स और मिलेट आधारित उत्प्पादों के संवर्धन के लिए वर्चुअल व्यापार मेलों (वीटीएफ) के लिए एक ई–प्लेटफार्म विशेष रूप से निर्यातकों, महिला उद्यमियों और नए स्टार्टअप के लिए बनाया गया है ताकि उनके व्यापक किस्म के मिलेट आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया जा सके। इस प्ल्टेटफार्म को विश्व भर से क्रेताओं और आगंतुकों को प्रदर्शकों के साथ बातचीत करने हेतु आमंत्रित करने और अपने मिलेट आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए डिजायन किया गया है। यह वर्चुअल व्यापार मेला (वीटीएफ) 24x7, 365 दिन प्रचलन में रहता है।

ग) ई–फाइटो जारी करने के लिए पीक्यूएमएस (PQMS)–एनपीपीओ प्रणाली के साथ ग्रेपनेट को एकीकृत करना

ग्रेपनेट प्रणाली को ईयू(EU) को निर्यात के लिए ग्रेटनेट संबंधी राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन (एनपीपीओ) द्वारा ई–फाइटो प्रणानपत्र जारी करने के लिए पीक्यूएमएस प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है। अब निर्यातक निर्बाध रूप से फाइटो सेनेटरी प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

घ) डीजीएफटी पोर्टल से ई–आरसीएमसी जारी करना

एपीडा ने डीजीएफटी व्यापार सूचना सं. 35 2021–22 के अनुसार ई–आरसीएमसी जारी करने को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है। एपीडा ने डिजिटल हस्ताक्षर के जरिए ई–आरसीएमसी के प्रसंस्करण और उसे जारी करने के लिए डीजीएफटी पोर्टल का प्रयोग किया है।

ड.) बासमती चावल के लिए आरसीएसी हेतु आवेदन के लिए आरसीएसी मोबाइल ऐप

बासमती चावल आरसीएसी हेतु आवेदन करने में सरलता के लिए पंजीकृत निर्यातकों हेतु आरसीएसी मोबाइल ऐप विकसित किया गया है। यह मोबाइल ऐप निर्यातकों को आरसीएसी के लिए आवेदन करने और बासमती चावल के लिए आरसीएसी जारी करने हेतु दस्तावेज प्रस्तुत करने मे मदद करता है। निर्यातक अपने आरसीएसी आवेदनों की स्थिति देख सकता है और एपीडा द्वारा उसे जारी किए गए आरसीएसी प्रमाण पत्रों की संख्या भी देख सकता है।

च) निर्यात के लिए पीनट.नेट प्रणाली के लिए डिजिटल प्रशिक्षण वीडियो

आपूर्ति श्रृंखला को जानने की साफ्टवेयर प्रक्रिया अर्थात पीनेट.नेट में शामिल हितार्थियों को शिक्षित करने और उनमें जागरूकता लाने के लिए एपीडा ने हितार्थियों के लिए ट्यूटोरियल वीडियो बनाने की पहल की है ताकि वे मूंगफली

और मूंगफली उत्पादों के निर्यात के लिए प्रक्रिया और अपेक्षाओं को समझ सकें। यह वीडियो एपीडा के यू ट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया है।

छ) हलाल प्रमाण पत्र जारी करने के लिए मीट.नेट के साथ आई–सीएएस प्रणाली का एकीकरण शुरू किया

मांस और उसके उत्पादों के लिए हलाल प्रमाण पत्र जारी करने हेतु मीट.नेट प्रणाली को हलाल प्रमाण पत्र जारी करने के आई–सीएएस प्रणाली के साथ एकीकृत किया गया है ताकि वह हलाल प्रमाण पत्र के लिए आयातक देशों की अपेक्षाओं को पूरा कर सके।

ज) एपीडा मोबाइल ऐप

एपीडा ने अपने पंजीकृत सदस्यों/निर्यातकों/हितार्थियों के लिए मोबइल तकनीक की क्षमता का दोहन करने के लिए कृषि–एक्सचेंज पोर्टल हेतु मोबाइल ऐप की शुरूआत की है। इस मोबाइल ऐप में कृषि व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के व्यवहार और अद्यतन बाजार समाचार/रूझान आदि से संबंधित समस्त संगत आंकड़े हितार्थियों के लिए दिए गए हैं।

इस मोबाइल ऐप की कुछ विशेषताएं इस प्रकार हैं:

- कृषि व्यापार आंकड़ा एनेलेटिक्स
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और भारतीय निर्यात आंकड़े
- प्रमुख वस्तु आंकड़े
- निर्यात सारांश और प्रोफाइल रिपोर्ट
- बिक्री/खरीद प्रस्ताव
- एपीडा द्वारा जारी परिपत्र, दिशा निर्देश, अधिसूचना या निर्देश
- व्यापार समाचारः–

  वर्ष 2022–23 के दौरान जारी समाचार पत्र की कुल संख्या **- 246**

  कुल सबस्क्राइबर **- 27,452**

झ) सोशल माडिया में एपीडा की उपस्थिति

एपीडा विभिन्न सोशल मीडिया मंचों का सक्रिय रूप से प्रयोग करता है, एक समर्पित सोशल मीडिया टीम एपीडा के उत्पादों की मौजूदगी और संवर्धन, आयोजनों और प्रमुख मंचों जैसे कू, ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि संबंधी महत्वपूर्ण सूचना का प्रबंधन करती है। 2022–23 के दौरान एपीडा के ट्विटर फॉलोअर बढ़कर 8909 हो गए हैं।

8. बागवानी क्षेत्र (ताजे फल और सब्जियां तथा पुष्प कृषि)

भारत दक्षिण में उष्ण कटिबंधीय से उत्तर में सामान्य तक के जलवायु क्षेत्र की असाधारण किस्मों का स्थान है। भारत बागवानी संपन्न देश है और विश्व में फलों तथा सब्जी के क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। राष्ट्रीय बागवानी डाटा बेस (तीसरे अग्रिम अनुमान) के अनुसार 2021–22 के दौरान भारत ने 107.24 मिलियन मीट्रिक टन फलों का और 204.84 मिलियन मीट्रिक टन सब्जियों का उत्प्पादन किया है।

ताजे उत्पादों के भारी उत्पादन से भारत को विश्व में एक बड़ा निर्यात बास्केट देने में मदद मिलती है। 2022–23 के दौरान, भारत ने ताजे फलों और सब्जियों का 13185.30 करोड़ रू. 1635.95 मिलियन अमेरिकी डॉ. का निर्यात किया जिसमें ताजे फलों का मूल्य्य 6,219.46 करोड़ 770.70 मिलियन अम. डॉ. है जिसका कुल निर्यात में 1.33 प्रतिशत हिस्सा है और सब्जियों का 6,965.83 करोड़ रूपए 865.24 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का निर्यात किया जिसका कुल हिस्सा 3.16 प्रतिशत है। न केवल फलों और सब्जियों का निर्यात किया गया बल्कि पुष्प, कृषि का भारत का कुल निर्यात 2022–23 में 707.81 करोड़ रूपए 88.38 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था। जिसका कुल निर्यातों में हिस्सा 0. 32 प्रतिशत था। वर्ष 2022–23 के दौरान भारत में 827.12 करोड़ रूपए103.28 अमेरिकी डॉलर मूल्य के फलों और सब्जियों के बीजों का निर्यात किया जिसका कुल हिस्सा 0.37 प्रतिशत था।

ताजे फल निर्यात क्षेत्र के अंतर्गत प्रमुख उत्पाद केला, अनार, खरबूज, संतरे, आम, अंगूर, पतीता, अमरूद और सेब हैं। प्रमुख बाजार नीदरलैंड, यूएई, बांग्लादेश, नेपाल और ईराक हैं।

पुष्प कृषि के अंतर्गत प्रमुख निर्यातित उत्पाद गुलाब, ट्यूबरोज, ग्लेडियोलस, एंथरियम, कार्नेसंस, गैंदा, फोलीएज और टिश्यू कल्चर पौधे आदि थे। प्रमुख बाजार यूएसए (USA), नीदरलैंड, यू ए ई, यूक`(UK) और जर्मनी हैं।

फलों और सब्जियों के बीजों के क्षेत्र में प्रमुख उत्पाद टमाटर के बीज, प्याज के बीज, फलों के बीज, अल्फाअल्फा के बीज और मूली के बीज शामिल हैं। प्रमुख बाजार यूएसए (USA), नीदरलैंड, बंगलादेश, यूएई और थाइलैंड हैं।

क) नए उत्पादों के लिए व्यापार पहलें

फ्लैग – ऑफ्स (FLAG- OFFS):

- बिलासपुर, धुबरी जिले असम से दुबई को कटहल और हरी मिर्च।
- इडुक्की केरल से यूनाइटेड किंगडम को छिलका रहित कटहल।
- कोलकाता, पश्चिम बंगाल से बहरीन को मोम की परत वाला सेब और लीची
- मेघालय से दुबई को खासी मेंदरीन
- पश्चिम बंगाल से बहरीन किंगडम को दार्जिलिंग मेंदरीन संतरे।
- पश्चिम बंगाल से दुबई को दल्ले खुरानी (गोल मिर्च)

ख) जीएसीसी(GACC) पंजीकरण:

- एपीडा ने 20 अंगूर पैक हाउस और उसके बगीचों को अनुमोदित किया है और 12 नए पैक हाउसों और उनके बगीचों को चीन को 2023 के मौसम के लिए अनुमोदन हेतु इस सूची में जोड़ा भी है। जीएसीसी ने भारत से चीन को अंगूर के निर्यातों के लिए 2023 के मौसम में 32 पैक हाउसों और बगीचों को अनुमोदित किया है।
- एपीडा ने चीन को आम के निर्यात के लिए 4 पैक हाउसों और उनके बगीचों की एक सूची भेजी है। जीएसीसी ने 2023 के मौसम के लिए सभी 4 पैक हाउसों और बगीचों को अनुमोदित किया है।
- सब्जी उद्यमों और पारंपरिक चीनी दवाइयों के उद्यमों की एक सूची पंजीकरण हेतु जीएसीसी टीम को आगे प्रस्तुत करने के लिए बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास को प्रस्तुत की गई है ताकि इन उत्पादों के चीन को निर्यात को सुगम बनाया जा सके। यह सूची जीएसीसी द्वारा अनुमोदित की गई है।

ग) निर्यात के लिए व्यापार पहलें

- एपीडा ने यूएसडीए एफिस (USDA APIHS) के साथ पूर्व स्वीकृति ऑपरेटर भुगतान योजना पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि एनपीपीओ भारत और यूएसडीए एफिस के बीच ओडब्ल्यूपी के भाग के रूप में वित्त वर्ष 2022–23 के लिए यूएसए(USA) को आम और अनार के निर्यात के पूर्व स्वीकृति कार्यक्रम के लिए समन्वित किया जा सके।
- एपीडा ने इंडोनेशिया को प्याज के निर्यातों के लिए निर्यातकों द्वारा गुड एग्रीकल्चर प्रैक्टिसेस (GAP) और गुड हैंडलिंग प्रैक्टिसेस(GHP) के कार्यान्वयन के लिए प्याज फार्म और पैकिंग हाउस उत्पादन प्रणाली का आकलन और समीक्षा करने के लिए इंडोनेशियाई शिष्ट मंडल को महाराष्ट्र का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया था।
- एपीडा ने ईयू(EU) और अन्य देशों को भिंडी के निर्यात के लिए स्थापित निर्यात प्रमाणन प्रणाली के सत्यापन के लिए ऑस्ट्रेलियाई शिष्ट मंडल को 11 से 16 दिसंबर, 2022 तक महाराष्ट्र और गुजरात का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया था।
- एपीडा ने आस्ट्रेलिया को अनार और अनार के दानों के निर्यात के लिए स्थापित प्रोटोकॉल के आकलन के लिए ऑस्ट्रेलियाई शिष्ट मंडल को वासी, नवी मुंबई स्थित इररेडियेशन सुविधा, एमएसएएमबी का दौरा करने के लिए आमंत्रित किया था। इस सुविधा को आस्ट्रेलियाई आयोग ने अनुमोदित किया है।
- जापान को आमों के निर्यात को सुगम बनाने के लिए वीएचटी सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए एमएएफएफ, जापान को आमंत्रित किया गया था। यह निरीक्षण मार्च/अप्रैल में हुआ था और इससे जापान को आम के निर्यातकों को सुविधा मिली है।
- एपीडा ने वीडियो निरीक्षण के माध्यम से न्यूजीलैंड को आमों के निर्यात के लिए प्रतिबंध हटाने हेतु एमएसएएमबी वीएचटी संयंत्र के पुनः सत्यापन हेतु न्यूजीलैंड एनपीपीओ को समन्वित किया। न्यूजीलैंड एनपीपीओ ने सुविधा पर से प्रतिबंध हटा दिया है।
- सहयाद्री फार्म में स्टेशनरी कंटेनर में न्यूजीलैंड को अंगूर के निर्यात के लिए SO_2 और CO_2 फ्यूमीगेशन किया गया था और 2022–23 में अंतिम रूप दिया गया था।

घ) ट्रेसेबिलिटी:

- एपीडा की ट्रेसेबिलिटी पहल के भाग के रूप में व्यापार बढ़ाने के लिए हॉर्टिनेट पोर्टल में बेबीकॉर्न, जामुन और अंगूर की नई किस्में जोड़ी गई थी।
- व्यापार करने में सुगमता के रूप में अंगूर के निर्यात के लिए एक संयुक्त पोर्टल एक्सचेंज से निर्यातकों को ईयू(EU) को अंगूरों का निर्यात शुरू करने के लिए ग्रेपनेट पोर्टल के जरिए ऑन लाइन फाइटो प्रमाण पत्र प्राप्त करने में मदद मिल रही है। इसके अलावा, भारतीय पादप संगरोध प्रबंधन प्रणाली (पीक्यूएमएस) के कार्यान्वयन/समेकन के लिए एनपीपीओ के साथ एपीडा के ग्रेपनेट, हॉर्टिनेट आदि के एकीकरण के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

ड.) क्रेता–विक्रेता बैठकें:

- एपीडा ने भारत और म्यांमार के बीच कृषि क्षेत्र में अवसर खालने के लिए वचुर्अल क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की।
- नॉर्थ ईस्ट फेस्टिवल–2022 के 10वें संस्करण के अवसर पर कृषि – बागवानी, खाद्य प्रसंस्करण, क्रेता–विक्रेता बैठक, उत्तर पूर्वी क्षेत्रों से उद्यमियों द्वारा उत्पादों की रेंज दर्शाने के लिए दिल्ली में 26 दिसंबर, 2022 को आयोजित की गई थी।

च) संवर्धनात्मक कार्यक्रम

- एपीडा ने 26 जनवरी, 2023 को नेशनल डे रिसेप्शन पर कांसुलेट जनरल ऑफ इंडिया, ओसाका उत्पाद जापान मे फलों और सब्जियों को बढ़ावा दिया, जिसमें मंत्रियों, सांसदों, विधायकों, व्यापार और मीडिया के लोगों, कूटनीतिक निगमों के प्रतिनिधियों तथा भारतीय समुदाय के सदस्यों वाले 300 अतिथियों को आमंत्रित किया गया था।
- एपीडा ने खानापुरम, गुवाहाटी में कॉलेज और वेटेरिनरी साइंस में ''पहले एक्सपो आर्गेनिक नार्थ ईस्ट'' में सिक्किम स्टेट कोऑपरेटिव सप्लाई एंड मार्केटिंग फेडरेशन लि. के सहयोग से भागीदारी की।
- एपीडा ने ''भारत में पुष्प कृषि की संभावना का दोहरा करने संबंधी राष्ट्रीय संवाद'' में भागीदारी की और एनएएससी कॉम्पलैक्स, आईएआरआई, नई दिल्ली में पुष्प कृषि में विपणन गतिविधियों के तकनीकी सत्र के अंतर्गत भारत से निर्यात सुगमीकरण संबंधी एक प्रस्तुतिकरण दिया।

छ) आम के संवर्धन कार्यक्रम

- आम के संवर्धन कार्यक्रम और क्रेता विक्रेता बैठकें कुवैत, युनाइटेड किंगडम, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमरीका, डेनमार्क, बेल्जियम, तुर्की, अफगानिस्तान और जर्मनी में उच्चायोगों और वाणिज्यिक दूतावासों के सहयोग से आयोजित की गई थी।
- बहरीन में 8 सुपर स्टोरों में ''मैंगो फेस्ट'' नाम से आम के संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें 5 जीआई(GI) टैग प्राप्त आम की किस्मों सहित आम की 34 किस्मों को दर्शाया गया था।

ज) विदेशी बाजार पहुंच में सफलता

एपीडा ने कनाडा को बेबीकॉम और ताजा केले, आस्ट्रेलिया को अनार के दाने और भारत से यूएसए(USA) को अनार के दानों के लिए बाजार पहुंच में सफलता हासिल की है।

झ) घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय आयोजन में भागीदारी

- एपीडा ने नई दिल्ली में इंटरनेशनल फ्लोरा एक्सपो 2023 में भागीदारी की ताकि कट फ्लॉवर, कल फोलिएज के प्लांट, ड्राई फ्लावर आदि सहित भारतीय पुष्प कृषि उत्पादों का संवर्धन किया जा सके।
- प्याज निर्यातों को बढाने के लिए एक रणनीती तैयार करने को प्याज के निर्यात से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए हितार्थियों के साथ एक बैठक आयाजित की।
- सऊदी अरब के लुलू हाइपरमार्केट में काले गाजर के साथ उत्तर भारतीय सब्जियों को बढावा देना।

ञ.) आर एंड डी (R&D) सहायता

- तीन वर्षों (2022–25) के लिए प्रयोग करने हेतु ''निर्यात के लिए उपयुक्त अंगूर की वाणिज्यिक किस्म की मौसम के अनुसार उत्पादन की संभावना का दोहन करना'' नामक एक परियोजना प्रदान की गई थी।
- भारत में पुष्क कृषि की संभावना का दोहन करने संबंधी राष्ट्रीय संवाद आयोजित करने के लिए ट्रस्ट फॉर एडवासमेंट ऑफ एग्रीकल्चर साइसेज (टीएएएस), आई ए आर आई, नई दिल्ली के विचार–विमर्श में 16–17 फरवरी, 2023 को भागीदारी की।
- मिर्च के हॉट वाटर इमरशन उपचार संबंधी प्रस्ताव के लिए राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान द्वारा एक परियोजना संबंधी विचार–विमर्श में भीगदारी की।
- पंधरपुर में जीआई(GI) प्रमाणित सोलापुर के अनार को बढावा देने सेबंधी एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मार्च, 2023 के पहले सप्ताह में भागीदारी की।
- वाईएसआर बागवानी विश्वविद्यालय में एथनिक सब्जियों में (हाइब्रिड पद्धति) संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- कारगिल जिले में खुबानी के केनोपी प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण सरकार को प्रदान किया गया था।

ट) पैक हाऊस मान्यता प्रमाण पत्र

अप्रैल 2022–मार्च, 2023 में आज की तारीख तक 60 पैक हाउसों को पैक हाउस मान्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया था।

ठ) अन्य कार्यकलाप

- दक्षिण कोरिया में भारतीय कच्चे केले की सैंपलिंग को शुरू करने के लिए निर्यातों में सुविधा दी गई। फीड बैक के अनुसार नई मदों के निर्यातों को जारी रखने के आगामी गतिविधियों पर कार्रवाई की जा रही है।
- आम निर्यातकों की मांग के आकलन के बाद एपीडा ने वासी, नासिक, अहमदाबाद और बंगलौर में इररेडिएशन सुविधा संयंत्रों में स्वीकृति कार्यक्रम के लिए यू एस के निरीक्षकों की मौजूदगी की मांग की।

- एपीडा ने 2023 मौसम के लिए एपीक्यूए दक्षिण कोरिया को आम के निर्यात के लिए वीएचटी सुविधा के साथ निर्यातकों को जोड़ा है। इस जानकारी से आमों के विदेशी उपचार के जरिए संगरोध निरीक्षण की स्थिति में सुविधा होगी।
- एपीडा ने 2023 मौसम के लिए एम ए एफ एफ (MAFF)जापान को आम के निर्यात के लिए वीएचटी सुविधा के साथ निर्यातकों को जोड़ा है। इस जानकारी से आमों के विदेशी उपचार के जरिए संगरोध निरीक्षण की स्थिति में सुविधा होगी। एमओए एंड एफ डब्ल्यू (MOA&FW)को आम के आगामी मौसम के लिए जापान की संगरोध निरीक्षण को आमंत्रित करने के लिए अनुरोध भेजा गया है।
- दूतावसों और एनपीपीओ भारत के साथ यूएसए (USA), जापान, न्ध्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया को आमों के निर्यात के लिए समन्वय किया गया है।
- एफपीओ, एफपीसी, सहकारी संस्थाओं, स्टार्टअप और महिला उद्यमियों के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठकें आयोजित की गईं।
- असम, गुवाहाटी, असम में उत्तर पूवी राज्यों से प्राकृतिक तथा जैविक और जी आई टैग प्राप्त उत्पादों के निर्यात संभावना को बढ़ाने के लिए बैठक आयोजित की गई
- मिजोरम से फलों और सब्जियों सहित कृषि–उत्पादों के निर्यात की संभावना संबंधी कार्यशाला आयोजित की गई।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले ''फूट एट्रेक्शन 2022'' में भागीदारी तथा निर्यात बढ़ाने के लिए फलों और सब्जियों के निर्यातकों के लिए मंच प्रदान करने हेतु मैड्रिड में व्यापार शिष्ट मंडल में भागीदारी।
- बेल्जियम, यूरोप में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले की बैठक में भागीदारी अर्थात 15 से 18 जनवरी 2023 को हुए खाद्य और पेय प्रदर्शनी में भागीदारी और भारत से निर्यातकों के लिए उनके उत्पादों जैसे मिलेट और मूल्य वर्धित उत्पाद, अनार, अंगूर, भिंडी और बेबी कार्न तथा खाने के लिए तैयार उत्पाद और स्नैक्स जैसे उत्पादों के संवर्धन के लिए एक मंच देने हेतु क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन करना।
- पुष्प कृषि और पौधों संबंधी ईपीएफ बैठक को आयोजित किया गया था जिसमें निर्यात संवर्धन मंच के सभी निर्यातकों और अधिकारियों को पुष्प कृषि से संबंधित मुख्य मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाया गया था।

9. प्रसंस्कृत और प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र

भारत सभी खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए कच्ची सामग्री की उपलब्धता के कारण प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद के निर्यातों के लिए भावी केन्द्र है। यह दावा खाद्य उत्पादों के प्रसंस्करण के लिए प्रयुक्त अनेक कृषि उत्पादन द्वारा समर्थित है। एपीडा ने अपनी नवीनतम तकनीक के साथ विशेष रूप से तृतीय स्तर और उससे आगे के मूल्यवर्धन के लिए प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद क्षेत्र के निर्यात का समर्थन किया है। वित्त वर्ष 2022–23 में प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र में विशेष रूप से मूंगफली, आम के गूदे, दालों आदि के निर्यातों में वृद्धि देखी गई है।

वर्तमान वित्त वर्ष 2022–23 के 9 महीनों में **प्रसंस्कृत फलों और सब्जियों के निर्यातों में 30.36 प्रतिशत तक** 1472 मिलियनम अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई थी।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यातों में वित्त वर्ष 2021–22 की संगत अवधि की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2022–23 (अप्रैल–दिसंबर) के 9 महीनों में **13 प्रतिशत तक** वृद्धि हुई है।

आम के गूदे और आम के उत्पादों में अन्य फलों के प्रसंस्कृत उत्पादों की तुलना में निरंतर वृद्धि हो रही है। आम के गूदे के जैम व जैली और मरमालैड्स को अन्य फल आधारित उत्पादों की तुलना में अधिक निर्यात किया गया है।

भारत से प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात में फिलीपींस (155.03 प्रतिशत), ब्राजील (63.43 प्रतिशत), रूस (50.5 प्रतिशत) तथा इंडोनेशिया (52.56 प्रतिशत) की उच्चतम वृद्धि रही है जबकि यूएसए(USA) (16.95 प्रतिशत) और यूके (8.76 प्रतिशत) के पास सबसे अधिक प्रतिशत हिस्सा है।

2022–23 के लिए निर्यात

कुल मात्रा	पूर्व वर्ष की तुलना में % वृद्धि	मूल्य
1,910,848.90 (MT)	40.69	2,248.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर

शीर्ष निर्यात गंतव्य

प्रसस्कृत सब्जियां

यूएसए (U S A)	यूके (U K)	फिलीपीन्स	जर्मनी	थाइलैंड
(16.95 %)	(8.76 %)	(7.56 %)	(5.55 %)	(5.40 %)

अन्य प्रसंस्कृत खाद्य

अनाज से निर्मित खाद्य उत्पाद तथा विविध प्रसंस्कृत मदों जैसे प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों में पूर्ववर्ती वर्ष के पहले 9 महीनों की तुलना में **24.35 प्रतिशत की वृद्धि** दर्ज की गई।

दालों के निर्यात में पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वर्तमान वित्तीय वर्ष के 9 महीनों में **80.38 प्रतिशत की वृद्धि** देखी गई है।

दालों के निर्यात में 242 मिलियन अमेरिकी डॉलर से (अप्रैल– दिसंबर 2021–22) से **436 मिलियन अमेरिकी डॉलर** (अप्रैल– दिसंबर 2022–23) की वृद्धि हुई है।

तैयार खाद्य पदार्थ श्रेणी के लिए विविध खाद्य पदार्थों का निर्यात मूल्य्य 2021–2023 में सर्वाधिक था जिसके बाद सब्जियों और फलों के उत्पादों का स्थान है।

प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग में खाद्य और पेय क्षेत्र में 421.66 बिलियन अमेरिकी डॉलर का भावी संभावना वाला बाजार है। वर्तमान में 2022–23 में एफ एड बी (F&B)निर्यात 48.6 बिलियन डॉलर के थे, जबकि तैयार खाद्य पदार्थों के नियात 2022–23 में 5.5 बिलियन डॉलर के थे।

अनाज (29 प्रतिशत), चीनी और चीनी कन्फेंशनरी (13 प्रतिशत) और मछली और क्रस्टेशियन (14 प्रतिशत) का सर्वाधिक प्रतिशत है।

वे देश जिन्होंने मूंगफली के बडे हिस्से का निर्यात किया है, उनमें इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलिपींस, वियतनाम आदि के एशियाई देश शामिल हैं। (स्रोतः टीपीसीआई)

कोको के निर्यात यूएसए(USA), तुर्की, यूएई, इंडोनेशिया आदि तक केन्द्रित हैं। (स्रोतः टीपीसीआई)

पेय और स्प्रिट के लिए भारतीय निर्यात का हिस्सा 27 प्रतिशत के वैश्विक आयात मूल्य की तुलना में केवल 8 प्रतिशत है। हमारे पास विविध खाद्य पदार्थों का अधिक हिस्सा है जिनका वैश्विक आयात बाजार हिस्सा कमतर है। (स्रोतः टीपीसीआई)

अन्य प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग में भारत में गुड और कन्फैक्शनरी क्षेत्र के पास बाजार विस्तार की सर्वाधिक संभावना है। चीनी के मूल्यवर्धित उत्पाद विशेष रूप से कोको रहित चीनी कन्फैक्शनरी की पिछले 5 वर्षों में 17.50 प्रतिशत की सीएजीआर के साथ सकारात्मक वृद्धि रही थी।

2022–23 के लिए निर्यात

कुल मात्रा	पूर्व वर्ष की तुलना में %वृद्धि	मूल्य (मिलियन अमेरिकी डॉलर)
4,038,261.19 (MT)	19.88	4,597.39

शीर्ष 5 निर्यात गंतव्य

प्रसंस्कृत फल, जूस और मेवे

नीदरलैंड	यूएसए U S A	सऊदी अरब	संयुक्त अरब अमीरात	रूस
(11.79 %)	(10.58 %)	(10.56 %)	(8.17 %)	(3.70 %)

प्रसंस्कृत खाद्य निर्यातों का रूझान

पिछले 5 वर्षों में प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग में भारत के निर्यात में वृद्धि

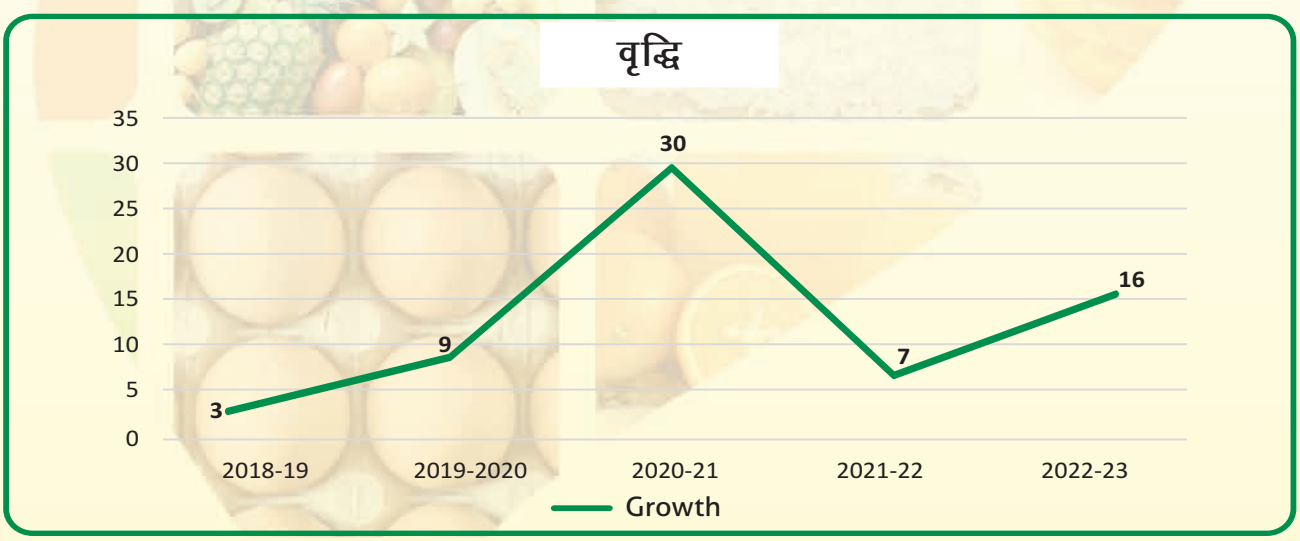

स्रोतः डीजीसीआईएस

चीन, बांग्लादेश और इंडोनेशिया की पिछले 5 वर्षों में सबसे तेज वृद्धि दर रही है।

- एपीडा ने प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद के निर्यातकों को सहायता दी और मास्को स्थित भारतीय दूतावास द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार उन्हें रूस की सबसे बड़ी खाद्य रिटेल कंपनी ''मेगनेट'' ''X 5 गुप'' से जोड़ा था।
- मुजफ्फरनगर जिले से गुड़ निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- प्रसंस्कृत खाद्य के निर्यात की भावी संभावनाओं पर चर्चा करने और आस्ट्रेलिया के साथ व्यापार बढ़ाने के लिए ऑस्ट्रेलिया स्थित भारतीय उच्चायोग के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।
- एपीडा ने नई दिल्ली में 26 मई, 2022 को आयोजित पहले पादप आधारित खाद्य शिखर सम्मेलन में भागीदारी की।
- एपीडा ने सितंबर, 2022 में चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना में आयोजित ''पहले राष्ट्रीय मखाना सम्मेलन'' में भागीदारी की।
- एपीडा ने दिल्ली में अक्टूबर, 2022 में आयोजित ''स्मार्ट प्रोटीन समिट 2022'' में भागीदारी लिया।
- एपीडा ने प्रगति मैदान में अगस्त, 2022 में 8वें एमएसएमई एक्सपो में भागीदारी की जिससे निर्यातकों को प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक मंच मिला।
- प्रसंस्कृत खाद्य से संबंधित डब्ल्यू टी ओ देशों द्वारा जारी टीबीटी/एसपीएस अधिसूचना को यह सुनिश्चित करने के लिए संबंधित हितार्थियों को परिचालित किया गया कि सभी हितार्थियों को नए विनियम की जानकारी हो ताकि वे निर्यात के देशों के विनियमों का पालन कर सकें।
- भारत में ईयू(EU) शिष्ट मंडल ऑडिट मार्च, 2023 में आयोजित किया गया ताकी यूरोपीय संघ को निर्यात के लिए मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन को नियंत्रित करने के लिए मौजूदा नियंत्रण प्रणालियों का आकलन किया जा सके। यह ऑडिट सुदूर बैठकों, दस्तावेजों के इलैक्ट्रोनिक आदान–प्रदान और मूंगफली उत्पादकों के 2 फार्मों के मौके पर दौरे, मूंगफली प्रसंस्करण इकाइयों, प्रयोगशालाओं, राजकोट की निर्यात निरीक्षण एजेंसी और अहमदाबाद में एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय के दौरे का मिश्रण था।
- मूंगफली, प्रशीतित और उठाए गए खाद्य उत्पादों और आम के गूदे के निर्यातकों के साथ बैठक आयोजित की गई थी ताकि उन्हें एपीडा एफएएस स्कीम, जीएमपी और जीएचपी की जानकारी दी जा सके और एपीडा से अपेक्षित गतिविधियों को समझा जा सके।
- प्रसंस्कृत खाद्य उत्प्पादों के निर्यातकों को प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 26–30 अप्रैल,2022 के दौरान हुए आहार–2022 में भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया गया था।
- 6 जनवरी, 2023 को कृषि विभाग, बिहार के साथ एक वर्चुअल बैठक हुई थी ताकि बिहार से मिलेट और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।
- 30 अगस्त, 2022 को एमडी, इफ्को के साथ कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए एपीडा के साथ इफ्कों के भावी सहयोग के संबंध में एक बैठक हुई थी।
- 30 अगस्त, 2022 को ईओआई, जापान के साथ भारत से जापान को कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात की संभावना तलाशने और उसे बढ़ावा देने के लिए एक वी सी बैठक हुई थी।
- एपीडा ने मखाना, मोरिंगा और आम के गूदे के लिए एच एस कोड के आवंटन हेतु वाणिज्य विभाग और डीजीएफटी को एक प्रस्ताव भेजा था।
- एमओएफपीआई की प्रधानमंत्री संपदा योजना को सभी संबंधित हितार्थियों के लिए सूचना के प्रसार हेतु एपीडा की वेबसाइट पर रखा गया था।

10. पशुधन क्षेत्र

वर्ष 2022–23 में भारत से पशु उत्पादों का निर्यात 4,062.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर का था। पशु उत्पाद समूह के प्रमुख उत्पाद भैंस का मांस, भेड़/बकरे का मांस, अन्य मांस, मुर्गी उत्पाद, डेयरी उत्पाद, एनीमल केसिंग, प्रसंस्कृत मांस, केसिन एलब्यूमिन, अंडे और दूध और प्राकृतिक शहद हैं।

प्रमुख उत्पाद तथा उनके निर्यात बाजार गंतव्य

भैंस का मांस: भारत ने विश्व भर को वर्ष 2022–23 के दौरान 3,194.70 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 1,175,869.13 MT भैंस के मास के उत्पादों का निर्यात किया है। भारत विश्व में चौथा सबसे बड़ा भैंस के मांस का निर्यातक है जिसका भैंस के मांस के निर्यात 4.34 प्रतिशत हिस्सा है। वर्ष 2022–23 के दौरान भारतीय भैंस के मांस के प्रमुख निर्यात गंतव्यः मलेशिया, वियतनाम, मिश्र, इंडोनेशिया और इराक हैं।

डेयरी उत्पादः वर्ष 2022–23 के दौरान विश्व को भारत के डेयरी उत्पादों के निर्यात 67,572.99 MT के थे, जिनका मूल्य 284.85 मिलियन अमेरिकी डॉलर था। 2022–23 में प्रमुख निर्यात गंतव्य थेः बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, सउदी अरब, यूएसए(USA) और भूटान।

प्राकृतिक शहदः भारत ने वर्ष 2022–23 के दौरान 203.07 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 79,929.17 MT प्राकृतिक शहद का विश्व को निर्यात किया। 2022–23 में प्रमुख निर्यात गंतव्य यूएसए(USA), संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, लीबिया और कनाडा थे।

मुर्गी उत्पादः भारत में वर्ष 2022–23 के दौरान 134.04 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 664,753.46 MT मुर्गी उत्पादों का विश्व को निर्यात किया। 2022–23 में प्रमुख निर्यात गंतव्य थेः ओमान, इंडोनेशिया, मालदीव, संयुक्त अरब अमीरात और जापान।

क) निर्यातों के लिए व्यापार पहलें

- भारत का भैंस के मांस के निर्यात में 10वां रैंक है और अमेरिकी डॉलर के अनुसार 3.75 प्रतिशत तक है। भारत से भैंस के मांस के निर्यात के लिए प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में संयुक्त राज्य अमरीका (यूएसए(USA)), आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, अर्जेन्टीना (यूएनकाम्ट्रेड, 2021) शामिल हैं।
- एपीडा ने 72 समेकित बूचड़खाने–सह मांस प्रसंस्करण संयंत्र, 12 मांस प्रसंस्ध्करण संयंत्रों और 6 एकल बूचड़खानों को मान्यता दी है।
- एपीडा ने इंडोनेशिया को मांस और मांस उत्पादों के निर्यात में सुविधा के लिए मांस प्रसंस्करण संयंत्रों के अनुमोदन हेतु महानिदेशालय, पशुधन सेवाएं और पशु स्वास्थ्य, कृषि मंत्रालय, इंडोनेशिया राज्य से मांस प्रसंस्करण संयंत्रों के अनुमोदन हेतु अप्रैल, 2022 में एक शिष्टमंडल को आमंत्रित किया है। इस बैठक का उद्देश्य भारत की पशु चिकित्सा अवसंरचना और देश की एपीजोटिक सूचना के बारे में जानकारी देना था।
- मलेशियाई निरीक्षण मिशन ने मलेशिया को प्रशीतित भैंस के मांस और छिछड़ों के निर्यात के लिए भारत में मांस प्रसंस्करण स्थापनाओं के निरीक्षण के लिए मई, 2022 के दौरान भारत का दौरा किया है। एपीडा की सहायता और सुविधा के साथ मलेशियाई शिष्टमंडल ने 39 मांस प्रसंस्करण संयंत्रों का दौरा किया और इंडोनेशिया को मांस के निर्यात के लिए 20 मांस प्रसंस्करण इकाइयों को अनुमोदित किया।
- अप्रैल, 2022 के दौरान एपीडा ने डेयरी उत्पादों के निर्यात में चुनौतियों पर चर्चा करने और डेयरी उत्पादों के निर्यात समूहों के विस्तार की भावी रणनीति बनाने के लिए पशुपालन और डेयरी विभाग (डीएएचडी) के सचिव की अध्यक्षता में डेयरी निर्यातकों के साथ एक बातचीत बैठक की मेजबानी की।

- एपीडा ने डेयरी उत्पाद के निर्यातों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने और डेयरी उत्पादों की निर्यात क्षमता को बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा करने के लिए 9 सितंबर, 2022 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई), के साथ बैठक में भाग लिया।
- एपीडा ने शहद के निर्यात के लिए मानक तैयार करने और शहद के निर्यातों के लिए विश्व भर में अपनाए जा रहे मानकों पर चर्चा करने के लिए राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) के साथ बैठक आयोजित की।
- एपीडा ने प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी) के सहयोग से भारत से हलाल मांस और मांस उत्पादों के प्रत्यायन और प्रमाणन के लिए दिशा निर्देश बनाने का कार्य शुरू किया ताकि हलाल प्रमाणन को सुचारू बनाया जा सके। इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न निर्यातकों, व्यापार एसोसिएशनों, मंत्रालयों, विभागों और पेशेवर विशेषज्ञों के साथ बैठकों के दौरे आयोजित किए गए ताकि हलाल प्रमाणन और प्रक्रिया की मौजूदा प्रणाली पर विचार–विमर्श किया जा सके। विचार विमर्श के आधार पर भारत से हलाल मांस उत्पादों के प्रत्यायन, प्रमाणन और निर्यात के लिए दिशानिर्देश अधिसूचना हेतु डीजीएफटी को प्रस्तुत किए गए थे।

ख) बाजार पहुंच और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

- भारत से रूस को भैंस के मांस के निर्यात में सुविधा के लिए फेडरल सर्विस फॉर वेटेरिनरी एंड फाइटोसेनेटरी सर्विलेंस (एफएसवीपीएस), रूस ने एक अतिरिक्त एपीडा पंजीकृत मांस संयंत्र अर्थात मै. अल कुरेश एक्सपोटर्स को अनुमोदित किया। (एपीडा/71)
- एपीडा ने अपने अध्यक्ष की अध्यक्षता में इंडोनेशिया के एक शिष्टमंडल और भैंस के मांस और मिलेट के 40 निर्यातकों के साथ दिसंबर, 2022 में चर्चा की।
- एपीडा ने 13 दिसंबर, 2022 को जकार्ता में और 15 दिसंबर, 2022 को मेडॉन में इंडोनेशिया स्थित भारतीय दूतावास के सहयोग से इंडोनेशिया में क्रेता–विक्रेता बैठक (बीएसएम) आयोजित की ताकि भारत से इंडोनेशिया को भैंस के मांस के निर्यात से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जा सके। एपीडा द्वारा तैयार की गई भैंस के मांस के प्रसंस्करण पर आधारित एक फिल्म जकार्ता और मेडॉन, इंडोनेशिया में हुई क्रेता–विक्रेता बैठक के दौरान दिखाई गई थी।
- भारत से मलेशिया को टेबल एग के 30 कंटेनर वाला एक प्रायोगिक खेप दिसंबर, 2022 के दौरान भेजा गया था।

ग) क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- अगस्त, 2022 में एपीडा ने वामनीकॉम, पुणे महाराष्ट्र में हनी मिशन के राष्ट्रीय मधुमक्खी निर्यात संभावना, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित ''शहद के निर्यात संभावना को मजबूत बनाना'' संबंधी कार्यशाला में भागीदारी की। एपीडा ने भारत से शहद के निर्यात संभावना संबंधी प्रस्तुतिकरण दिया जिसमें शहद का वर्तमान निर्यात, गुणवत्ता संबंधी अपेक्षाएं शामिल थीं और शहद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए परिणामों को साझा किया गया था। इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न उद्यमियों, सहकारी संघों और एफपीओ ने विभिन्न फलों/पौधों से निकाला गया शहद दर्शाया और बी वैक्स भी प्रदर्शित किया।
- एपीडा ने निर्यात संभावनाओं पर फोकस करते हुए शूकर संबंधी राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र (एनआरसी), गुवाहाटी के सहयोग से जैविक शूकर उत्पादन सहित वाणिज्यिक शूकर उत्पादन को बढ़ाने के संबंध में भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के जिलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। ये कार्यक्रम सितंबर, अक्टूबर, नवंबर, 2022 महीनों में क्रमशः शिवसागर (असम), अगरतला (त्रिपुरा) और कोकराझार (असम) में हुए थे। विभिन्न एफपीओ किसानों, हितार्थियों और संस्थानों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी की।

11. अनाज क्षेत्र

अनाज समूह में शामिल प्रमुख उत्पादों में चावल (बासमती और गैर बासमती चावल), मिलेट्स, गेहूं, मक्का और अन्य अनाज शामिल है। वित्त वर्ष 2022–23 में भारत द्वारा कुल 30,664,860 MT अनाजों का निर्यात किया गया है जिसका मूल्य 13,857.95 मिलियन अमरीकी डॉलर है।

भारत चीन के बाद विश्व में चावल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है और उसके पास 2021 में विश्व के कुल चावल उत्पादन का 24.82 प्रतिशत हिस्सा है। (स्रोतः एफएओ)। भारत वैश्विक बाजार में बासमती चावल का एक प्रमुख निर्यातक है। देश ने वर्ष 2022–23 के दौरान विश्व को 4787.50 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के बासमती चावल और 6355.74 मिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य के गैर–बासमती चावल का निर्यात किया है। प्रमुख गंतव्य सऊदी अरब, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, बेनिन, चीन, सेनेगल, कोटे डी आईवोरे तौर टोगो तथा यमन गणराज्य हैं।

एफएओ के अनुसार, भारत वर्ष 2020 में मिलेट्स का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक है और इसका हिस्सा 19 प्रतिशत (17.26 MT) है। 2022–23 के दौरान भारत से मिलेट के निर्यात वैश्विक बाजारों जैसे यू ए ई, सऊदी अरब, नेपाल, यूएसए(USA) और जापान, जर्मनी, बांग्लादेश और मिस्र आदि में 75.46 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के थे। विश्व भर में निर्यातित किए जा रहे मिलेट्स के प्रमुख मूल्यवर्धित उत्पादों में आटा, नूडल, पास्ता, फ्लेक्स, पेन केक्स, खाने के लिए तैयार नाश्ता अनाज मिश्रण, बिस्किट, कुकीज, स्नैक्स, मिठाइयां, पकाने के लिए तैयार मिश्रण जैसे डोसा, इडली, खिचड़ी, दलिया आदि शामिल हैं।

गेहूं का विश्व व्यापार सभी अन्य फसलों को मिलाकर भी उनसे अधिक है। भारत के गेहूं की विश्व में मांग में वृद्धि का रूझान है। देश ने बांग्लादेश, इंडोनेशिया, कोरिया गणराज्य, संयुक्त अरब अमीरात और यमन गणराज्य को वर्ष 2022–23 के दौरान 1519.69 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के गेहूं का निर्यात किया है।
देश ने बांग्लादेश, वियतनाम, नेपाल, मलेशिया और श्रीलंका को 2022–23 में 1116 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के मक्का का निर्यात किया है।

अन्य अनाज श्रेणी, जिनमें जौ के बीज, ओट्स, सोरगम अनाज, ज्वार, बक व्हीट, बाजरा, रागी, राई बीज, केनेरी बीज शामिल हैं, के लिए देश में विश्व को वर्ष 2022–23 के दौरान वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, मलेशिया और कतर को 3.39 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के अन्य अनाजों (चावल, गेहूं, मक्का और मिलेट को छोड़कर) का निर्यात किया है।

क) भारतीय मिलेट(श्रीअन्न) को बढ़ावा देना

- एपीडा ने घरेलू तथा वैश्विक बाजारों में भारतीय मिलेट को बढ़ावा देने के लिए भारतीय मिलेट को "आपके और पृथ्वी के लिए उत्तम" के रूप में मुख्य रूप से दर्शाकर बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत ईको सिस्टम का निर्माण करने में अग्रणी भूमिका ली है और स्टार्टअप, शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थान, दूतावासों, प्रसंस्कर्ताओं, खुदरा व्यापारियों और निर्यातकों के साथ भागीदारी का लाभ उठाया है।
- मिलेट्स और उनके मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए पृथक एच एस कोड बनाने की जरूरत पर विचार करते हुए एपीडा ने डीजीएफटी को मिलेट्स के वैश्विक व्यापार में सुविधा के लिए प्रस्ताव भेजा है। एपीडा की सिफारिश पर बार्नयार्ड मिलेट, प्रोसो मिलेट, फॉक्सटेल मिलेट, कोडो मिलेट, लिटिल मिलेट और बीज गुणवत्ता का अमरंथस और बीज गुणवत्ता से इतर मिलेट के लिए नए एच एस कोड जारी किए गए हैं जिससे मिलेट निर्यातों का सरलता से पता लगाना संभव हुआ है।
- एपीडा ने भारत आस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग व्यापार करार (ईसीटीए) के अंतर्गत ऑस्ट्रेलिया को मूल्यवर्धित मिलेट उत्पादों के निर्यात में सुविधा दी है।
- एपीडा ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मिलेट को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक निर्यात संवर्धन मंच स्थापित किया है। इस मंच का उद्देश्य भारत से मिलेट निर्यातों के संवर्धन, विपणन और विकास में सुविधा देना है, जिसमें वैश्विक मिलेट

बाजार में हितार्थियों के लिए सहयोग, ज्ञान साझा करने और अवसरों का पता लगाने के लिए मंच प्रदान किया गया है।

- अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष मनाने के भाग के रूप में एपीडा ने मिलेट मूल्यवर्धित उत्पाद प्राप्त किए और उन्हें आयातक देशों में भारतीय मिशनों अर्थात दोहा, कतर, इटली, उजबेकिस्तान, बहरीन, मलेशिया, रूस, टोक्यो, सऊदी अरब, पर्थ, डेनमार्क, अल्जीरिया और चीन में भारत के दूतावासों को गणतंत्र दिवस मनाने और मिलेट संवर्धन गतिविधियों के लिए भेजा गया है।
- एपीडा ने एफएओ द्वारा रोम, इटली में उसके मुख्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के उद्घाटन समारोह में भागीदारी की, जिसमें मिलेट्स और मूल्यवर्धित मिलेट उत्पादों की विभिन्न किस्मों को प्रदर्शित किया गया।

ख) स्मार्ट पोशक खाद्य कॉन्कलेव

- एपीडा ने 5 दिसंबर, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 का उद्घाटन पूर्व समारोह आयोजित किया जिसमें आपूर्ति श्रृंखला के सभी हितार्थी, लक्षित देशों के राजदूत और आयातक शामिल थे। लगभग 35 आयातकों, विभिन्न देशों के 50 मिशन प्रमुखों, 60 मिलेट और उसके मूल्यवर्धित उत्पाद के उद्यमियों सहित लगभग 100 निर्यातकों, एफपीओ, ने बी2बी बैठक में भागीदारी की और भारतीय दूतावास के 75 प्रतिनिधियों ने कॉन्क्लेव में वर्चुअल भागीदारी की।
- यह कॉन्क्लेव विभिन्न पोषक मूल्यों के साथ मिलेट्स के मूल्यवर्धित नवाचारी उत्पादों की व्यापक रेंज को दर्शाने के द्वारा शीर्ष 100 व्यापारी देशों के बीच भारत को आगे ले जाने वाला और जागरूकता बढ़ाने वाला एक कदम था जिसमें क्रेताओं को ऐसे अद्वितीय उत्पाद दिखाने के लिए आमंत्रित किया गया जिन्हें भारत दे सकता है और विश्व भर में प्रत्येक भोजन और प्रत्येक आहार में भारतीय मिलेट के लिए अंततः स्थान बना सकता है।

ग) वैश्विक मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन

- एपीडा द्वारा आईएआरआई, पूसा कैम्पस में 18 से 22 मार्च, 2023 को बड़े पैमाने पर ''वैश्विक मिलेट (श्री अन्न) सम्मेलन'' आयोजित किया गया था। इस आयोजन का उद्घाटन प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया था।
- देश भर से मिलेट आधारित मूल्य्यवर्धित उत्पादों के लगभग 100 प्रदर्शकों ने इस आयोजन में भागीदारी की।
- इस आयोजन में यूएसए(USA), केन्या, यूएई, जर्मनी, इटली, नेपाल, फ्रांस, कुवैत, मलावी आदि जैसे विश्व के विभिन्न भागों से लगभग 97 क्रेताओं को साथ लाया गया।
- देश भर से विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के बच्चों ने मिलेट्स और उनके मूल्य्यवर्धित उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस प्रदर्शनी में भागीदारी की। इसके अलावा, विभिन्न सांसदों और कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी में भागीदारी की। भारतीय मिलेट आधारित अनेक उत्पादों को दर्शाया गया था और सैम्पलिंग तथा टेस्टिंग अभियान भी आयोजित किए गए थे।

घ) व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी)– जी–20

एपीडा ने 29 से 30 मार्च, 2023 को हुई पहली व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) की बैठक में भागीदारी की। यह आयोजन मुंबई में हुआ था। एपीडा ने मिलेट निर्यातों को बढ़ावा देने के लक्ष्य के साथ मिलेट आधारित उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए स्टॉल लगाए थे। इस आयोजन के दौरान विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल ने एपीडा के स्टॉल का दौरा किया और मिलेट और उसके मूल्यवर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासों की सराहना की।

ड.) कृषि उपाध्यक्षों की बैठक

एपीडा ने 29 से 31 मार्च, 2023 को चंडीगढ़ में हुई कृषि उपाध्यक्षों की दूसरी बैठक में भागीदारी की। आई वाई ओ एम 2023 की तैयारी के भाग के रूप में मिलेट से बने ऐसे मूल्यवर्धित नवाचारी उत्पादों को दर्शाने के लिए एक स्टॉल लगाया गया था जो पकाने, खाने और परोसने में आसान हो। इस स्टॉल में रूस, सऊदी अरब, अफ्रीकी देशों, नीदरलैंड, यूएसए (USA), युनाइटेड किंगडम, फ्रांस, कनाडा, ओमान, ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश सहित अनेक देशों के शिष्टमंडलों ने दौरा किया। इन आगंतुकों ने स्टॉल पर परोसी गई मिलेट आधारित आइसक्रीम और मिलेट मिल्क का आनंद लिया।

च) ज्ञान आदान–प्रदान सत्र

- एपीडा ने वाशिंगटन, यूएसए(USA) में भारतीय दूतावास के सहयोग से 19 जनवरी, 2023 को, खाद्यान्नों और उनके मूल्यवर्धित उत्पादों के लिए एक ज्ञान आदान–प्रदान सत्र आयोजित किया। इस सत्र का नेतृत्व यू एस अटार्नी में सुश्री शैली गर्ग द्वारा किया गया और इसका उद्देश्य यू एस फूड और ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) द्वारा आयात अस्वीकृतियों से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। इस सत्र में आयात अपेक्षाओं के ब्यौरे शामिल थे और इसमें भारतीय निर्यातकों को यह भी बताया गया कि वे चावल, मिलेट और उसे प्रसंस्कृत तथा मल्यवर्धित उत्प्पादों के खाद्यन्न के आयातों की अस्वीकृति को कैसे न्यूनतम कर सकते हैं। लगभग 100 निर्यातकों और स्टार्टअप ने इस आयोजन में भागीदारी की।
- पहली बैठक ओमान को भारत से चावल के निर्यातों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उपायों पर चर्चा हेतु 28 नवंबर, 2022 को भारत और ओमान के बीच आयोजित की गई। इस बैठक में वैज्ञानिक जोखिम आकलन पद्धतियों के आधार पर अधिकतम अवशिष्ट सीमाओं (एमआरएल) निर्धारित करने पर ध्यान दिया गया। भारत से ओमान को चावल और अन्ध्य कृषि उत्पाद के निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए एपीडा ने दोनों देशों के बीच सहयोग को सुकर बनाने और खाद्य व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक संयुक्त समिति गठित करने का प्रस्ताव किया। इस सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए ओमान के कृषि, मछली पालन और जल संसाधन मंत्रालय से एक शिष्ट मंडल भारत का दौरा करने वाला है और वह सहयोग को बढ़ाने तथा भारत और ओमान के बीच खाद्य व्यापार को आसानी बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि और खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की निगरानी करेगा।
- एपीडा को चावल की शिपमेंट और एमआरएल मुद्दों के संबंध में एमओसीसीएई और एपीडा के बीच सहयोग और समन्वय पर चर्चा करने के लिए यूएई स्थिति भारतीय दूतावास से पत्र प्राप्त हुआ है। इसके उत्तर में भारत में यूएई के बीच बैठकों की एक श्रृंखला हुई थी। एपीडा ने विशेष रूप से भारत से यूएई को चावल और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यातों सहित खाद्य व्यापार में सहयोग और सुविधा को बढ़ाने के लिए एक संयुक्त समिति के गठन का सुझाव दिया।

छ) व्यापार सुगमीकरण

- 21 जनवरी, 2022 को पहली बार उत्तराखंड से वियतनाम को हिमालयन मिलेट की एक वाणिज्यिक खेप भेजी गई थी।
- 18 जनवरी, 2023 को महाराष्ट्र से दुबई को मिलेट के मूल्यवर्धित उत्पाद की पहली निर्यात खेप भेजी गई थी। यह निर्यात एक किसान उत्पादक कंपनी के माध्यम से (जिसमें 300 से अधिक किसान थे) एक महिला उद्यमी द्वारा किया गया था।

ज) टीआरक्यू के अंतर्गत चीनी का निर्यात

- डीजीएफटी द्वारा टीआरक्यू के अंतर्गत यूएसए(USA) को रॉ केन शुगर के निर्यात के लिए एक अधिसूचना सं. 36/2015–20 दिनांक 16.11.2022 जारी की गई और एपीडा ने टीआरक्यू के अंतर्गत यूएसए(USA) को 8606 MT रॉ केन शुगर के आवंटन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करने हेतु व्यापार सूचना सं. टीआर/सं./2021/22/0002 जारी की थी।
- एपीडा ने यूएसए(USA) को निर्यात के लिए 3227.79 MT रॉ केन शुगर के आवंटन के लिए एक अन्य व्यापार सूचना सं. टीआर/सं./2021–22/0003 दिनांक 18.11.2022 जारी की थी।
- डीजीएफटी ने पुनः 2360 MT की अतिरिक्त मात्रा के लिए यू एस को रॉ केन शुगर के कोटा आवंटन के लिए व्यापार सूचना सं. 8/2023 दिनांक 21.4.2023 जारी की। तद्नुसार, एपीडा ने 2360 MT के आवंटन के लिए व्यापार सूचना सं. टीआर/सं./2022–23ध0004 जारी की और 6 निर्यातकों के लिए 1631.36 मात्रा का कोटा आवंटित किया गया है।
- डीजीएफटी द्वारा 5841MT की कुल मात्रा के लिए टी आर ओ के अंतर्गत ईयू(EU) को चीनी के निर्यात के संबंध में अधिसूचना सं. 36/2025–20 दिनांक 16.11.2022 जारी की गई। एपीडा ने चीनी के कोटा के आवंटन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करते हुए व्यापार सूचना सं. टीआर/सं./2022–23/0001 जारी की थी।

झ) रैपिड अलर्ट

ईयू(EU) को निर्यातित अनाजों की खेपों में विभिन्न कीटनाशियों (ट्राइक्लाजोल, थियामेन्थेक्सेम, प्रोपीकोनाजोल, क्लोरोपाइरीफोस, इमीडाक्लोप्री, एफ्लाटोक्सिन और ओकराटॉक्सिन ए) का पता लगने के कारण ईयू(EU) देशों से रैपिड अलर्ट प्राप्त हुए थे। इन रैपिड अलर्टों की जांच की गई और निर्यातों से जांच रिपोर्ट तथा उनके द्वारा किए गए सुधारात्मक और निवारक उपायों के साथ स्पष्टीकरण मांगा गया था।

ञ) जनरल एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ कस्टम्स ऑफ द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (GACC)

एपीडा को वर्ष 2022–23 के दौरान जीएसीसी पंजीकरण के लिए चावल निर्यातकों से 83 जीएसीसी आवेदन प्राप्त हुए थे जिनकी जांच की गई थी और अनुमोदन हेतु जीएसीसी–चीन के पास पंजीकरण के लिए सिफारिश की गई थी। 83 आवेदनों में से जीएसीसी, चीन द्वारा 59 आवेदनों को अनुमोदित किया गया। शेष जीएसीसी आवेदन जांच और अनुमोदन के लिए चीन के सीमाशुल्क में प्रक्रियाधीन हैं।

ट) गैर–अनुपालन का मुद्दा

एपीडा को इंडोनेशिया को निर्यातित गेहूं की खेप में लेड (पीबी) के अधिक एम आर एल का पता लगने के कारण 2022–23 के दौरान इंडोनेशिया से एक गैर–अनुपालन प्राप्त हुआ था। इस गैर अनुपालन की जांच की गई और निर्यातकों से स्प्पष्टीकरण मांगा गया। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण की जांच की गई और निर्यातकों को एक चेतावनी पत्र जारी किया गया।

ठ) वित्तीय सहायता योजनाएँ

एपीडा को 2022–23 में वित्तीय सहायता स्कीम की मांग के लिए निर्यातकों से 224 आवेदन प्राप्त हुए, इन आवेदनों की जांच समिति द्वारा की गई और 20 आवेदनों के लिए 14 करोड़ रूपए का आईपीए जारी किया गया।

ड) तकनीकी समिति की बैठक

वर्ष 2022–23 के दौरान तकनीकी समिति की दो बैठकें आयोजित की गई थीं और समिति को 131 कार्यसूची का प्रस्ताव किया गया था। बैठक का कार्यवृत तैयार किया गया और परिचालित किया गया था।

12. जैविक क्षेत्र

क) जैविक उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी)

उत्पादन के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीओपी) को अक्टूबर, 2001 से विदेश व्यापार विकास विनियमन (एफटीडीआर) अधिनियम के अंतर्गत निर्यातों हेतु वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। एनपीओपी के लक्ष्यों में जैविक उत्पादों के विकास और प्रमाणन के लिए नीतियां, जैविक उत्पादों के लिए राष्ट्रीय मानक प्रमाणन निकायों के प्रत्यायन और राष्ट्रीय मानकों के अनुपालन में जैविक उत्पादों का प्रमाणन शामिल है।

भारत में जैविक कृषि में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा 2001 में एनपीओपी के कार्यान्वयन के बाद निरंतर वृद्धि हुई है। आज भारतीय जैविक उत्पादों को विश्व भर के गंतव्यों को निर्यातित किया जा रहा है।

ख) एनपीओपी के अंतर्गत जैविक उत्पादों का निर्यात

भारत में 2022–23 के दौरान 47 गंतव्यों को 5525 करोड़ रूपए (708 मिलियन अमेरिकी डॉलर) मूल्य के 3,12,800 MT जैविक उत्पादों का निर्यात किया है। प्रमुख निर्यात गंतव्यों में यूरोपीय संघ, यूएसए(USA), कनाडा, ग्रेट ब्रिटेन, स्विटजरलैंड, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, इक्वाडोर, इजरायल आदि शामिल हैं। प्रमुख निर्यातित उत्पादों में सोयाबीन, बासमती चावल, चाय, दालें, मसाले, फ्लैक्स सीड और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (आम का गूदा और सोयाबीन भोजन) शामिल हैं।

प्रमुख बाजारों का प्रतिशत हिस्सा मिलियन अमेरिकी डॉलर

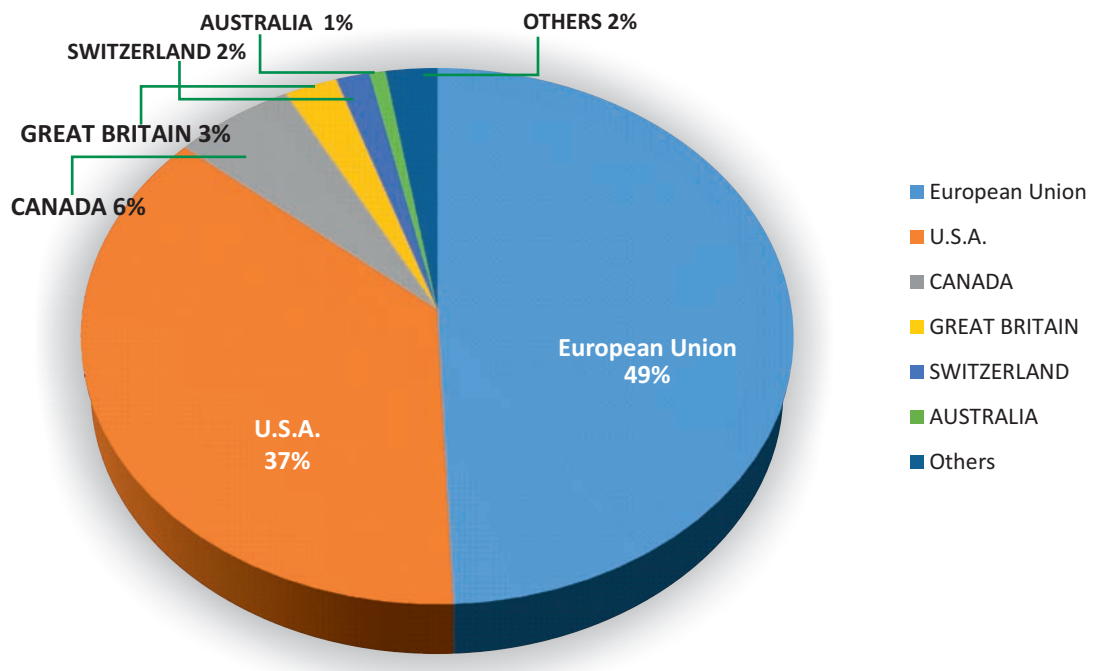

ग) नए बाजारों तक विस्तार के लिए प्रयास

नए बाजारों तक जैविक निर्यात के विस्तार के लिए भारत आयातक देशों जैसे दक्षिण कोरिया, आस्ट्रेलिया और जापान आदि के साथ जैविक उत्प्पादों के लिए परस्पर मान्यता करार (एमआरए) की कार्रवाई कर रहा है। जैविक उत्पादों में द्विपक्षीय व्यापार के लिए ईयू(EU) के साथ वार्ताएं शुरू करने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

घ) प्रत्यायन कार्यकलाप (Accreditation Activities)

एपीडा आईएसओ–17011 अपेक्षाओं के अनुपालन के साथ राष्ट्रीय जैव उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के कार्यान्वयन के लिए सचिवालय के रूप में कार्य कर रहा है। एपीडा राष्ट्रीय प्रत्यायन कोरम (आईएएफ) का सदस्य भी है और नियमित आधार पर आईएएफ के लिए प्रत्यायन संबंधी कार्यकलापों के बारे में अपनी टिप्पणियां और मत देता है। प्रत्यायन संबधी कार्यकलाप निम्नलिखित हैं:–

- एपीओपी में रेखांकित प्रत्यायन प्रक्रिया के अनुसार राष्ट्रीय प्रत्यायन निकाय (एनएबी) 3 प्रमाणन निकायों को प्रत्यायन प्रदान किया गया है।
- प्रमाणन प्रक्रिया में अनियमितता के कारण एनएबी की उप समिति द्वारा 3 प्रमाणन निकायों पर प्रतिबंध लगाए गए थे।
- 31.03.2023 के अनुसार, कुल 29 सक्रिय प्रमाणन(Certification) निकाय मौजूद थे।
- भारत ईयू(EU) समतुल्यता व्यवस्था के अंतर्गत नवंबर, 2022 में यूरोपीय आयोग की मौके पर लेखा परीक्षा की गई थी।
- एनपीओपी के अंतर्गत निगरानी प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए दो विचार मंथन सत्र आयोजित किए गए थे।

ड. ट्रेसनेट ऑनलाइन प्रणाली के जरिए एनपीओपी प्रक्रियाओं की निगरानी

एपीडा वैब आधारित खोज क्षमता प्रणाली, ट्रेसनेट से एफएसएसएआई को जैविक प्रोसेसरों और व्यापारियों के आंकड़े प्रमाणित जैविक उत्पादों की घरेलू सत्यनिष्ठा सत्यापन के प्रयोजनार्थ प्रदान कर रहा है। एक हेल्प डेस्क जैविक उत्पादों के सुचारू व्यापार के लिए प्रचालन और प्रमाणन निकायों द्वारा बताए गए प्रचालनात्मक मुद्दों की देखरेख करता है। समेकित मॉड्यूल ट्रेसनेट पर विकसित किया गया है ताकि उच्च जोखिम वाले उत्पाद के सेम्पलिंग और विश्लेषण ब्यौरे प्राप्त किए जा सकें।

13. गुणवत्ता विकास

क) खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं

- एपीडा ने 118 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं को प्राधिकृत किया है जो अपने अनुसूचित उत्पादों की सेंपलिंग और विश्लेषण के लिए आईएसओ–17025 प्रत्यायित हैं।
- एपीडा एनआरएल के उन्नयन के लिए एनआरसी ग्रेप्स पुणे में राष्ट्रीय रेफरल प्रयोगशाला (एनआरएल) को सहायता दे रहा है ताकि वह पौधा उद्गम वाले उत्पादों जैसे ताजे फल और सब्जियों, मूंगफली और जैविक उत्पादों की निगरानी कर सके।
- निर्यातकों की विनिर्माण इकाइयों द्वारा 5 आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशालाएं स्थापित की गई थीं और निर्यात प्रमाणन के लिए खाद्य उत्पादों की सेंपलिंग और विश्लेषण के लिए एक प्राधिकृत प्रयोगशाला का गुणवत्ता विकास की वित्तीय सहायता के अंतर्गत उन्नयन किया गया है।

ख) एचएसीसीपी कार्यान्वयन और प्रमाणन एजेंसियां (HACCP implementation & Certification Agencies)

पांच कार्यान्वयन और 12 प्रमाणन एजेंसियों को निर्यातकों के लिए बेहतर पहुंच प्रदान करने हेतु खाद्य सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के अनुसार खाद्य विनिर्माण इकाइयों को कार्यान्वयन और प्रमाणन सेवाएं प्रदान करने के लिए मान्यता दी गई है।

ग) कीटनाशकों और एफलाटोक्सिन की ऑन लाइन निगरानी

- कृषि रसायन के अवशिष्ट के नियंत्रण के लिए फ्रेश टेबल ग्रेप्स के निर्यात की प्रक्रिया को आयातक देशों की अपेक्षाओं को सुनिश्चित करने के लिए कार्यान्वयन हेतु अद्यतन किया गया है।
- सैंपलिंग और विश्लेषण के लिए सक्षम प्रयोगशालाओं के प्राधिकरण के जरिए मूंगफली और मूंगफली उत्पादों मं एफ्लाटॉक्सिन की निगरानी भी की गई है।
- भारत अनुरूपता आकलन स्कीम (आई–सीएएस)–हलालः हलाल उत्पादों का निर्यात सुचारू बनाने के लिए भारत अनुरूपता आकलन स्कीम (आई–सीएएस) को एपीडा और एनएबीसीबी द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इस स्कीम को मांस और मांस उत्पादों के लिए डीजीएफटी द्वारा कार्यान्वयन हेतु अधिसूचित किया गया है। आई–सीएएस हलाल लोगो भी तैयार किया गया है।

घ) कोडेक्स मानक निर्धारण में पहल और योगदान

- प्याज और शेलाट्स मानक संबंधी इलेक्ट्रोनिक कार्य समूह का सह–अध्यक्ष होने के नाते एपीडा ने 8 अप्रैल, 2022 को हुई तकनीकी उप समूह समिति के दौरान ताजे फलों और सब्जियों समिति कोडेक्स समिति के 22वें सत्र के समय मानक को अंतिम रूप देने के लिए जानकारी दी थी।
- एपीडा ने खाद्य संबंधी संदूषकों पर कोडेक्स समिति के 15वें सत्र के लिए खाने के लिए तैयार मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन के स्तर निर्धारित करने के लिए इलेक्ट्रोनिक कार्य समूह द्वारा किए गए कार्य से संबंधित तकनीकी समिति उप समूह में प्रतिनिधित्व और जानकारी दी थी।
- एपीडा ने ताजे फल और सब्जियों संबंधी कोडेक्स समिति के 22वें सत्र में भारतीय शिष्टमंडल का प्रतिनिधित्व किया और ताजे डेट पाम, प्याज और शेलाट्स के लिए मानकों को अंतिम रूप देने के लिए जानकारी दी तथा 25–29 अप्रैल, 2022 को हुई ताजे फलों और सब्जियों संबंधी कोडेक्स समिति की बैठक के दौरान करीपत्ता संबंधी प्रस्ध्ताव और 4 मई, 2022 को रिपोर्ट को स्वीकार करने में अपना योगदान दिया।
- एपीडा ने सेन डिएगो, यूएसए(USA) में 27 नवंबर – 2 दिसंबर, 2022 के दौरान हुई खाद्य स्वच्छता संबंधी 53वीं कोडेक्स समिति के लिए भारतीय प्रतिनिधि मंडल का प्रतिनिधित्व किया और 8 दिसंबर, 2022 को रिपोर्ट स्वीकार करने में योगदान दिया तथा भौतिक कार्य समूह में कार्यसूची संबंधी टिप्पिणयां और जानकारी दी।
- एपीडा ने खाने के लिए तैयार मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन के स्तर निर्धारित करने के लिए एक कार्य पत्र प्रस्तुत किया और खाद्य में संदूषकों संबंधी कोडेक्स समिति के 16वें सत्र में सैम्पलिंग योजना से संबद्ध रहा जिसमें इलैक्ध्ट्रोनिक कार्य समूह के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने के लिए सिफारिशों को अनुमोदित किया गया है।

ड.) अलर्ट, प्रतिषेध और अस्वीकृति की निगरानी

- निर्यात अस्वीकृतियों, रेपिड अलर्ट, संबंधित हितार्थियों जैसे प्रयोगशालाएं और एनआरएल को सूचना के प्रसार सहित शिकायतों की निगरानी की ताकि निर्यात अस्वीकृतियों को न्यूनतम करने के लिए सुधारात्मक कार्रवाई और रेपिड अलर्ट के लिए नियंत्रण नमूनों का पुनः विश्लेषण किया जा सके।
- मूल कारण का पता लगाने के लिए और कारगर सुधारात्मक और निवारक उपाय सुनिश्चित करने के लिए विस्तृत एसओपी तैयार किए गए हैं।

च) एमओएफपीआई समितियों, जीएपी और खाद्य सुरक्षा मानकों में योगदान

- भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा भारत जीएपी मानक के विकास से संबंधित उत्तम कृषि प्रथाओं संबंधी राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूहों में योगदान दिया।
- खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना/उन्नयन के लिए एमओएफपीआई तकनीकी जांच समितियों और परियोजना अनुमोदन समितियों में योगदान दिया। खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए विभिन्न क्षेत्रों से सहायता हेतु एमओएफपीआई को आवेदनों को एकीकृत किया।
- इंडजीएपी(IndGAP) और ग्लोबल जीएपी की बैंचमार्किंग को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के साथ संयुक्त रूप से इंडजीएपी से ग्लोबलजीएपी बैंच मार्क के लिए लिया गया है। इससे निर्यात हेतु उत्पादों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए वहनीय तरीके से अपेक्षाओं का अनुपालन किया जा सकता है।

छ) क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण

- परीक्षण और प्रमाणन का एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए एनआरएल के जरिए सैंपलिंग, विश्लेषण और ग्रेडिंग की हाल की पद्धतियों पर प्राधिकृत प्रयोगशालों के फील्ड सैम्पलरों को प्रशिक्षण प्रदान किया।
- आयातक देश की अपेक्षाओं जैसे कृषि रसायन के एमआरएल और अंगूर तथा अन्य कृषि खाद्य उत्पाद में संदूषकों के संबंध में हितार्थियों के लिए सहायता कार्यक्रम प्रदान किए और यह सुनिश्चित करने के लिए कीटनाशकों और एफ्लाटॉक्सिन के अपशिष्टों हेतु एनआरएल के जरिए प्राधिकृत प्रयोगशालाओं को कुशलता परीक्षण प्रदान किया कि ये प्रयोगशालाएं तकनीकी दक्षता अपेक्षाओं को पूरा करें।
- ताजे फलों और सब्जियों, चावल, दालों और ईयू(EU) के लिए निर्धारित प्रमाणित जैविक उत्पादों में एथीलीन ऑक्साइड (ईटीओ) अवशिष्टों के लिए आधिकारिक नियंत्रण उपाय कार्यान्वित किए।
- एपीडा ने ''मानक अनुपालन के जरिए भारत की मूल्य श्रृंखला समेकन के पुनः उन्मुखीकरण और कार्यान्वयन'' संबंधी 7वीं राष्ट्रीय सेमिनार कॉन्क्लेव में भागीदारी की और तकनीकी सत्र के दौरान ''कृषि उत्पादों के संबंध में एसपीएस में चुनौतियां'' संबंधी सत्र प्रस्तुत किया।
- एपीडा ने मांस और मांस उत्पादों के लिए हलाल प्रमाणन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए हलाल प्रमाणन हेतु भारत अनुरूपता आकलन स्कीम (आई–सीएएस) के संबंध में 27 मार्च, 2023 को प्रमाणन निकायों और मांस निर्यातकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया ।
- यूएसए(USA) को निर्यात के लिए अपेक्षाओं और यूएसए(USA) में आयात अस्वीकृतियों के संबंध में 19 जनवरी, 2023 को वाशिंगटन, यूएसए(USA) स्थित भारत के दूतावास के साथ संयुक्त रूप से ज्ञान विनिमय सत्र आयोजित किया गया है। इस सत्र में चावल, मिलेट और अन्य अनाजों तथा उनके मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यातकों ने भागीदारी की थी।

14. जीआई (GI) उत्पाद

वर्ष 2022–2023 में, भारत के कई राज्यों ने अपने कृषि पोर्टफोलियो में एपीडा के डोमेन से संबंधित विशिष्ट भौगोलिक संकेतक (जीआई) उत्पादों को जोड़ा। बिहार ने मिथिला मखाना और मार्चा चावल और छत्तीसगढ़ ने नागरी दुबराज के लिए जीआई प्रमाणन हासिल किया। गोवा ने चार नए जीआई के साथ अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और कृषि संबंधी विविधता का प्रदर्शन किया, जिसमें गोवा मानकुर आम, अगसेची वायिंगिम (अगासैम बैंगन), सत–शिरो भेनो (सत–शिरांचो भेंडो), और गोयन बेबिंका शामिल हैं। कर्नाटक ने गर्व के साथ इंडी लाईम और कारी इशाद आम प्रस्तुत किया और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के द्वारा लद्दाख सीबकथोर्न और लद्दाख रक्तसे कार्पो खुबानी पेश किया गया।

जम्मू और कश्मीर ने मुश्कबुदजी चावल के साथ अपनी कृषि विरासत को उजागर किया, और मध्य प्रदेश ने शरबती गेहू, रीवा सुंदरजा मैंगो, और मुरैना गजक प्रस्तुत कर अपना योगदान दिया। महाराष्ट्र ने अलीबाग सफेद प्याज और भंडारा चिन्नोर चावल को जोड़ा, जबकि तेलंगाना ने तंदूर रेडग्राम के लिए जीआई प्रमाणन हासिल किया। उत्तर प्रदेश ने छह नए जीआई का योगदान दिया, जिनके नाम हैं:– प्रतापगढ़ आंवला, आदमचीनी चावल (चावल), बनारस लंगड़ा आम (आम), राम नगर भांटा (बैंगन), बनारस पान (पत्ती), और मुजफ्फरनगर गुड़ (गुड़)। तमिलनाडु ने भी सात विशिष्ट जीआई उत्पाद जोड़े, जिनके नाम हैं:– औतूर वेतृलाई, रामनाथपुरम मुंडू मिर्च, कम्बम पन्नीर थराचाई, कन्याकुमारी मट्टी केला, वेल्लोर स्पिनी बैंगन, शोलावंदन वेतृलाई और मार्तंडम शहद।

केरल के द्वारा तीन उत्पादों को सूची में जोड़ा गया: अट्टाप्पडी अट्टुकोम्बु डोलिचोस बीन, कंथल्लूर वट्टावाडा लहसुन और कोडुंगल्लूर स्नैप मैलन। इनमें से प्रत्येक उत्पाद अपने संबंधित क्षेत्रों की समृद्ध कृषि विविधता और सांस्कृतिक विरासत के परिचायक हैं।

वर्ष 2022–23 के जीआई पहलें

- 8 जून 2023 को भागलपुर, बिहार से जीआई टैग वाले जर्दालु आम की सीजन की पहली खेप का दुबई, संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया गया था।
- आईसीएआर–एनआरसीबी और एपीडा ने संयुक्त रूप से 21 से 22 दिसंबर 2022 के दौरान तिरुचिरापल्ली में "जीआई और पारंपरिक केले के निर्यात पर परामर्श कार्यशालारू वर्तमान परिदृश्य, व्यापार के अवसर और आगे का मार्ग" का आयोजन किया।
- एपीडा के द्वारा अरुणाचल संतरा, त्रिपुरा क्वीन अनानास और कार्बी आंगलोंग अदरक सहित पूर्वोत्तर भारत के विशिष्ट जीआई उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बैठकों का आयोजन किया गया।
- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 29 दिसंबर, 2022 को इडुक्की के मरयूर में स्थित अंचुनाडु करीमबू उत्पाधना विपनन संगम से कनाडा के टोरंटो के लिए जीआई–टैग वाले ''मरयूर गुड़'' के समुद्री शिपमेंट को वर्चुअल रूप से हरी झंडी दिखाई।
- अप्रैल 2023 में, महाराष्ट्र से अल्फांसो और केसर आमों को संयुक्त राज्य अमेरिका में निर्यात किया गया था। जून 2023 में, श्री योगी आदित्यनाथ जी ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी से जीआई–टैग वाले बनारस लंगड़ा आम को हरी झंडी दिखाई।
- एपीडा ने दिनांक 20 से 24 जुलाई, 2023 तक हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) द्वारा आयोजित भारत जीआई मेला–2023 में सफलतापूर्वक भाग लिया है, जिसमें मखाना (फॉक्स नट), केसर, काला नमक चावल के निर्यात को सुविधाजनक बनाया गया और साथ ही इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में एपीडा पवेलियन में कृषि संबंधी जीआई उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

जीआई(GI) उत्पादों के लिए प्रमुख निर्यात गंतव्य

एपीडा द्वारा सूचीबद्ध उत्पादों के प्रचार के लिए जीआई उत्पादों जैसे बासमती चावल, आम, अनार, बैंगलोर रोज प्याज, सांगली अंगूर/किशमिश, केला और पूर्वोत्तर क्षेत्र के उत्पादों जैसे असम के जोहा चावल, काले चावल (चक–हाओ), नागा मिर्चा, मिथिला मखाना और इनसे निर्मित प्रसंस्कृत उत्पादों का संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, कुवैत ईरान, थाईलैंड, भूटान, बेल्जियम, स्विट्जरलैंड, जर्मनी, सऊदी अरब उज्बेकिस्तान आदि जैसे संभावित आयातक देशों को निर्यात किया जाता है। जीआई–टैग वाले उत्पादों के निर्यात पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

i). जीआई उत्पादों का प्रचार

आहार 2022 के दौरान जीआई उत्पादों का प्रचार किया गया। एपीडा पवेलियन का विषय जीआई उत्पादों पर केंद्रित था। एपीडा ने पंजीकृत जीआई उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला का प्रदर्शन किया और जीआई उत्पादों से संबंधित विभिन्न विषयों पर हितधारकों और आगंतुकों को जागरूक भी किया।

एपीडा द्वारा जीआई उत्पादों की ब्रांडिंग और प्रचार के लिए दो पुस्तिकाएं (एपीडा द्वारा सूचीबद्ध जीआई उत्पादों पर एक कैटलॉग) और (भारतीय जीआई आम) तैयार की गईं और आहार 2022 के दौरान उनका लोकार्पण किया गया।

इन्हें जीआई संवर्धन के लिए एपीडा के अध्यक्ष द्वारा राजदूतों को लिखे गए पत्र के साथ एफटी यूरोपीय देश – बेल्जियम, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, डेनमार्क, यूके आदि सहित प्रमुख आयातक देशों को परिचालित किया गया था।

ii). बेल्जियम में जीआई आम का प्रचार

आयातक देशों में जीआई आमों का प्रचार करने के लिए दिनांक 17 जून, 2022 को एपीडा के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा ब्रुसेल्स में एक आम के संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एपीडा ने पांच जीआई किस्मों सहित आमों की सात किस्मों की सोर्सिंग और आपूर्ति को सुविधाजनक बनाया है:

- जीआई बंगनपल्ली आम
- जीआई खिरसापति (हिमसागर)
- जीआई लक्खनभोग
- जीआई जर्दालू
- जीआई मलीहाबादी दशहरी

अन्य किस्में

- आम्रपाली
- लंगड़ा

माननीय मंत्री, वाणिज्य और उद्योग (सीआईएम) ने ब्रुसेल्स में प्रदर्शनी–सह–टेस्टिंग कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ईओआई से प्राप्त फीडबैक के अनुसार, इस कार्यक्रम में लोगों की संख्या बहुत उत्साहजनक थी और आमंत्रित लोगों को वहां प्रदर्शित और प्रस्तुत किए गए आम की सभी किस्में पसंद आईं। एपीडा द्वारा तैयार की गई प्रचार सामग्री जीआई मैंगो विवरण–पुस्तिका को प्रतिभागियों के बीच वितरित किया गया।

iii). डेनमार्क में आम (जीआई बंगनपल्ली) प्रचार कार्यक्रम

भारतीय दूतावास, कोपेनहेगन ने डेनमार्क की प्रमुख खाद्य श्रंखलाओं के सहयोग से दूतावास परिसर में आम के प्रचार के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया। एपीडा द्वारा जीआई बंगनपल्ली आम उपलब्ध कराए गए थे।

iv). अन्य

- कोलार से जेबेल अली पोर्ट तक बटरनट स्क्वैश फल का निर्यातः एपीडा, आरओ, बेंगलुरु ने दिनांक 04.05.2022 को कोलार, कर्नाटक से जबेल अली पोर्ट दुबई को 27 मीट्रिक टन बटरनट स्क्वैश फल के निर्यात की व्यवस्था की।
- एपीडा, क्षे.का., बेंगलुरु ने दिनांक 01.05.2022 को बैंगलोर रोज ऑनियन क्लस्टर में सदली एफपीओ से क्लैंग पोर्ट क्वालालंपुर, मलेशिया को 22 मीट्रिक टन ''बैंगलोर रोज प्याज'' नामक जीआई उत्पाद के निर्यात की व्यवस्था की।
- भारत सरकार और ऑस्ट्रेलिया सरकार के बीच हस्ताक्षरित भारत–ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए समझौते पर हस्ताक्षर के परिणामस्वरूप, एपीडा, बेंगलुरु ने एडीजीएफटी कार्यालय के सहयोग से दिनांक 29.12.2022 को ईसीटीए समझौते के तहत बेंगलुरु से मूल्य वर्धित मिलेट उत्पादों की पहली खेप के ऑस्ट्रेलिया निर्यात की व्यवस्था की।
- दिनांक 20 सितंबर, 2022 को मैसर्स जेएम एक्जिम, नीलकोट्टई, तमिलनाडु द्वारा जीआई मदुरै मल्ली–1 मीट्रिक टन मदुरै मल्ली को नीलकोट्टई से खरीदे गए अन्य फूलों के साथ मस्कट, ओमान के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।
- जीआई उत्पाद अर्थात मदुरै मल्ली, सिरिवलीपुथुर पालकोवा (दूध की मिठाई), पलानी पंचामृतम, कोडईकनाल मलाई पूंडू (पहाड़ी लहसुन), कोविलपट्टी कडलाईमित्ताई (चिक्की), सिरुमलाई पहाड़ी केलों को किसानों/उत्पादकों और निर्यातकों से खरीदा गया और 26–28 अगस्त 2022 के दौरान नोएडा में आयोजित जीआई मेले में उन्हें प्रदर्शित किया गया।
- ईओआई, कतर के द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के संबंध में भारतीय मिलेट और जीआई उत्पादों पर चार दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। एपीडा, क्षे.का., चेन्नई ने जीआई उत्पादों के प्रदर्शन का आयोजन किया। गणतंत्र दिवस समारोह की बैठक के दौरान कोविलपट्टी कडलाईमित्ताई (चिक्की) परोसा गया और गणमान्य व्यक्तियों के लिए दोपहर के भोजन के साथ विरुपाक्षी और सिरुमलाई केले परोसे गए। ईओआई ने एपीडा चेन्नई को प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शन हेतु उत्पादों की व्यवस्था करने के लिए धन्यवाद दिया, जो प्रतिभागियों को बहुत अच्छे लगे।
- केरल के जीआई टैग वाले कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल 2022 में बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ, केरल कृषि विश्वविद्यालय के साथ बैठक आयोजित की गई थी।
- हाल ही में जीआई टैग किए गए केरल के उत्पादों, अर्थात अट्टापदी अट्टुकोम्बु अवारा अट्टापडी थुवारा, कंथल्लूर–वट्टावाडा वेलुथुल्ली और कोडुंगलूर पोट्टूवेल्लारी पर जीआई उत्पादकों और आईपीआर सेल, केएयूके(UK) साथ दिनांक 28 दिसंबर 2022 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी, ताकि उनके उत्पादन क्षेत्रों, उत्पादन क्षमता, हार्वेस्ट अवधि, मूल्य वर्धित उत्पादों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनकी निर्यात क्षमता का विश्लेषण करने के लिए अन्य पहलुओं की पहचान की जा सके।
- 26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस पर एपीडा ने प्रचार के लिए जीआई पोक्कली चावल, काइपद चावल और मरयूर गुड़ के नमूने भारतीय दूतावास कतर को भेजे हैं।

15. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले और क्रेता विक्रेता बैठकें

15.1 अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

1. इंडिया एग्री फूड प्रोडक्ट्स एक्सपो 2022

इंडिया एग्री फूड प्रोडक्ट्स एक्सपो 2022 का आयोजन सिंगापुर में भारतीय उच्चायोग, एंटरप्राइज सिंगापुर, एपीसी सिंगापुर और सिंगापुर फ्रूट्स एंड वेजिटेबल इंपोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन के साथ किया गया था। महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कश्मीर के निर्यातक अपने उत्पादों जैसे आम, अंगूर, अमरूद, चेरी, खुबानी, नींबू, भिंडी, आलू, ड्रमस्टिक आदि के साथ क्रेता–विक्रेता बैठक में शामिल हुए। श्री पी कुमारन, भारत उच्चायुक्त, सुश्री आंद्रे टेन, निदेशक, एंटरप्राइज सिंगापुर द्वारा उद्घाटन सत्र को संबोधित किया।

2. लंदन वाइन फेयर 2022

लंदन वाइन फेयर–2022 का आयोजन 7 से 9 जून, 2022 तक ओलंपिया पार्क, लंदन में किया गया था। इसे व्यापक रूप से दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण व्यापार कार्यक्रमों में से एक माना जाता है, जिसमें 700 से अधिक प्रदर्शक और 13,000 वाइन मेले में प्रदर्शित की जाती हैं। राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र (एनडीसी), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से एपीडा द्वारा लंदन वाइन फेयर 2022 में भारतीय वाइन के लिए एक विशेष भारतीय पवेलियन बनाया गया। एपीडा द्वारा यह मंडप किराए पर लिया गया और इसे विशेष रूप से वाइन के लिए भारतीय मंडप के रूप में प्रस्तुत किया गया और 10 उत्पादकों द्वारा वाइन का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ। पहली बार फ्रूट वाइन और मीड को प्रदर्शनों की सूची में शामिल किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय शो में सरकार द्वारा फ्रूट वाइन को (अंगूर) वाइन के रूप में मान्यता देने का संकेत देता है।भारतीय वाइनरीज लगभग छह साल के अंतराल के बाद लंदन वाइन फेयर (LWF) 2022 में प्रस्तुत की गई।

3. फ्लोरिएड एक्सपो 2022

अंतर्राष्ट्रीय बागवानी प्रदर्शनी फ्लोरिएड का 7 वां संस्करण, सबसे बड़ी बागवानी प्रदर्शनी 2022 में अल्मेरे, एम्स्टर्डम में आयोजित की गई थी। फ्लोरिएड एक्सपो के दौरान, बागवानी क्षेत्र, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों के संबंध में, बागवानी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करता है और इस क्षेत्र में व्यापार के अवसर प्रदान करता है। फ्लोरिएड एक्सपो 2022 में भारतीय मंडप का आयोजन राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा किया गया है। एनएचबी ने भारतीय बागवानी क्षेत्र की क्षमता और अवसरों को प्रदर्शित करने और दुनिया भर में बागवानी क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं और नवाचारों से सीखने के लिए 140 वर्ग मीटर के क्षेत्र में भारतीय मंडप की स्थापना की है। एपीडा को भारतीय मंडप के आयोजन के लिए 15–21 जून 2022 के दौरान सप्ताह के लिए एक स्लॉट आवंटित किया गया था। एपीडा और तीन निर्यातकों ने इस आयोजन में भाग लिया: 1. प्योर डाइट्स इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली 2. एलटी फूड्स, सोनीपत 3. के बी एक्सपोर्ट्स, मुंबई।

4. बायोफैक –2022

बायोफैक जर्मनी विशेष रूप से प्रमाणित जैविक उत्पादों के प्रचार के लिए दुनिया के अग्रणी मेलों में से एक है और आयातकों और निर्यातकों के बीच बहुत लोकप्रिय है। एपीडा ने 26 से 29 जुलाई 2022 तक बायोफैक न्यूरेमबर्ग, जर्मनी में भाग लिया और भारतीय मंडप की स्थापना की। जैविक उत्पादों के नौ निर्यातकों ने एपीडा के साथ भाग लिया, जिसमें उन्होंने अपने जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में चावल (बासमती और गैर बासमती), दालें, अन्य अनाज, मसाले, जड़ी–बूटियां, प्रसंस्कृत उत्पाद आदि शामिल थे। एक भारतीय शेफ(बिर्मा) द्वारा बिरयानी सैंपलिंग और

लाइव डेमो के लिए एक निर्दिष्ट स्थान बनाया गया था। आगंतुकों के हाथों पर मुफ्त जैविक मेंहदी टैटू लगाना शो के प्रमुख आकर्षण में से एक था।

म्यूनिख में भारत के महावाणिज्य दूत (कोंसुल जनरल ऑफ इंडिया) श्री मोहित यादव ने एपीडा मंडप का दौरा किया। उन्होंने प्रत्येक प्रतिभागी सह–प्रदर्शक के साथ–साथ एपीडा अधिकारियों के साथ बातचीत की। कर्नाटक सरकार के कृषि मंत्री श्री बी सी पाटिल जी के नेतृत्व में कर्नाटक के प्रतिनिधिमंडल, उत्तराखंड सरकार के सैनिक कल्याण, कृषि और ग्रामीण विकास के कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी जी के नेतृत्व में सिक्किम के प्रतिनिधिमंडल ने सिक्किम सरकार के कृषि, बागवानी, पशुपालन और पशु चिकित्सा सेवाओं के कैबिनेट मंत्री श्री लोक नाथ शर्मा जी के नेतृत्व में सिक्किम सरकार का प्रतिनिधिमंडल, श्री प्रिय रंजन, संयुक्त सचिव, कृषि एवं परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, श्रीमती विजया लक्ष्मी नदेंदला, संयुक्त सचिव, कृषि और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार ने एपीडा मंडप का दौरा किया।

5. फ्रूट अट्रैक्शन 2022

फ्रूट अट्रैक्शन 2022 का 14वां संस्करण 4 से 6 अक्टूबर, 2022 तक मैड्रिड, स्पेन में आईएफईएमए मैड्रिड और

एफईपीईएक्स द्वारा आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में 57 देशों के 1,740 प्रदर्शकों ने भाग लिया और 137 देशों के लगभग 89,535 पेशेवरों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। उपर्युक्त आंकड़ों ने इस क्षेत्र में दुनिया भर में निर्यात को बढ़ावा देने की क्षमता के साथ वैश्विक फल और सब्जी विपणन के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम के रूप में फ्रूट अट्रैक्शन की स्थिति की पुष्टि की। 13 निर्यातकों के साथ एपीडा ने एपीडा मंडप के माध्यम से भाग लिया। भारतीय मंडप का उद्घाटन मैड्रिड, स्पेन में भारतीय दूतावास के माननीय राजदूत श्री दिनेश के. पटनायक ने किया। उद्घाटन के दौरान एमओसी, एपीडा, भारतीय दूतावास के अधिकारी और प्रतिभागी निर्यातक उपस्थित थे। भारतीय दूतावास ने 5 अक्टूबर, 2022 को दक्षिण यूरोप के सबसे बड़े थोक बाजार मर्का मैड्रिड, स्पेन की यात्रा का आयोजन किया। प्रतिनिधिमंडल में हरियाणा सरकार के माननीय कृषि और पशुपालन और मत्स्य पालन मंत्री श्री जे पी दलाल जी, एपीडा, तेलंगाना और हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और भारत के प्रमुख ताजे फल और सब्जी निर्यातक शामिल थे।

6. आर्टिजियानो फिएरा 2022, इटली मिलान में

एपीडा ने 3 से 11 दिसंबर 2022 तक आयोजित फिएरा 2022, मिलान, इटली में आर्टिजियानो में भाग लिया। फिएरा 2022 में आर्टिजियानो एक महत्वपूर्ण व्यापार और उपभोक्ताओं की बैठक है जो हर साल मिलान, इटली में आयोजित की जाती है। इस कार्यक्रम में, कंपनियां अपने उत्पादों का अधिक से अधिक प्रचार और जनता को बेच सकती हैं और ग्राहकों का एक नेटवर्क विकसित कर सकती हैं। एपीडा ने देश से निर्यात किए जाने वाले कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के प्रदर्शन के आयोजन के लिए जगह ली थी। जैसा कि वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्रीअन्न वर्ष (आईवाईओएम) के रूप में घोषित किया गया है, श्रीअन्न और मूल्य वर्धित श्रीअन्न उत्पादों पर विशेष ध्यान दिया गया था। इटली में भारत की राजदूत डॉ नीना मल्होत्रा और सीजीआई मिलान की महावाणिज्य दूत श्रीमती टी अजंगला जमीर ने एपीडा स्टॉल का दौरा किया।

7. सेवर्स एंड मेटियर्स एक्सपो – नामूर, बेल्जियम 2023 और अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक

वालोनिया में खाद्य और पेय पदार्थ प्रदर्शनी (सेवर्स एंड मेटियर्स नामूर) एकमात्र व्यापार मेला है जो पूरी तरह से खाद्य खुदरा बिक्री और खानपान के लिए समर्पित है। भारत बेल्जियम में एक भागीदार देश था जिसने भारत को सामने और मुख्य सुर्खियों में लाया। यह आयोजन 15 से 17 जनवरी 2023 के दौरान हुआ। प्रदर्शनी में एपीडा को 100 वर्ग मीटर आवंटित किया गया है और 09 पंजीकृत निर्यातकों ने एपीडा मंडप के माध्यम से भाग लिया। एपीडा ने ज्वार, बाजरा, रागी, बाजरा पास्ता, उपमा, पोहा, बासमती चावल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, अचार और चटनी, स्नैक फूड आदि जैसे श्रीअन्न उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदर्शित की। भारतीय दूतावास के राजदूत श्री संतोष झा ने एपीडा मंडप का उद्घाटन किया। भारत के एमओए(MOA) और परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री आशीष कुमार श्रीवास्तव, श्री देबाशीष पृष्टी, डीसीएम ईओआई(EOI) ने एपीडा मंडप का दौरा किया।

ब्रुसेल्स में भारतीय दूतावास ने 16 जनवरी 2023 को क्रेता विक्रेता बैठक और मिलेट (श्रीअन्न) और आम संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया। भारत और ब्रुसेल्स के 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

8. बायोफैक 2023

एपीडा द्वारा भारतीय मंडप के अंतर्गत 14 से 17 फरवरी 2023 के दौरान जर्मनी के न्यूरेमबर्ग में आयोजित बायोफैक 2023 में भाग लिया। मंडप में नौ निर्यातकों ने भी भाग लिया। एपीडा स्टॉल का उद्घाटन म्यूनिख स्थित भारतीय दूतावास के महावाणिज्य दूत श्री मोहित यादव द्वारा किया। गया इसमें प्रमाणित उत्पादों की श्रृंखला, जैसे श्रीअन्न(मिलेट), चावल, दालें, तिलहन, चीनी, केसर, सूखे मेवे और नट्स, चाय, कॉफी, मोरिंगा पाउडर, जड़ी बूटी, हर्बल सप्लीमेंट, मसाले, मेंहदी, पौधे आधारित मांस उत्पाद, तुलसी चाय रेंज, केसर चाय आदि का प्रदर्शन किया गया।

एपीडा ने शाकाहारी और मांसाहारी बिरयानी, श्रीअन्न(मिलेट) व्यंजन जैसे खिचड़ी, नूडल्स, उपमा और सूप के तैयार खाद्य पदार्थों का जायका लेने का अवसर प्रदान किया। इसके अतिरिक्त मंडप में श्रीअन्न(मिलेट) के प्रमाणित रौं सैम्पल प्रदर्शित किए गए थे।

9. गल्फफूड –2023

एपीडा ने 20 से 24 फरवरी, 2023 के दौरान दुबई, यू.ए.ई. में निर्यातकों, प्रसंस्करणकर्ताओं, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों और एफपीओ के साथ गल्फफूड –2023 के अब तक के सबसे बड़े संस्करण में भागीदारी का आयोजन किया। इस शो में 195 देशों के 134460 आगंतुकों ने 125 से अधिक देशों की 5223 प्रदर्शन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत अत्याधुनिक समाधानों को देखा। जीवंत और सौंदर्यपूर्ण रूप से डिजाइन किए गए भारतीय पेवेलियन का निर्माण अल–मुस्तकबाल प्लाजा, डीडब्ल्यूटीसी, दुबई में लगभग 600 वर्ग मीटर के क्षेत्र में किया गया था, जिसमें लगभग 100 निर्यातकों ने अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया था। भारतीय पवेलियन का उद्घाटन माननीय श्री पशुपति कुमार पारस जी, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री द्वारा किया गया।

10. यूएसए नेचुरल प्रोडक्ट्स एक्सपो वेस्ट–2023

यूएसए नेचुरल प्रोडक्ट्स एक्सपो वेस्ट 7 से 11 मार्च, 2023 तक अनाहेम कन्वेंशन सेंटर, अनाहेम, सीए, यूएसए में आयोजित किया गया, जो प्राकृतिक और विशेष खाद्य और पेय पदार्थ, ऑर्गेनिक्स, सप्लीमेंट्स, स्वास्थ्य और सौंदर्य और प्राकृतिक जीवित उत्पादों को समर्पित विश्व का अग्रणी कार्यक्रम है। यह वह जगह है जहां विदेशी कंपनियां अमेरिका में प्राकृतिक और प्रमाणित जैविक बाजार में विशिष्ट सबसे बड़े वितरकों से मिलती हैं। एपीडा द्वारा इस आयोजन में आकर्षक ''इंडिया पवेलियन'' में भाग लिया, जिसे भारत से जैविक उत्पादों के प्रचार के लिए स्थापित किया गया था, जिसे आयातकों और आगंतुकों द्वारा सराहा गया और दौरा किया गया। भारतीय पैवेलियन के अंतर्गत छह (06) निर्यातकों ने भाग लिया।

11. इंटरनेशनल फूड एक्सिबिशन (आईएफई)

आईएफई, इंटरनेशनल फूड एंड ड्रिंक इवेंट, किसी भी अन्य यूके इवेंट की तुलना में अधिक खाद्य और पेय खरीदारों और आपूर्तिकर्ताओं को एक साथ लाता है और उच्च गुणवत्ता और प्रभावी व्यावसायिक संपर्क प्रदान करने को 40 से अधिक वर्षों की विरासत है। इंटरनेशनल फूड एंड ड्रिंक एक्सबिशन (आईएफई) यूनाइटेड किंगडम के सबसे प्रतिष्ठित खाद्य संवर्धन कार्यक्रमों में से एक है। यह विश्व के सबसे विश्वसनीय और प्रसिद्ध मेलों में से एक है जहां व्यापार और वाणिज्य का संगम होता है। एपीडा ने 20 से 22 मार्च 2023 के दौरान आयोजित इंटरनेशनल फूड एक्सिबिशन (आईएफई), लंदन में भाग लिया।

मेले में कुल 10 निर्यातकों को स्थान आवंटित किया गया था। इसने एपीडा को अधिकतम निर्यातकों द्वारा भागीदारी की संभावनाओं को बढ़ाने में सक्षम बनाया। एपीडा ने प्रदर्शकों को समायोजित करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए मंडप, प्रत्यक्ष बैठक के लिए वीआईपी के बैठने की जगह, रिसेप्शन क्षेत्र और आम, वाइन और बासमती चावल बिरयानी का जायका लेने के लिए विशेष क्षेत्र का निर्माण किया। एपीडा मंडप में प्रदर्शित लगभग 50 मिलेट (श्रीअन्न) आधारित उत्पादों में बड़ी संख्या में आगंतुकों ने गहरी रुचि दिखाई। आईएफई 2023 कार्यक्रम में, एपीडा ने जीआई–टैग किए गए अल्फांसो आम, नासिक के हरे–भरे अंगूर के बागों से वाइन और मिलेट (श्रीअन्न) आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों की बेहतरीन गुणवत्ता को प्रदर्शित और वितरित किया। इस कार्यक्रम में, विश्व के 25,000 से अधिक प्रतिभागी नए उत्पादों का नमूना लेने और अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठकों के साथ–साथ बी2बी बैठकों के माध्यम से नए निर्यात अवसरों का पता लगया गया।

15.2 राष्ट्रीय कार्यक्रम

1. आहार–2023

एपीडा द्वारा 14–18 मार्च, 2023 के दौरान प्रगति मैदान (नई दिल्ली) में 101 सह–प्रदर्शकों के साथ भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) द्वारा आयोजित आहार के 37 वें संस्करण– अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और आतिथ्य मेले में भाग लिया। बैठकों के लिए वीआईपी लाउंज, स्वागत क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष पर विशेष थीम और प्रदर्शन क्षेत्र भी बनाया गया था।

2. ग्लोबल मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन

आईएआरआई पूसा परिसर में 18 से 22 मार्च 2023 के बीच आयोजित ''ग्लोबल मिलेट (श्रीअन्न) सम्मेलन'' में एपीडा द्वारा बड़े स्तर पर भागीदारी का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा किया गया था। देश भर से मिलेट (श्रीअन्न) आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों के लगभग 100 प्रदर्शकों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस आयोजन में विश्व के विभिन्न भागों जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका, केन्या, संयुक्त अरब अमीरात, जर्मनी, इटली, नेपाल, फ्रांस, कुवैत, मलावी आदि से लगभग 97 खरीदारों को एक साथ लाया गया। देश भर

के स्कूल और कॉलेज के छात्रों ने श्रीअन्न (मिलेट) और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रदर्शनी में भाग लिया। इसके अतिरिक्त विभिन्न सांसदों और कृषि मंत्री ने प्रदर्शनी में भाग लिया। भारतीय श्रीअन्न (मिलेट) आधारित उत्पादों की श्रृंखला का प्रदर्शन, नमूना करण और जायका लेने के कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

3. सियाल इंडिया –2022

सियाल इंडिया–2022 का आयोजन 1–3 दिसंबर, 2022 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया गया। सियाल इंडिया में 250 से अधिक प्रदर्शकों और विश्व भर से 8000 से अधिक आगंतुकों के साथ 20 से अधिक देशों की भागीदारी रही। एपीडा ने प्रमुख प्रायोजकों में से एक के रूप में सियाल इंडिया में भाग लिया। इस आयोजन के लिए एपीडा मंडप का क्षेत्र 15 सह–प्रदर्शकों को समायोजित करने के लिए लगभग 250 वर्ग मीटर था, बैठकों के लिए वीआईपी लाउंज, स्वागत क्षेत्र और विशेष थीम और प्रदर्शन क्षेत्र बनाया गया था। इस तरह के प्रतिष्ठित मेलों में भाग लेकर, एपीडा द्वारा अपने सदस्यों को एक मंच प्रदान किया गया, जिससे उन्हें अधिकतम लाभ और विभिन्न व्यावसायिक अवसर प्राप्त हों।

4. बायोफैक इंडिया –2022

एपीडा द्वारा 1 से 3 सितंबर 2022 तक आईईएमएल, ग्रेटर नोएडा में आयोजित बायोफैक इंडिया 2022 में न्यूरेमबर्ग के साथ संयुक्त आयोजक के रूप में भाग लिया गया। बायोफैक जैविक उत्पादों के लिए अग्रणी व्यापार मेला है जो जैविक उद्योग को एक साथ लाता है और नेटवर्किंग की सुविधा प्रदान करता है। पूर्वोत्तर राज्यों और पंजाब से जैविक उत्पादों के निर्यातकों और सरकारी एजेंसियों सहित लगभग 24 सह–प्रदर्शकों ने एपीडा के साथ भाग लिया। यह प्रदर्शनी जैविक उद्योग के प्रमुख निर्यातकों को एक साथ एक मंच प्रदान करने का माध्यम है।

5. क्रेता विक्रेता बैठक

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	आयोजक का नाम	दिनांक
1.	भारतीय आमों पर भारत कुवैत वीबीएसएम	एमसीसीआईए, भारत	19-04-2022
2.	आम क्रेता–विक्रेता बैठक, हैदराबाद	क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद बागवानी विभाग, तेलंगाना सरकार के साथ संयुक्त रूप से	26-04-2022
3.	आम के लिए बीएसएम	यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस बैंगलोर	23-06-2022
4.	हैदराबाद में क्रेता विक्रेता बैठक – नाबार्ड, जर्मन सहयोग (जीआईजेड इंडिया द्वारा कार्यान्वित) और एपीएमएएस	नाबार्ड	30-09-2022
5.	ड्रैगन फ्रूट के लिए बीएसएम	यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस बैंगलोर	19-10-2022
6.	त्रिशूर में 'चावल और इसके मूल्यवर्धित उत्पादों की प्रदर्शनी निर्यात संवर्धन और क्रेता–विक्रेता बैठक	एपीडा और केरल एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी एग्रीबिजनेस इनक्यूबेटर (केएयू–रबी)	10-03-2023

6. क्षमता निर्माण कार्यक्रम

क्र.सं.	कार्यकम का नाम	दिनांक
1.	नोवोटेल होटल, विशाखापत्तनम में निर्यातकों के साथ संवादात्मक बैठक	09–05–2022
2.	एफपीओ और किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	10–06–2022
3.	नए पंजीकृत निर्यातकों के लिए वर्चुअल जागरूकता (sensitization) कार्यक्रम	23–06–2022
4.	राज्य के अधिकारियों के लिए बागवानी निर्यात प्रशिक्षण	25–07–2022 से 30–07–2022 तक
5.	ऑडिटोरियम, सीजीओ टावर्स, हैदराबाद में एससी/एसटी कृषि उद्यमियों के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम	29–07–2022
6.	टमाटर एफपीओ/किसानों और अन्य हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	02–09–2022
7.	एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	05–09–2022
8.	चुनार–मिर्जापुर में कृषि निर्यात पर हितधारकों की बैठक और क्षमता निर्माण कार्यक्रम	06–09–2022
9.	नेल्लोर में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम	11–09–2022
10.	कुर्नूल में आंध्र प्रदेश सरकार की क्षमताओं को सुदृढ़ बनाना	12–09–2022
11.	एससी–एसटी के लिए व्यवसाय नेतृत्व विकास कार्यक्रम।	23–09–2022 से 24–09–2022 तक
12.	निर्यात के लिए एफएसएमएस और पैकेजिंग मानकों पर गुड़ निर्माताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।	26–09–2022

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक
13.	श्रीअन्न (मिलेट) और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों की क्षमता निर्माण और निर्यात संवर्धन	26–09–2022
14.	लहसुन उत्पादक बैठक	27–09–2022
15.	सीबीओ और एफपीओ की बैठक	30–09–2022
16.	नेफेड के साथ पंजीकृत केरल के एफपीओ के साथ वर्चुअल बैठक	06–10–2022
17.	निजामाबाद में सतत कृषि पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	07–10–2022
18.	कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग, धान में कीटनाशकों के एमआरएल स्तर और निर्यात के लिए चावल के उत्पादन पर बीईडीएफ के समन्वय में किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम	28–10–2022
19.	त्रिशूर में एफपीओ/एफपीसी के लिए सीबीबीओ केरल चैप्टर प्रशिक्षण	29–10–2022
20.	किसानों के साथ संवादात्मक बैठक (इंटरैक्टिव बैठक) और आईटीडीए पडेरु अराकू क्षेत्र, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में क्षेत्र का दौरा	14–11–2022 से 16–11–2022 तक
21.	'कृषि वस्तु निर्यात के अवसर और चुनौतियाँ – हितधारकों के साथ एक इंटरफेस' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18–11–2022
22.	'कृषि वस्तु निर्यात के अवसर और चुनौतियाँ – हितधारकों के साथ एक इंटरफेस' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	18–11–2022
23.	एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम	18–11–2022
24.	विजयवाड़ा में आंध्र प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के साथ संयुक्त रूप से जैविक प्रमाणीकरण पर कार्यशाला	24–11–2022
25.	निर्यातकों की बैठक	20–12–2022
26.	एफपीओ को निर्यात जागरूकता पर कार्यशाला	26–12–2022
27.	आंध्र प्रदेश में अच्छी कृषि पद्धतियों और जैविक प्रमाणीकरण पर कार्यशाला	28–12–2022
28.	मिलेट (श्रीअन्न) और कृषि उत्पादों के एफपीओ और किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	07–01–2023
29.	वाराणसी से मुंबई का एफपीओ एक्सपोजर दौरा	16–01–2023 से 19–01–2023 तक
30.	वायनाड के जैविक रूप से प्रमाणित किसानों के साथ बैठक	25–01–2023
31.	किसानों, एफपीओ और उद्यमियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	05–02–2023
32.	निर्यातक बैठक	06–02–2023
33.	कृषि उद्यमियों के लिए एपीडा के संस्थागत हस्तक्षेप(इंटीट्यूशनल इंटर्वेन्शन) पर प्रशिक्षण सत्र	07–02–2023
34.	कोल्लम में एफपीओ/निर्यातक/महिला उद्यमियों/स्टार्टअप के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक	13–02–2023
35.	एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम	13–02–2023
36.	कन्नूर जिले के एफपीओ के लिए एक दिवसीय व्यावसायिक बैठक	16–02–2023
37.	त्रिशूर, कासरगोड और त्रिवेन्द्रम में एफपीओ को जागृत और सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यशाला	09–03–2023
38.	एससी/एसटी उद्यमियों के लिए वित्तीय अवसर और कृषि उत्पादों एवं श्रीअन्न (मिलेट) निर्यात जागरूकता कार्यक्रम	27–03–2023
39.	एससी/एसटी उद्यमियों के लिए वित्तीय अवसर और कृषि उत्पादों एवं श्रीअन्न (मिलेट) निर्यात जागरूकता कार्यक्रम	28–03–2023

7. प्रदर्शनियां

क्र.सं.	कार्यकम का नाम	दिनांक
1.	सहकारी एक्सपो 2022	25–04–2022
2.	नॉर्थ ईस्ट फूड शो 2022	05–05–2022 से 07–05–2022 तक
3.	चौथा अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो	06–05–2022 से 08–05–2022 तक
4.	कृषि एवं खाद्य प्रौद्योगिकी कॉन्क्लेव सह एक्सपो	19–05–2022 से 21–05–2022 तक
5.	7वाँ भारत औद्योगिक मेला उद्यम 2022	22–05–2022 से 25–05–2022 तक
6.	चेन्नई एग्री एक्सपो 2022	03–06–2022 से 05–06–2022 तक
7.	13वाँ कृषि मेला 2022	20–06–2022 से 25–06–2022 तक
8.	आम महोत्सव, लखनऊ	01–07–2022 से 07–07–2022 तक
9.	कटहल और इसके मूल्यवर्धित उत्पादों पर प्रदर्शनी के साथ निर्यात संवर्धन	22–07–2022
10.	9वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी सह मेला 2022	04–08–2022 से 08–08–2022 तक
11.	फूड प्रो 2022 चेन्नई	05–08–2022 से 07–08–2022 तक
12.	25वीं राष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनी	24–08–2022 से 27–08–2022 तक
13.	वाइब्रेंट नॉर्थ ईस्ट	25–08–2022 से 27–08–2022 तक
14.	इंडिया जिओग्राफिकल इंडिकेशन(जीआई) मेला 2022	26–08–2022 से 28–08–2022 तक
15.	नेल्लोर जैविक खाद्य मेला 2022–नेल्लोर में जैविक खाद्य महोत्सव और प्रदर्शनी	10–09–2022
16.	अन्नपूर्णा– अनुफूड इंडिया 2022 (गोरेगांव) घरेलू सह अंतर्राष्ट्रीय	14–09–2022 से 16–09–2022 तक
17.	किसान बीज प्रदर्शनी, वाशी	11–10–2022 से 12–10–2022 तक
18.	निर्यातक सम्मेलन सह एक्सपो	14–10–2022
19.	अंतर्राष्ट्रीय मोरिंगा मेला, 2022 करूर में	04–11–2022 से 06–11–2022 तक
20.	कृषि मेला एवं प्रदर्शन	12–11–2022
21.	कृषिथॉन–नासिक	24–11–2022 से 28–11–2022 तक
22.	एग्रोविजन–नागपुर	25–11–2022 से 28–11–2022 तक
23.	मखाना महोत्सव, पटना, बिहार	29–11–2022 से 30–11–2022 तक
24.	स्वराज्यभूमि कोकण उत्सव 2022	06–12–2022 से 09–12–2022 तक
25.	कृषि–बागवानी शो	17–12–2022 से 19–12–2022 तक
26.	अंतर्राष्ट्रीय पुष्प शो और कृषि उत्सव – पूपोली 2023	12–01–2023
27.	श्रीअन्न (मिलेट) सम्मेलन सह प्रदर्शनी	21–01–2023 से 22–01–2023 तक
28.	समरंभक महा संगमम 2023	21–01–2023
29.	पूर्वोत्तर भारत का पहला जैविक मेला दृ एक्सपो वन	03–02–2023 से 05–02–2023 तक
30.	त्रिशूर, केरल एग्रो फूड प्रो 2023	04–02–2023 से 07–02–2023 तक
31.	वैगा (VAIGA) 2023	25–02–2023 से 02–03–2023 तक
32.	प्रभाग स्तरीय सब्जी एवं पुष्प प्रदर्शन कार्यक्रम	25–02–2023 से 26–02–2023 तक

8. कार्यशालाएं/संगोष्ठियां/सम्मेलन

क्र.सं.	कार्यकम का नाम	दिनांक
1.	''आयात और निर्यात प्रक्रियाओं पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम'' पर पैनल चर्चा	13–05–2022
2.	चावल के लिए निर्यात संवर्धन कार्यनीति पर एक दिवसीय कार्यशाला	13–05–2022
3.	अंतर्राष्ट्रीय टमाटर सम्मेलन	17–05–2022
4.	'सतत विज्ञान और बायोटेक कॉन्क्लेव की ओर नॉर्थ ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव	20–05–2022 से 22–05–2022 तक
5.	भारत में जैविक खेती पर मंथन कार्यशाला	10–06–2022
6.	वर्चुअल बैठक	21–07–2022
7.	''आयात और निर्यात प्रक्रियाओं पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम'' पर पैनल चर्चा	05–08–2022
8.	एफपीओ के लिए राष्ट्रीय परामर्श कार्यशाला	12–08–2022
9.	बिम्सटेक देशों में औषधीय पौधे–आधारित उद्योगों की चुनौतियों और अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (आईसीएचएएमपी)	26–08–2022 से 27–08–2022 तक
10.	इडुक्की में निर्यात संवर्धन अभियान	26–08–2022
11.	विश्व नारियल दिवस 2022 के उत्सव सहित जीएपी पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला	02–09–2022 से 03–09–2022 तक
12.	रीवा से चावल के निर्यात के लिए निर्यात संवर्धन कार्यनीति पर कार्यशाला	05–09–2022
13.	निर्यात हब के रूप में जिले के तहत जिला स्तरीय हितधारक परामर्श (Focus@75)	07–09–2022
14.	आरकेवीवाई–रफ्तार (RKVY-RAFTAAR)के एक भाग के रूप में कृषि उद्यमिता विकास कार्यक्रम	15–09–2022
15.	महिला उद्यमिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	15–09–2022 से 16–09–2022 तक
16.	आयुर्वेदिक आहार और जैविक, मध्य प्रदेश पर शिखर सम्मेलन	22–09–2022
17.	आईआईएमआर – एचआईसीसी, हैदराबाद में राष्ट्रीय पोषक अनाज सम्मेलन 4.0 (एनएनसीसी 4.0)	23–09–2022 से 24–09–2022 तक
18.	''आयात और निर्यात प्रक्रियाओं पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम'' की पैनल चर्चा	14–10–2022
19.	एससी–एसटी हितधारकों के लिए कृषि उपज के निर्यात और खाद्य उत्पादों को आगे बढ़ाने हेतु व्यापार कार्यशाला	12–11–2022
20.	आंध्र प्रदेश से कृषि–खाद्य प्रसंस्करण निर्यात पर संगोष्ठी	17–11–2022

क्र.सं.	कार्यकम का नाम	दिनांक
21.	कृषि मंथन 6.0	03–12–2022
22.	''प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी, ब्रांडिंग और विपणन'' विषय के साथ केरल खाद्य शिखर सम्मेलन और प्रदर्शनी का चौथा संस्करण	15–12–2022
23.	चिन्नोर चावल (जीआई उत्पाद) के निर्यात के लिए निर्यात संवर्धन कार्यनीति पर कार्यशाला	15–12–2022
24.	एआईसीआरपी–वनस्पति विज्ञान, स्वर्ण जयंती राष्ट्रीय संगोष्ठी	20–12–2022 से 22–12–2022 तक
25.	त्रिची में ''जीआई और पारंपरिक केले के निर्यात'' पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला	21–12–2022 से 22–12–2022तक
26.	केरल के वर्तमान में जीआई टैग किए गए उत्पादों पर वर्चुअल बैठक	28–12–2022
27.	उत्तर पूर्व कृषि कुंभः थीमः आय और रोजगार सृजन के लिए कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में उभरते अवसर।	04–01–2023
28.	जी–20 शिखर सम्मेलन के उपलक्ष्य में कृषि अवसंरचना कोष में जेंडर को मुख्यधारा में लाना	01–02–2023
29.	''आयात और निर्यात प्रक्रियाओं पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम'' की पैनल चर्चा	07–02–2023
30.	कृषि अवसंरचना कोष में जेंडर को मुख्यधारा में लाना	08–02–2023
31.	केरल–भारत और वियतनाम के बीच व्यापार और निवेश की खोज	09–03–2023
32.	वायनाड की प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों और अन्य उत्पादों के निर्यात संवर्धन, मूल्य संवर्धन और विपणन पर राष्ट्रीय कार्यशाला	21–03–2023
33.	निर्यात संवर्धन कार्यशाला	21–03–2023
34.	कोझिकोड में निर्यात प्रोत्साहन अभियान	24–03–2023

16. एपीडा क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियां

16.1. अहमदाबाद

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय गुजरात की स्थापना अप्रैल, 2021 में हुई थी ।**
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री सी एस डुडेजा, सहायक महाप्रबन्धक
पता	:	मार्दिया प्लाजा, ए–विंग, छठी मंजिल, सीजी रोड, राष्ट्रीय हथकरघा निगम के पास, अहमदाबाद, गुजरात पिनः 380006

कार्य/पहलः

नए उत्पाद / नए बाजार

- एपीडा गुजरात ने गुजरात के खेड़ा जिले के नडियाद में 19.09.2022 को गुजरात (नडियाद) से यूएसए (कैलिफोर्निया) के लिए प्लांट बेस्ड वेगन मीट प्रोडक्ट्स की पहली शिपमेंट के लिए हरी झंडी दिखाने के समारोह का आयोजन किया।
- 9 जनवरी, 2023 को राजस्थान के बाडमेर और सिरोही जिले से अनार के निर्यात और संवर्धन के लिए एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया। बैठक में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय और एपीडा के तहत पंजीकृत तीन निर्यातकों के साथ राज्य के कृषि अधिकारी भी शामिल हुए।

जीआई उत्पादों का प्रचार

- गुजरात से निर्यात प्रयोजन के लिए गुजरात क्षेत्र के जीआई उत्पाद गीर केसर आम के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ समन्वय किया।

क्षमता निर्माण

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) और भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने संयुक्त रूप से गुजरात क्षेत्र के मेहसाणा जिले के उंझा में 27 जुलाई, 2022 को भारत सरकार की पहल ''निर्यात हब के रूप में जिले'' पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा गुजरात ने डीजीएफटी, फियो और उद्योग आयोग, गुजरात सरकार के साथ संयुक्त रूप से 25.08.2022 को गुजरात के खेड़ा जिले में निर्यात केंद्र के रूप में India@75–जिले में निर्यात पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रमः जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा गुजरात ने 12.11.2022 को ''गुजरात से कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने के लिए रणनीति, चुनौतियां और संवर्धन'' पर सीबीबीओ/एफपीओ और मूंगफली हितधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की। मूंगफली उद्योग के 300 से अधिक हितधारकों ने बैठक में भाग लिया।
- 21.11.2022 को चावल, गेहूं, चीनी और प्लास्टिक (कच्चे माल और अंतिम उत्पाद) पर वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक के लिए गुजरात और राजस्थान के प्रतिभागियों को सुविधा प्रदान की।
- दिनांक 06.03.2023 को सिल्वर क्लाउड होटल, अहमदाबाद में सीबीबीओ ''नीर हॉर्टिकल्चर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड'' के साथ संयुक्त रूप से ''एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम/फ्लैग ऑफ

- एमएसएमई–डीएफओ, अहमदाबाद में 08, 15, 22, 27 फरवरी, 2023 को एमएसएमई क्षेत्र के लिए सतत जेड प्रमाणन (जेडईडी) पर आयोजित जागरूकता सह पंजीकरण कार्यक्रम के लिए एपीडा पंजीकृत सदस्यों को सुविधा प्रदान की।
- क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद ने 17.06.2022 को भारत सरकार की ''निर्यात हब के रूप में जिले'' पहल के तहत फोकस उत्पाद – प्रसंस्कृत खाद्य के संबंध में अरावली जिले में डीजीएफटी के साथ एक हितधारक परामर्श बैठक आयोजित की।
- एपीडा गुजरात ने गुजरात के खेड़ा जिले के नडियाद में 19.09.2022 को गुजरात (नडियाद) से यूएसए (कैलिफोर्निया) के लिए प्लांट बेस्ड वेगन मीट प्रोडक्ट्स की पहली शिपमेंट के लिए फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- एपीडा गुजरात ने 12.11.2022 को जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक और डीन पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज डॉ. एचएम गाजीपारा और जूनागढ़ जिला, गुजरात में अनुसंधान वैज्ञानिक (मूंगफली) डॉ. आर.बी. मदारिया के साथ एक बैठक की।
- परस्पर संवादात्मक सत्र में निर्यातकों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दों, गुणवत्ता मापदंडों, जिले के नए संभावित उत्पादों को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई। एटीएमए के गुजरात राज्य समन्वयक ने एपीडा का समर्थन किया और एफपीओ और सीबीबीओ की सुविधा प्रदान की। नाबार्ड और एसएफएसी के अंतर्गत एफपीओ भी बैठक में शामिल हुए।
- राजकोट जिले के कलावाड रोड में एक एग्रोफूड पार्क स्थापित करने के लिए जीआईडीसी का समर्थन। एग्रोफूड पार्क में संभावित निवेश के लिए खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र, कोल्ड स्टोरेज, प्रयोगशालाओं, प्रसंस्करण इकाइयों आदि से प्रतिभागियों को आमंत्रित करने के प्रयास किए गए हैं। जीएआईसी के साथ भाग लिया और समन्वय किया।
- भारत में निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) पर उनके शोध अध्ययन के संबंध में नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा दी गई प्रश्नावली में क्षेत्रीय कार्यालय अहमदाबाद से संबंधित जानकारी शामिल की गई है।
- गुजरात राज्य के लिए एक एकीकृत रसद मास्टर प्लान तैयार करने के लिए गुजरात इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बोर्ड (जीआईडीबी) के सलाहकार एलईए एसोसिएट्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड (एलएएसए) के अधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की।
- कृषि संवर्धन के बारे में चर्चा करने और एपीडा की Horti.net ट्रेसेबिलिटी प्रणाली में अनार और किन्नू के फार्म पंजीकरण के लिए बागवानी अधिकारियों के लिए जागरूकता(Sensitization) और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए 16.02.2023 को अतिरिक्त मुख्य सचिव, कृषि, राजस्थान और प्रधान सचिव, आरएसएएमबी के साथ एक बैठक आयोजित की।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आइवाइओएम–2023) संबंधित गतिविधियाँ

- 28 जुलाई 2022 को दोपहर 2:30 बजे ''मिलेट और मिलेट आधारित उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने'' पर गुजरात और राजस्थान के प्रतिभागियों वर्चुअल बैठक आयोजित की।

16.2. बेंगलुरु

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु की स्थापना नवंबर 1991 में हुई थी ।**
क्षेत्रफल	:	5432.92 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री आर.रवीद्र, उप महाप्रबंधक और क्षेत्रीय प्रमुख
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	घर्किन, प्रसंस्कृत और तैयार खाद्य उत्पाद, मादक पेय, बागवानी उत्पाद, मिलेट और इसके मूल्य वर्धित उत्पाद।

कार्य/पहल:

नए उत्पाद / नए बाजार

- मैसर्स हार्वेस्ट डिपो एग्रो वेंचर्स एलएलपी, बेंगलुरु द्वारा 04.05.2022 को कोलार से जेबेल अली बंदरगाह, दुबई तक 27 मीट्रिक टन **बटरनट स्क्वैश फ्रूट (नया उत्पाद)** की 27 मीट्रिक टन की शिपमेंट का निर्यात समुद्री शिपमेंट द्वारा किया गया था। एपीडा बेंगलुरु के अधिकारियों ने नए बाजार में नए उत्पाद के निर्यात हेतु मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान की।
- भारत गणराज्य और ऑस्ट्रेलिया सरकार के बीच **भारत–ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग व्यापार समझौते (ईसीटीए)** के परिणामस्वरूप, एपीडा ने एडीजीएफटी के कार्यालय के सहयोग से 29.12.2022 को बेंगलुरु से ऑस्ट्रेलिया को मूल्य वर्धित मिलेट उत्पादों की पहली शिपमेंट के निर्यात के लिए एक फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया।

जीआई उत्पादों को बढ़ावा देना

- चिक्कबल्लापुरा से 22 मीट्रिक टन **बैंगलोर रोज ऑनियन (जीआई उत्पाद)** की एक शिपमेंट को मैसर्स एलएच 7 नेचुरल रिसोर्सेज प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु द्वारा 01.05.2022 को समुद्री शिपमेंट द्वारा कुआलालंपुर, मलेशिया में निर्यात किया गया था। एपीडा बेंगलुरु के अधिकारियों ने मार्गदर्शन प्रदान किया और निर्यात की सुविधा प्रदान की।
- अप्रैल 2022 के दौरान आहार प्रदर्शनी में बैंगलोर रोज ऑनियन, बैंगलोर के नीले अंगूर, गुलबर्गा तूर दाल और पोमेलो फल के जीआई उत्पादों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं।

क्षमता निर्माण

- वाटरशेड विकास विभाग, केएपीपीईसी और एपीडा ने संयुक्त रूप से 20.08.2022 को जीकेवीके कैंपस, यूएएस, बेंगलुरु में श्री बी.सी पाटिल जी, माननीय कृषि मंत्री, कर्नाटक सरकार की उपस्थिति में ''किसान उत्पादक संगठन और निर्यातक सम्मेलन'' का आयोजन किया। एफपीओ और निर्यातकों के बीच बी2बी बातचीत हुई। इस कार्यक्रम में राज्य विभाग के अधिकारियों, केंद्र सरकार की एजेंसियों, एफपीओ, किसानों, कर्नाटक और महाराष्ट्र के निर्यातकों जैसे महत्वपूर्ण हितधारकों सहित लगभग 2000 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर के सहयोग से ''आजादी का अमृत महोत्सव'' पहल के एक भाग के रूप में 05.09.2022 को ''मिलेट के एफपीओ/एसएचजी और निर्यात हेतु इसके मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' का आयोजन किया। कार्यक्रम में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें एफपीओ/एसएचजी/निर्यातक/उद्यमी शामिल थे।
- 13.02.2023 को 37वें एपीडा स्थापना दिवस को मनाने के लिए, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने यूएएस बैंगलोर में एफपीओ/निर्यातकों/महिला उद्यमियों/स्टार्ट–अप के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने 08.03.2023 को ''केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं पर महिला उद्यमियों के लिए जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम'' का आयोजन किया। एपीडा की वित्तीय सहायता योजना पर प्रकाश डाला गया। इस आयोजन में 20 नई महिला उद्यमियों ने भाग लिया।

- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के साथ संयुक्त रूप से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के लिए 24.03.2023 को हुबली में कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात तथा केंद्र एवं राज्य सरकार और बैंकिंग क्षेत्र द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के लिए वित्तीय अवसरों पर एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम और संगोष्ठी का आयोजन किया।

कार्यक्रमः आरबीएसएम / बीएसएम आदि/

- कर्नाटक राज्य आम विकास निगम, केएपीपीईसी, केएबीडीसी और एपीडा द्वारा संयुक्त रूप से 13.04.2022 को **आम खरीदार विक्रेता प्रत्यक्ष व्यापार लिंकेज मीट** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों/एफपीओ/व्यापारियों/निर्यातकों सहित लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- **आम मेला और क्रेता विक्रेता बैठक** का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु द्वारा पूर्व छात्र संघ, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के सहयोग से 23.06.2022 को किया गया था। एपीडा ने इस कार्यक्रम में जीआई अप्पेमिडी आम के अचार को प्रदर्शित किया। लगभग 140 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें किसान, व्यापारी, निर्यातक और अधिकारी शामिल थे।
- ड्रैगन फ्रूट के लिए खरीदारों और विक्रेताओं की बैठक का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु द्वारा कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बेंगलुरु और केएपीपीईसी के सहयोग से 19.08.2022 को किया गया था। कार्यक्रम के दौरान एपीडा, जेडीजीएफटी, केएपीपीईसी, यूएएस के अधिकारी उपस्थित थे।
- कर्नाटक राज्य आम विकास एवं विपणन निगम लिमिटेड और केएपीपीईसी द्वारा बागवानी विभाग, एपीडा, नाबार्ड के सहयोग से 28.03.2023 को पशु चिकित्सा कॉलेज सभागार में **आम खरीदार और विक्रेता बैठक 2023** का आयोजन किया गया था। किसानों/एफपीओ/निर्यातकों/व्यापारियों सहित लगभग 300 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु और लघु उद्योग भारती–कर्नाटक ने केएपीपीईसी, वाटरशेड विकास विभाग और बागवानी विभाग, कर्नाटक सरकार के सहयोग से 14.10.2022 को उडुपी जिले में सुश्री शोभा करंदलागे जी, माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में ''निर्यातकों के सम्मेलन सह प्रदर्शनी'' का आयोजन किया, ताकि तटीय कर्नाटक से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- श्री बी.सी पाटिल जी, माननीय कृषि मंत्री, कर्नाटक सरकार ने 29.06.2022 को एपीडा बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय का दौरा किया। एपीडा के अधिकारियों ने माननीय मंत्री को कर्नाटक में कृषि निर्यात परिदृश्य के बारे में जानकारी दी और कर्नाटक राज्य में ''निर्यात संवर्धन और विकास गतिविधियों में एपीडा की भूमिका'' पर एक प्रस्तुति दी।

समझौता ज्ञापन

- निर्यात अवसंरचना के विकास की योजना के तहत निर्यात के लिए दालों के प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए कर्नाटक राज्य दलहन अभिवृद्धि मंडली लिमिटेड (केएसपीएएम) को दिनांक 14.02.2022 को जारी आईपीए संख्या आईएनएफ–2021–22–000027 के अनुसार, एपीडा और केएसपीएएम लिमिटेड के बीच 18.04.2022 को एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- **05.09.2022 को एपीडा और आईसीएआर–आईआईएचआर बेंगलुरु के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षरः** एपीडा और आईसीएआर–आईआईएचआर, बेंगलुरु ने 05.09.2022 को आईआईएचआर, कैंपस बेंगलुरु में हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य लाने के लिए बागवानी और संबद्ध क्षेत्रों के हित में गतिविधियों को समन्वित करने के लिए मिलकर काम करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अन्य

- मलेशिया के संगरोध विभाग के दो सदस्यीय मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल, जिसमें सुश्री रोसमावती बिनते सेलामत और सुश्री लैलातुल जुमैया बिनती सालेह हुद्दीन शामिल हैं, ने 06.07.2022 को मलूर, कोलार में मैसर्स इनोवा एग्री बायो पार्क लिमिटेड की गामा विकिरण केंद्र का दौरा किया। टीम को विस्तृत प्रस्तुतियों के माध्यम से निर्यात सुविधाओं, उपचार विधि, कीट नियंत्रण, मानक, विनियमन में अपनाए गए प्रणाली दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी गई।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने 15 और 16 जुलाई 2022 तक बेंगलुरु में बीडीएम के एक्सपोजर दौरे का समन्वय किया। श्रीनगर, अहमदाबाद, कोलकाता, चेन्नई और कोच्चि के एपीडा क्षेत्रीय कार्यालयों के पांच बीडीएम को क्षेत्रीय संयंत्र संगरोध स्टेशन कार्यालय, बेंगलुरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कूलपोर्ट सुविधा, सदली में बेंगलुरु रोज ऑनियन क्लस्टर (जीआई), अंतर्राष्ट्रीय पुष्प नीलामी केंद्र, मैसर्स इंडो ब्लूम लिमिटेड की फूलों की खेती इकाई और मैसर्स रेटिजेल इंडिया लिमिटेड की खीरा इकाई का दौरा करने के लिए ले जाया गया।
- केंद्र सरकार के कार्यालयों के लिए राजभाषा पर संसद की समिति की तीसरी उप–समिति ने 03.11.2022 को क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु का दौरा किया। समिति के माननीय सदस्यों ने एपीडा स्टॉल का दौरा किया और हिंदी रजिस्टरों, फाइलों का निरीक्षण किया और क्षेत्रीय कार्यालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर एपीडा के अधिकारियों के साथ बातचीत की। एपीडा के अधिकारियों ने समिति के सदस्यों के साथ एक बैठक में भाग लिया और क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु में हिंदी भाषा के कार्यान्वयन के लिए की गई गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने तुमकुरु में किसान समूहों के गवाह लेखा परीक्षा, मैसर्स अदिति ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन, बेंगलुरु के अघोषित गवाह ऑडिट और दौरे के संबंध में यूरोपीय संघ के चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का समन्वय किया। प्रतिनिधिमंडल के साथ एपीडा के अधिकारी भी थे।
- क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलुरु ने 11.01.2023 को बेंगलुरु में एपीडा प्राधिकरण की 104 वीं बैठक के लिए समन्वय और व्यवस्था की। प्राधिकरण के सदस्यों को मैसर्स इंडो स्पेनिश टेस्टी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, कुनिगल की खीरा इकाई का दौरा करने के लिए ले जाया गया।
- जी–20 प्रतिनिधिमंडल के लिए मूल्य वर्धित मिलेट उत्पाद आधारित मिलेट उपहार पर तैयार किए गए हैं।
- क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु ने एफपीओ के बीच जागरूकता पैदा करने में पहल की और कर्नाटक भर में 125 एफपीओ को निर्यातकों के रूप में पंजीकृत किया।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष(आइवाइओएम–2023) संबंधित गतिविधियाँ

- एपीडा बेंगलुरु क्षेत्रीय कार्यालय में स्थापित मिलेट गैलरी का उद्घाटन प्राधिकरण के माननीय सदस्यों और एपीडा के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में 11.01.2023 को किया गया। गैलरी में बंगलौर से निर्यातकों द्वारा निर्यात किए जा रहे मिलेट (श्रीअन्न) और मिलेट आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों / रेडी टू कुकध्रेडी टू ईट उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है।

16.3. भोपाल

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की स्थापना 10फरवरी 2021 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	969.15 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री सौरव अग्रवाल, प्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	चावल, मिल्ड उत्पाद, विविध खाद्य उत्पाद, दालें, मक्का, कन्फेक्शनरी, प्रसंस्कृत फल और रस, गेहूं और गेहूं उत्पाद, अन्य में। छत्तीसगढ़ के मामले में, निर्यात की जाने वाली प्रमुख कृषि वस्तु गैर–बासमती चावल थी।

कार्य/पहलः

नए उत्पाद/नए बाजार/फ्लैग ऑफ

- 16.06.2022 को फ्रीज–ड्राइड स्ट्रॉबेरी का एक फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया। 680 किलोग्राम **''फ्रीज ड्राईड स्ट्रॉबेरी''** का शिपमेंट छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश से नेवार्क, यूएसए को समुद्री मार्ग के माध्यम से निर्यात किया गया था।

जीआई/नवोन्मेषी उत्पाद संवर्धन गतिविधियां

- **जिला प्रशासन विभाग के सहयोग से 15.12.22 को मध्य प्रदेश के बालघाट में चिन्नोर चावल (जीआई उत्पाद) के निर्यात के लिए निर्यात संवर्धन रणनीति पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चिन्नोर चावल को बढ़ावा देना और चिन्नोर चावल उत्पादकों को निर्यातकों से जोड़ना है।**

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- आईजीकेवी–बीटीसी सीएआरएस, बिलासपुर के सहयोग से 10.06.2022 को बिलासपुर में कृषि और जनजातीय उत्पादों के एफपीओ और किसानों के लिए **क्षमता निर्माण कार्यक्रम** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री के कृषि सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा ने भाग लिया।
- दिनांक 13.05.2022 को रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य से चावल निर्यात संवर्धन रणनीति के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एपीडा के अध्यक्ष डॉ. एम. अंगमुथु, आईएएस सहित उल्लेखनीय गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।
- पुणे में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट–हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी (एनआईपीएचटी) में 25.07.2022 से 30.07.22 तक मध्य प्रदेश राज्य के अधिकारियों के लिए 5 दिवसीय **''बागवानी निर्यात प्रशिक्षण''** का आयोजन किया गया।
- जिला बागवानी विभाग के सहयोग से 02.09.2022 को सतना, मध्य प्रदेश में **''टमाटर एफपीओ/किसानों और अन्य हितधारकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम''** का आयोजन किया गया।
- 30.09.2022 को भोपाल में नाबार्ड के सहयोग से **''सीबीओ और एफपीओ मीट''** का आयोजन किया गया। एपीडा कार्यक्रम में एक ज्ञान भागीदार (Knowledge Partner)के रूप में शामिल हुआ।
- जी–20 शिखर सम्मेलन के सम्मान में कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ)–मध्य प्रदेश और एपीडा ने 08.02.23 को **जवाहरलाल नेहरू कृषि विद्यालय, जबलपुर में ''कृषि अवसंरचना निधि में जेंडर मेनस्ट्रीमिंग''** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- 37वां एपीडा फाउंडेशन दिवस 13.02.23 को भोपाल, मध्य प्रदेश में मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निर्यात **व्यवसाय** हेतु स्टार्ट–अप और एफपीओ को प्रेरित करना है।
- आईवाईओएम 2023 के सम्मान में, कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ), मध्य प्रदेश और एपीडा, भोपाल ने मध्य प्रदेश द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता योजनाओं और बाजार के अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए **केवीके रायसेन में एक दिवसीय कार्यशाला** का आयोजन किया।

क्रेता विक्रेता बैठक/आरबीएसएमध्व्यापार मेला/प्रदर्शनी

- **कृषि मंथन 6.0** का आयोजन दिनांक 03.12.22 को एपीडा के सहयोग से आईएसईडी द्वारा किया गया था। एफपीओ (180) के 6 राज्यों ने इस बैठक में भाग लिया और अपने संभावित उत्पादों का प्रदर्शन किया। एपीडा ने इस आयोजन में सक्रिय निर्यातकों को आमंत्रित किया और उन्होंने एफपीओ के साथ बातचीत की।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- 2022 में मई, जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर के महीनों के साथ–साथ 2023 में फरवरी और मार्च में राज्य निर्यात कार्य योजना और नीति के संबंध में मंडी बोर्ड के अधिकारियों के साथ बातचीत।
- बैतुल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, आगरमालवा, रीवा आदि जिलों को कवर करते हुए जिला निर्यात नीति और कार्य योजना के संबंध में जिला प्रशासनिक विभागों के साथ बातचीत।

निर्यात संवर्धन कार्यक्रम

- 22.09.2022 को सयाजी होटल, भोपाल, मध्य प्रदेश में एमएसएमई और सीओआईआई के सहयोग से **''आयुर्वेदिक आहार और जैविक, मध्य प्रदेश पर शिखर सम्मेलन''** का आयोजन किया गया।
- जिला प्रशासन विभाग के साथ 15.12.22 को मध्य प्रदेश के बालाघाट में **"चिन्नोर चावल (जीआई उत्पाद) के निर्यात के लिए निर्यात संवर्धन रणनीति पर कार्यशाला"** का आयोजन किया गया।
- एमएसएमई के सहयोग से 05.09.2022 को रीवा, मध्य प्रदेश में **''रीवा से चावल के निर्यात के लिए निर्यात संवर्धन रणनीति पर कार्यशाला''** का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्री अनिल सुचारी (आईएएस) आयुक्त की अध्यक्षता में और श्री मनोज पुष्प (आईएएस) जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में किया गया।

वित्त वर्ष 2022–23 में प्रमुख उपलब्धियां

- एपीडा के तहत 74 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और 23 स्टार्ट–अप पंजीकृत हैं।
- 27 सितंबर 2022 और 23 जनवरी 2023 को एएआई–भोपाल के साथ आयोजित बैठकों की एक श्रृंखला के परिणामस्वरूप, निदेशक एएआई–भोपाल ने एपीडा को सूचित किया, एएआई–भोपाल ने प्रति दिन 80 टन की सुविधा प्रदान की और निर्यातक कृषि उड़ान से लाभान्वित हो सकते हैं और आगे सूचित किया कि यदि दैनिक निर्यात किया जाता है, तो वे बंदरगाह पर सीमा शुल्क समाशोधन को शामिल करने के लिए भी तैयार है।

क्लस्टर गतिविधियाँ

- दिनांक 10.03.23 को सौंसर में सीसीआरआई के सहयोग से जिला छिंदवाड़ा के संतरा उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य संतरे की खेती में अच्छी कृषि प्रथाओं (जीएपी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन **सीसीआरआई** के निदेशक डॉ. घोष की अध्यक्षता में किया गया।
- सौंसर में मैसर्स सतपुडा फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अपने क्षेत्र दौरे के दौरान, सीसीआरआई – नागपुर टीम ने फील्ड स्तर पर किसानों के सामने आने वाले कई मुद्दों का अवलोकन किया। टीम ने उन मुद्दों को हल करने के लिए एफपीओ को सिफारिशें प्रदान कीं।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम –2023)

- **मिलेट सम्मेलन सह प्रदर्शनी:** आईवाईओएम–2023 के सम्मान में, एपीडा, भोपाल ने पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से 21–22 जनवरी, 2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, मंडला, मध्य प्रदेश में मिलेट्सः पावर हाउस ऑफ न्यूट्रिशन'' विषय के तहत ''मिलेट सम्मेलन सह प्रदर्शनी'' का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार श्री प्रहलाद सिंह पटेल जी की अध्यक्षता में किया गया है।

मिलेट हितधारक परामर्श बैठक – मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़

- दिनांक 29.10.2022 को वर्चुअल ''मिलेट्स स्टेकहोल्डर्स कंसल्टेंसी मीटिंग –मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़''का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दोनों राज्यों से मिलेट और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों की संभाव्यता, निर्माताओं

द्वारा सामना की जाने वाली निर्यात गुणवत्ता, पैकेजिंग और लेबलिंग मानकों, एफएसएमएस आदि से संबन्धित बाधाओं को जानना है।

- **एपीडा भोपाल में मिलेट गैलरी:** 17.11.2022 को एपीडा भोपाल कार्यालय में मिलेट गैलरी स्थापित की गई थी। गैलरी में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ स्थित स्टार्टअप द्वारा निर्मित मिलेट और मिलेट आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों/ रेडी–टू–कुक/रेडी–टू–ईट उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है।

●मिलेट की संभावना पर अल्जीरिया में भारतीय दूतावास के साथ वर्चुअल सम्मेलन: दिनांक 26.12.22 को भारत से अल्जीरिया को मूल्य वर्धित मिलेट उत्पादों की निर्यात संभावना पर **भारतीय दूतावास– अल्जीरिया** के साथ एक वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन किया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य अल्जीरिया में मिलेट और उसके मूल्य वर्धित उत्पादों की संभावना को जानना और वीबीएसएम का आयोजन करना है। बैठक में चांसरी–एम्बेसी ऑफ इंडिया के द्वितीय सचिव (प्रशासन और डीओडी, आर्थिक और वाणिज्यिक) प्रमुख श्री नंदकिशोर मुरलीधर नाइक ने भाग लिया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- 07.01.23. को नाबार्ड के सहयोग से खंडवा, मध्य प्रदेश में ''एफपीओ और मिलेट तथा कृषि उत्पादों के किसानों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम'' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एफपीओ के लिए निर्यात के अवसरों और निर्यात आवश्यकताओं के बारे में जानना है।
- दिनांक 27.03.23 को रायपुर में दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) के सहयोग से **''कृषि उत्पादों तथा मिलेट के निर्यात और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति उद्यमियों के लिए वित्तीय अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम''** का आयोजन किया गया।

16.4. चंडीगढ़

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ की स्थापना मार्च, 2021 में हुई थी ।**
क्षेत्रफल	:	375.66 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री हरप्रीत सिंह, सहायक प्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	क्षेत्रीय कार्यालय., एपीडा, चंडीगढ़ ने सिरमौर, हिमाचल प्रदेश से कनाडा को काले लहसुन के निर्यात की पहली शिपमेंट के लिए 14.06.2022 को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल प्रदेश के नाहन, सिरमौर में हाइब्रिड मोड में किया गया, जिसमें हिमाचल राज्य कृषि और बागवानी विभागों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य उद्योग विभाग के निर्यातकों, केवीके, एफपीओ और किसानों और उत्पादकों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को सिरमौर के उपायुक्त, वरिष्ठ एपीडा अधिकारियों, राज्य कृषि विभाग, नाबार्ड, एफपीओ और किसानों ने संबोधित किया।

कार्य/पहलः

क्षमता निर्माण

- प्राकृतिक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने 23 मई 2022 को हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में ''प्राकृतिक खेती पर किसान उत्सव'' नामक एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने 08 जून 2022 को हिमाचल प्रदेश के केवीके बर्थिन जिले में प्राकृतिक खेती पर ''किसान उत्सव'' नामक किसानों/एफपीओ और अन्य हितधारकों के लिए एक भौतिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में जिला परिषद के सदस्य, कृषि विभाग के उप निदेशक और एएटीएमए के निदेशक ने भाग लिया। कृषि विभाग और राज्य कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने एफपीओ और प्रगतिशील किसानों के साथ बहुमूल्य जानकारी साझा की। कार्यक्रम में 120 से अधिक किसानों ने भाग लिया। क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने आरसीएमसी, एफएएस दिशानिर्देशों और किसान कनेक्ट पोर्टल के बारे में जानकारी साझा की।
- 08 सितंबर 2022 को, एपीडा, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने एफपीओ, प्रगतिशील किसानों और निर्यातकों की क्षमता निर्माण हेतु पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में पंजाब एग्रो के सहयोग से पंजाब में उत्पादित बागवानी उत्पादों के लिए निर्यात तैयारियों पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में निदेशक बागवानी, पंजाब सरकार, अनुसंधान डीन, पीएयू, एमएसएएमबी, पुणे, पादप संगरोध प्रभाग(प्लांट क्वारंटाइन डिवीजन), संयुक्त डीजीएफटी, लुधियाना और केंद्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्यौगिकी संस्थान (सीआईपीएचईटी) ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने भा.कृ.अनु.प के सहयोग से 13.02.2023 को अपने 37वें स्थापना दिवस के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के दौरान विभिन्न गतिविधियों के भाग के रूप में कृषि विज्ञान केंद्र, गुरुग्राम, हरियाणा में मोटा अनाज (मिलेट) और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों पर एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों, एफपीओ, एफपीसी, सहकारी समितियों, स्टार्टअप और महिला उद्यमियों का क्षमता निर्माण करना था, जिसमें एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों सहित 81 किसानों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने 20 अक्टूबर, 2022 को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के किसान उत्पादक संगठन के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक वर्चुअल मोड में थी और इसमें 78 प्रतिभागियों और बैठक में शामिल होने वाले विभागों में पंजाब कृषि निर्यात निगम लिमिटेड (पीएजीआरईएक्ससीओ), राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक, विदेश व्यापार महानिदेशालय, भारतीय निर्यात ऋण गारंटी निगम और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण शामिल थे। बैठक का विषय एफपीओ को निर्यातक बनने के बारे में जानकारी प्रदान करना और उन्हें निर्यातक में परिवर्तित होने के लिए प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम

- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने हरियाणा के हिसार में 28 से 30 जुलाई 2022 तक आयोजित तीन दिवसीय ''एस्पायरिंग हरियाणा'' प्रदर्शनी में एपीडा की भागीदारी का आयोजन किया। प्रदर्शनी का उद्देश्य सभी संगठनों को एक मंच पर आमंत्रित करना था जहां हितधारक राज्य और केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों की पहलों, योजनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकें। एपीडा ने ईसीजीसी, एमओएफपीआई, डीआरडीओ, एफएसएसएआई और अन्य सरकारी निकायों के साथ भाग लिया। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री रणबीर सिंह गंगवा ने स्टाल का दौरा किया। क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने किसानों, निर्यातकों और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को कृषि निर्यात नीति, आरसीएमसी, एफएएस दिशानिर्देशों और हरियाणा के वर्तमान कृषि निर्यात परिदृश्य के बारे में सक्षम जानकारी साझा की।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने मिस्र के प्रतिनिधिमंडल का पंजाब में गेहूं के खेतों के दौरे पर स्वागत किया है, और प्रतिनिधिमंडल के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था करने के लिए पंजाब एग्रो के साथ समन्वय भी किया है।
- क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में शहद के निर्यात के संबंध में बागवानी विकास अधिकारी के साथ बातचीत की, निर्यात प्रक्रिया के बारे में अच्छी तरह से समझाया और वित्तीय सहायता दिशानिर्देशों की प्रक्रिया के बारे में भी मार्गदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष(आईवाईओएम–2023) संबंधित गतिविधियां

- 23.11.2022 को क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के निर्यातकों, स्टार्टअप और किसानों के लिए मिलेट उत्पादों के निर्यात के अवसरों पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। सत्र में 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें मिलेट (श्रीअन्न) के निर्यात के अवसरों पर खेती विरासत मिशन (पंजाब का एक गैर सरकारी संगठन और मिलेट के प्रमुख हितधारक) की भागीदारी शामिल थी।
- 30.11.2022 को क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ ने भारतीय मिलेट और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बहरीन में भारतीय दूतावास के साथ वर्चुअल मोड में एक तैयारी बैठक आयोजित की। श्री रवि कुमार जैन, द्वितीय सचिव (वाणिज्य) ने भारतीय दूतावास, बहरीन से बैठक में भाग लिया। एपीडा का प्रतिनिधित्व सुश्री विनीता सुधाशु, उप महाप्रबंधक और श्री चंद्र शेखर, क्षेत्रीय प्रमुख, चंडीगढ़ ने किया। उप महाप्रबंधक सुश्री विनीता सुधांशु ने एपीडा को सौंपी गई गतिविधियों और विभिन्न देशों में मिलेट निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इसकी तैयारियों के संबंध में बैठक की पृष्ठभूमि और उद्देश्य प्रस्तुत किया।
- क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने मिलेट के विभिन्न हितधारकों के साथ मिलेट पर 8 दिसंबर, 2022 को एक बैठक का आयोजन किया। एपीडा और एपीडा की वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की गई।
- 13 फरवरी, 2023 को एपीडा के 37 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, क्षेत्रीय कार्यालय चंडीगढ़ ने हरियाणा के कृषि विज्ञान केंद्र में केवीके, गुरुग्राम के साथ एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल ने निर्यात के लिए मिलेट उत्पादन और प्रसंस्करण पर महत्वपूर्ण जोर दिया।

16.4. चेन्नई

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई की स्थापना 4 फरवरी 2021 में हुई थी ।**
क्षेत्रफल	:	924 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्रीमती शोभना कुमार, सहायक प्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	तमिलनाडु के निर्यात में 2021–22 की तुलना में वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान 7.08% (रुपये के संदर्भ में) की वृद्धि हुई है। राज्य देश के कुल निर्यात में 5.5: हिस्सेदारी के साथ कुल कृषि निर्यात में 7 वें स्थान पर है। गैर बासमती चावल, मूंगफली, प्रसंस्कृत फल, रस और सब्जियां, काजू गिरी, आम का गूदा, ककड़ी और खीरा और कुक्कुट उत्पाद तमिलनाडु से प्रमुख रूप से निर्यात किए गए हैं। शीर्ष गंतव्यों में श्रीलंका, इंडोनेशिया, वियतनाम, मलेशिया, सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, अमेरिका और थाईलैंड शामिल हैं।

कार्य/पहल:

नए उत्पाद/ नए बाजार

- जापान को मैंगो मिलेट मोरिंगा (एमएमएम) के 50 किलोग्राम मूल्य वर्धित उत्पादों का परीक्षण शिपमेंट दिसंबर 2022 में तमिलनाडु के निर्यातक मेसर्स श्रीवेन एग्रीटेक द्वारा शुरू किया गया था। निर्यातक जापानी ग्राहक से आगे के ऑर्डर की प्रतीक्षा कर रहा है।
- अल्फांसो, केसर और बंगनपल्ली के अलावा आम की नई किस्में जैसे सिंदूरा, इमामपसंद, मालगोवा, कलापदी, सुवर्णा रेखा, मल्लिका, दशहरी, लंगड़ा, चौंसा, रसलू और चेरुकु रसम को 2023 में मैसर्स श्रीवेन एग्रीटेक द्वारा "मैंगोपॉइंट" ब्रांड नाम के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर, यूके, फ्रांस, जर्मनी, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया गया था। क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई ने निर्यात की सुविधा के लिए दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधियों को मैसर्स श्रीवेन एग्रीटेक के पैकहाउस और आम के बागों का दौरा कराया।

जीआई उत्पादों का प्रचार

- 20.09.2022 को मैसर्स जेएम एक्जिम, नीलाकोट्टई, तमिलनाडु द्वारा नीलकोट्टई से खरीदे गए अन्य फूलों के साथ जीआई मदुरै मल्ली–1 मीट्रिक टन मदुरै मल्ली को हरी झंडी दिखाकर मस्कट, ओमान के लिए रवाना किया गया।
- जीआई उत्पाद अर्थात मदुरै मल्ली, श्रीविल्लीपुथुर पालकोवा (दूध की मिठाई), पलानी पंचामृतम, कोडईकनाल मलाई पूंडू (पहाड़ी लहसुन), कोविलपट्टी कडलाईमित्ताई (चिक्की), सिरुमलाई पहाड़ी केले किसानों/निर्माताओं और निर्यातकों से खरीदे गए और 26–28 अगस्त 2022 के दौरान नोएडा में आयोजित जीआई मेले में प्रदर्शित किए गए।
- ईओआई, कतर ने गणतंत्र दिवस समारोह 2023 के संबंध में भारतीय मिलेट और जीआई उत्पादों पर चार दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया। एपीडा चेन्नई ने जीआई उत्पादों के प्रदर्शन का आयोजन किया। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कोविलपट्टी कडलाईमित्ताई (चिक्की) परोसा गया और गणमान्य व्यक्तियों के लिए दोपहर के भोजन के साथ विरुपाक्षी और सिरुमलाई केले परोसे गए। ईओआई ने प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शन के लिए उत्पादों की व्यवस्था करने के लिए एपीडा चेन्नई को धन्यवाद दिया, जिसने प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया।

वर्ष 2022–23 के दौरान जागरूकता(Sensitization)/प्रशिक्षण/क्षमता कार्यक्रम/निर्यात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित/भाग लिया गया

- वित्त वर्ष 2022–23 के दौरान, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई द्वारा किसानों, एफपीओ, उद्यमियों, स्टार्ट–अप और निर्यातकों के लिए 73 निर्यात उन्मुख जागरूकता/पहुँच/जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किए गए। डीजीएफटी, टीएनएसएएमबी, एनआईएफटीईएम, टीएनएयू, एमएसएमई, ट्राइफेड, एसएफएसी, तनहोडा, फियो और डीआईसीसीआई द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

जागरूकता(Sensitization)/पहुँच/निर्यात संवर्धन/ प्रशिक्षण/कार्यशालाएं/निरीक्षण– आयोजित/भाग लिया	दिनांक	कार्यक्रमों की संख्या
वर्चुअल माध्यम द्वारा		
क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई द्वारा आयोजित – विभिन्न हितधारकों जैसे, नए पंजीकृत निर्यातकों, एफपीओ, निर्यातकों और महिला उद्यमियों, स्टार्ट अप और जीआई हितधारकों के लिए बैठक	15.06.2022 09.01.2022 02.08.2022 06.12.2022 07.12.2022 23.12.2022 05.01.2023 12.01.2023 06.02.2023 14.02.2023	10
भौतिक माध्यम द्वारा		
37वें एपीडा स्थापना दिवस पर तिरुवल्लुर जिले में किसानों/एफपीओ के लिए ट्राइफेड क्षमता निर्माण कार्यक्रम के साथ–साथ तिरुवन्नामलाई में आदिवासी उत्पादों के लिए क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई द्वारा निर्यात–उन्मुख पहुँच कार्यक्रम का आयोजन किया गया	20.09.2022 13.02.2023	2
अन्य		
खराब होने वाली वस्तुओं की सुचारू ढुलाई हेतु चेन्नई हवाई अड्डे पर उपलब्ध अवसंरचना सुविधा का आकलन करने के लिए चेन्नई हवाई अड्डे का दो बार दौरा किया गया।	21.11.2022 29.11.2022	2

कार्यक्रमः आरबीएसएम/बीएसएम/व्यापार मेले/कार्यशालाएं आदि

- एपीडा चेन्नई ने तमिलनाडु राज्य बागवानी विभाग के सहयोग से 17.05.2022 को कृष्णागिरी जिले में तमिलनाडु राज्य के आम किसानों के लिए पहली **आम खरीदार विक्रेता** बैठक का आयोजन किया। जिले और आसपास के आम किसानों ने आम की स्थानीय किस्मों का प्रदर्शन किया। बीएसएम के दौरान ''कृषि उत्पादों के निर्यात में एपीडा के अधिदेश सहित आम की खेती प्रथाओं पर पुस्तिका'' नामक एक पुस्तक का विमोचन किया गया।

- एपीडा ने आईसीएआर–एनआरसीबी के सहयोग से निर्यात अवसरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 21.12.2022 और 22.12.2022 तक त्रिची में ''जीआई और पारंपरिक केले के निर्यात'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया। शो के दौरान निर्यात संवर्धन के योग्य पारंपरिक और जीआई केले की कई उत्तम किस्में, मूल्य वर्धित केले के उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। कार्यशाला के दौरान "जीआई और पारंपरिक केले का निर्यात – वर्तमान परिदृश्य, व्यापार के अवसर और आगे का रास्ता" की पुस्तिकाएं तथा केले की मिठाइयाँ, केले की रेसिपी जैसी पैम्फलेट भी जारी की गईं।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- एपीडा, चेन्नई कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राज्य के विभागों जैसे तमिलनाडु कृषि विपणन बोर्ड (टीएनएसएएमबी), तमिलनाडु लघु कृषक कृषि व्यवसाय कंसोर्टियम (टीएनएसएफएसी), कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू), केवीके, कृषि विभाग, बागवानी विभाग और तमिलनाडु एमएसएमई के साथ मिलकर काम कर रहा है और विभागों के सहयोग से कई निर्यात संवर्धन कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।

समझौता ज्ञापन

- कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के हित में गतिविधियों में तालमेल में पारस्परिक रूप से काम करने के लिए एपीडा ने 26 अगस्त, 2021 को तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय (टीएनएयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ताकि किसानों की सहायता और अन्य हितधारकों के लिए बेहतर मूल्य, स्थिरता, गुणवत्ता और उत्पादन, जीएपी प्रमाणन, ट्रेसेबिलिटी लाया जा सके जिसके फलस्वरूप भारतीय कृषि उत्पादों को वैश्विक स्तर पर फैलाया जा सके।

अन्य

कृषि निर्यात नीति कार्यान्वयन (केला और पोल्ट्री क्लस्टर)

- **मलेशिया के लिए अंडे का परीक्षण शिपमेंट**– कुआलालंपुर में एचसीआई के माध्यम से मलेशियाई सरकार से प्राप्त अनुरोध के आधार पर, एपीडा और पशु संगरोध और प्रमाणन सेवाओं (एक्यूसीएस) ने प्रमाणन प्रक्रिया में तेजी लाई और नमक्कल, तमिलनाडु से मलेशिया तक ''अंडे की पहली शिपमेंट' की सुविधा प्रदान की। 14.12.2022 को तिरुचिरापल्ली हवाई अड्डे से लगभग 90000 अंडे हवाई मार्ग से ले जाए गए जो 15.12.2022 को मलेशिया पहुंचे।

- **थेनी से संयुक्त अरब अमीरात के लिए नेंद्रान केले** – एपीडा के सदस्य के रूप में पंजीकृत तमिलनाडु केला उत्पादक कं, लिमिटेड, एफपीओ ने निर्यात के लिए केले और सब्जियों के लिए मैसर्स केबी एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स, मुंबई के साथ एक समझौता किया। 07.10.2022 को समझौते के बाद, 12.4 मीट्रिक टन नेंद्रान केले, 3.4 मीट्रिक टन इलाक्की केले की पहली शिपमेंट थेनी में एपीडा पैक हाउस में संसाधित की गई और दुबई (यूएई) को निर्यात की गई।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (IYOM–2023) संबंधित गतिविधियां

- तमिलनाडु के निर्यातकों अर्थात मैसर्स पीवीआर फूड्स, मैसर्स नेटिव फूड्स, मैसर्स मिरेकल ट्री, मैसर्स ब्लिस ट्री, मैसर्स वीआरडी बेस्ट फूड्स, मैसर्स रेडियंस ग्लोबल और मैसर्स करियाकली अम्मन फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स श्रीवेन एग्रीटेक, मैसर्स श्रीवेन एग्रीटेक, मैसर्स सम मोर फूड्स ने नई दिल्ली में 05.12.2022 को आईवाईओएम 2023 – मिलेटरू स्मार्ट न्यूट्रिएटिव फूड कॉन्क्लेव के प्री लॉन्च इवेंट में अपने मिलेट उत्पादों का प्रदर्शन किया।

- **15.03.2023 को चेन्नई में डीजीएफटी के साथ मिलेट चाय का शुभारंभ** – डीजीएफटी, चेन्नई ने एपीडा के सहयोग से 15.03.2023 को चेन्नई में ''मिलेट'' को भविष्य के सुपर फूड के रूप में बढ़ावा देने के लिए निर्यात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम) 2023 को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में, चेन्नई के उद्यमियों में से एक सह निर्यातक श्री गुरु अभिषेक ने **''हेल्थ श्योर'' ब्रांड के तहत मिलेट चाय** पेश की।

  वित्त वर्ष 2022–23 (अप्रैल–मार्च) के दौरान तमिलनाडु और पुडुचेरी क्षेत्र से **1072 एफपीओ/उद्यमी/स्टार्ट–अप/महिला उद्यमी** एपीडा के साथ नए पंजीकृत हुए। क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई द्वारा 4914.68 (मिलियन मीट्रिक टन में) के लिए 196 आरसीएसी और 56844.49 मीट्रिक टन के लिए 2869 सीओई जारी किए गए थे।

16.5. गुवाहाटी और त्रिपुरा

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी की स्थापना 1997 में हुई थी। क्षेत्रीय कार्यालय त्रिपुरा की स्थापना जून 2022 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	4499.31 वर्ग फुट (अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम)
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्रीमती सुनीता राय, उप महाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	गैर बासमती चावल, मक्का, ताजे फल, ताजी सब्जियां, तैयार पशु फीडर, डेयरी उत्पाद, अनाज से तैयार चीजें आदि।

कार्य/पहल:

नए उत्पादों के रू–बरू नए बाजार

एपीडा ने पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ अनूठे उत्पादों पर विशेष ध्यान देने के साथ नए बाजारों के रू–बरू नए उत्पादों के शिपमेंट की सुविधा प्रदान की। इनमें से कुछ पहल इस प्रकार हैं–

- 28 अप्रैल 2022 को मुलायम कटहल, मात्रा 1.5 मीट्रिक टन, धुबरी जिला, असम से दुबई।
- तेजपुर लीची (जीआई), मात्रा 600 किलोग्राम सोनितपुर, असम से 13 जून 2022 को यूके के लिए।
- 24 अगस्त 2022 को जोहा चावल (जीआई), मात्रा 5 मीट्रिक टन असम से दुबई।
- 13 नवंबर 2022 को लाल चावल, मात्रा 2 मीट्रिक टन माजुली, असम से सिंगापुर।
- 26 नवंबर 2022 को मंदारिन संतरा (जीआई), मात्रा 6 मीट्रिक टन निचली दिबांग घाटी, अरुणाचल प्रदेश से कतर और दुबई के लिए।
- खासी मंदारिन संतरा (जीआई), मात्रा 1 मीट्रिक टन री–भोई, मेघालय से 1 दिसंबर 2022 को दुबई के लिए।
- खासी मंदारिन संतरा (जीआई), मात्रा 1 मीट्रिक टन पूर्वी खासी पहाड़ियों और दक्षिण गारो पहाड़ियों से 14 दिसंबर 2022 को अबू धाबी के लिए।
- खासी मंदारिन (जीआई), मात्रा 2 मीट्रिक टन, दक्षिण पश्चिम खासी पहाड़ियों, मेघालय से 15 दिसंबर 2022 को दोहा और बहरीन के लिए।

भौगोलिक संकेत(GI) उत्पाद संवर्धन

भौगोलिक संकेत (जीआई) उत्पाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा करते समय अपनी विशिष्टता और विशिष्ट विशेषता को दर्शाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण बन गए हैं। यह भारतीय मूल के उत्पादों को एक ब्रांड छवि भी देगा और उन्हें दुनिया भर में लोकप्रिय बनाएगा और इस संबंध में, एपीडा द्वारा प्रचार गतिविधियां निम्नानुसार की गईं:

- 31 मई 2022 को गुवाहाटी में जीआई उत्पादों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जीआई पर विशेषज्ञों ने जीआई की प्रमुख अवधारणाओं, पंजीकरण प्रक्रिया, प्रचार, पंजीकृत उपयोगकर्ता आदि पर प्रकाश डाला।
- 24 जून 2022 को गुवाहाटी में प्राकृतिक, जैविक और जीआई कृषि उत्पादों की निर्यात क्षमता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन। सम्मेलन के दौरान किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) और किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) को प्राकृतिक खेती पर एक प्रदर्शन तकनीक भी प्रदान की गई।
- 30 जून 2022 को गुवाहाटी में प्राकृतिक, जैविक और भौगोलिक (जीआई) कृषि–उत्पादों की निर्यात योग्य प्राकृतिक पैकेजिंग पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 19 मई 2022 को वियतनाम को असम की ऑर्थोडॉक्स चाय, सिक्किम की बड़ी इलायची, नागालैंड की राजा मिर्च और मणिपुर के काले चावल वाले जीआई उत्पाद।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

पूर्वोत्तर राज्यों में निर्यात जागरूकता कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित किए गए थे :–

- 18 मई 2022 को इंफाल, मणिपुर
- गंगटोक, सिक्किम 26 से 27 मई 2022 तक
- 31 मई 2022 को इंफाल, मणिपुर
- जून 2022 (वर्चुअल)
- 2022 15 जून, 2022 को गंगटोक, सिक्किम
- 2 अगस्त 2022 को अगरतला, त्रिपुरा
- 8 सितंबर 2022 को दक्षिण सलमारा, असम
- 8 सितंबर 2022 को धर्मनगर, त्रिपुरा
- 21 नवंबर 2022 (वर्चुअल)
- 07 दिसंबर, 2022 (वर्चुअल)
- 20 दिसंबर 2022 को आइजोल, मिजोरम
- 21 दिसंबर 2022 (वर्चुअल)
- 30 दिसंबर 2022 (वर्चुअल)
- 3 जनवरी 2023 को गुवाहाटी, असम
- 20 जनवरी 2023 (वर्चुअल)
- 13 फरवरी 2023 (वर्चुअल)
- 15 फरवरी 2023 (वर्चुअल)
- 22 फरवरी 2023 को अगरतला, त्रिपुरा
- 23 मार्च 2023 को धुबरी, असम
- मार्च 2023 को उदलगुड़ी, असम
- 28 मार्च 2023 को करीमगंज, असम

खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण

अगस्त 2022 में अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में खाद्य प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन पर दस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

- 1 मार्च से 3 मार्च 2023 तक आइजोल, मिजोरम में कोलासिब जिले के उद्यमियों के लिए कृषि आधारित–निर्यात पर उद्यमिता और कौशल विकास कार्यक्रम।
- 17 से 22 अक्टूबर 2022 तक इम्फाल, मणिपुर में फलों, सब्जियों और मसालों के मूल्य वर्धन पर छह दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।

खाद्य पैकेजिंग कार्यशालाएं

एपीडा ने दिए गए स्थानों पर ताजा और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की पैकेजिंग पर भारतीय पैकेजिंग संस्थान (आईआईपी) के साथ खाद्य पैकेजिंग कार्यशालाओं का आयोजन किया:

- 6 मई, 2022 को गुवाहाटी, असम।
- 3 जून 2022 को अगरतला, त्रिपुरा।
- 21 जुलाई, 2022 को गंगटोक, सिक्किम।
- 4 अगस्त 2022 को दीमापुर, नागालैंड।

पादप स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए विशिष्ट निर्यात प्रशिक्षण

एपीडा और राष्ट्रीय पादप स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद ने निम्नलिखित स्थानों पर ''पूर्वोत्तर राज्यों में कृषि और बागवानी वस्तुओं के निर्यात संवर्धन'' पर प्रशिक्षण का आयोजन किया:

- 13 मई, 2022 को गंगटोक, सिक्किम।
- 13 मई 2022 को खोवाई, त्रिपुरा।

- 17 मई, 2022 को शिलांग, मेघालय।
- 18 मई, 2022 को नागांव, असम।
- 19 मई 2022 को पूर्वी सियांग, अरुणाचल प्रदेश।
- 12 सितंबर 2022 को मणिपुर।
- 14 सितंबर 2022 को दीमापुर।
- 16 सितंबर 2022 को मिजोरम।

कार्यक्रमः आरबीएसएम/बीएसएम

अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (आरबीएसएम) और क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम): पूर्वोत्तर उत्पादों के लिए निर्यात अवसर खोलने के लिए, विभिन्न राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) और क्रेता विक्रेता बैठक (बीएसएम) का आयोजन किया गयाः

- 24 मई 2022 को ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश में आईबीएसएम।
- 18 अक्टूबर 2022 को गंगटोक, सिक्किम में आईबीएसएम।
- 19 मई 2022 को सोनितपुर, असम में बीएसएम।
- 24 नवंबर 2022 को आइजोल, मिजोरम में बीएसएम।
- 4 फरवरी 2023 को गुवाहाटी, असम में बीएसएम।
- 3 मार्च से 4 मार्च 2023 तक उखरूल, मणिपुर में बीएसएम।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय राज्य सरकारों के साथ निरंतर संपर्क में है और निम्नलिखित जिलों को निर्यात हब (डीईएच) हितधारक कार्यशाला के रूप में निम्नलिखित स्थानों पर सह–आयोजित किया हैः

- 14 जुलाई 2022 को तिनसुकिया जिले से नींबू और राजा मिर्च। गुवाहाटी, असम में जोरहाट से चाय और मिर्च के लिए।
- 14 जुलाई 2022 को आइजोल, मिजोरम में मिजो मिर्च, संतरा और एंथुरियम के लिए।
- 15 जुलाई 2022 को अनानास, चखाओ (काला चावल) के लिए, इम्फाल, मणिपुर में।
- 29 जुलाई 2022 को पूर्वी जयंतिया पहाड़ियों, मेघालय से मंदारिन संतरा के लिए।
- 28 सितंबर 2022 को नागालैंड के दीमापुर जिले से अनानास के लिए।
- 11 अक्टूबर 2022 को अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे से हल्दी, बड़ी इलायची और अदरक के लिए।
- 7 दिसंबर 2022 और 30 दिसंबर 2022 को पश्चिम त्रिपुरा, त्रिपुरा से अनानास, नींबू, बांस के लिए।

समझौता ज्ञापन

वर्ष 2022–23 के दौरान किसी नए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर नहीं किए गए। हालांकि, एपीडा और असम कृषि विश्वविद्यालय, जोरहाट, असम के बीच 10 मार्च 2022 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों के हिस्से के रूप में, असम के विभिन्न जिलों में प्रशिक्षण कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई थीः

- चिरांग, असम 2 से 4 अगस्त, 2022 तक।
- दरांग, असम 5 से 7 अगस्त, 2022 तक।
- दुधनोई, गोलपाड़ा, असम 8 से 10 अगस्त, 2022 तक।
- केवीके, सोनितपुर, असम 11 से 13 अगस्त 2022 तक।
- केवीके, लखीमपुर, असम 17 से 19 अगस्त 2022 तक।
- केवीके, डिब्रूगढ़, असम 2 से 4 मार्च 2023 तक।
- केवीके, शिवसागर, असम 6, 9 और 10 मार्च 2023 तक।
- केवीके, तिनसुकिया, असम 16 से 18 मार्च 2023 तक।
- एएयू–जेडआरएस, नागांव, असम 23 से 25 मार्च 2023 तक।
- एएयू–जोरहाट, असम 28 से 30 मार्च 2023 तक।

अन्यः उत्पाद विशिष्ट हस्तक्षेप

- एपीडा ने खाड़ी देशों में व्यापक स्वीकृति के लिए असम के अनानास को बढ़ावा देने के लिए 23 जुलाई 2022 को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में ''इन–स्टोर निर्यात संवर्धन'' कार्यक्रम का आयोजन किया। असम से अनानास के ''इन–स्टोर निर्यात संवर्धन'' का आयोजन दुबई के सबसे बड़े सुपरमार्केट समूह लुलु समूह के सहयोग से एपीडा की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में स्थानीय रूप से उत्पादित कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने की रणनीति के एक हिस्से के रूप में किया गया था। प्रदर्शित अनानास असम के कछार से खरीदे गए थे।
- एपीडा ने मणिपुर सरकार की मणिपुर ऑर्गेनिक मिशन एजेंसी (एमओएमए) के सहयोग से दुबई के सबसे बड़े सुपरमार्केट लुलु ग्रुप के साथ 3 सितंबर 2022 को मणिपुर के अनानास के लिए इन–स्टोर एक्सपोर्ट प्रमोशन शो का आयोजन किया। जैविक प्रमाणित अनानास इम्फाल पूर्व, मणिपुर से प्राप्त किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (IYOM–2023) संबंधित गतिविधियां

एपीडा ने गुवाहाटी, असम में 9 नवंबर 2022 को मिलेट निर्यात सह क्रेता विक्रेता बैठक पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यशाला में नाबार्ड, एनसीडीसी, ट्राइफेड, एनईडीएफआई, एक्जिम, कृषि, बागवानी, उद्योग और वाणिज्य विभाग, असम सरकार के राज्य अधिकारी, असम मिलेट मिशन में शामिल किसान, निर्यातक और उद्यमी शामिल हुए।

16.6. हैदराबाद

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद की स्थापना जुलाई 1997 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	1250 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्रीमती सुनीता राय, उप महाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	अनाज से तैयार खाद्य उत्पाद, गैर–बासमती चावल, भैंस का मांस, गुड़ और कन्फेक्शनरी, विविध खाद्य उत्पाद , मक्का, सब्जी के बीज, ताजा आम, खीरा (घर्किन), अनार और अनार के दाने, अंडा पाउडर, मोरिंगा चूर्ण, मिलेट उत्पाद, जैविक उत्पाद तेलंगाना राज्य से निर्यात किए जाने वाले प्रमुख उत्पाद हैं।

कार्य/पहलः

नए उत्पाद / नए बाजार

क्र.सं.	नया उत्पाद	नया बाजार
1	हिमशीतित पाम फल / आइस एप्पल (थाटी मुंजालु	अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया
2	इमली के कोमल पत्ते (चिंथा चिगुरु कोमल पत्ते)	अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया
3	सूखे अनार के दाने	स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया

जीआई उत्पाद संवर्धन – जीआई आम – बंगनपल्ली

आम के सीजन 2022 के लिए तेलंगाना क्षेत्र में आम उत्पादकों के लाभ के लिए 26 अप्रैल 2022 को हैदराबाद में तेलंगाना सरकार के बागवानी विभाग के साथ संयुक्त रूप से आम क्रेता विक्रेता बैठक आयोजित की गई।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 26 अप्रैल 2022 को मेसर्स यूनिवर्सल नर्सरी एक्सपोर्ट्स एंड इम्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड, कडियाम के नर्सरी निर्यातक को किंगडम ऑफ सऊदी अरेबिया को सजीव नर्सरी के निर्यात के लिए निर्देशित किया है और कृषि मंत्रालय, किंगडम ऑफ सऊदी अरेबिया से आयात परमिट लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवश्यक प्रमाण पत्र जारी किया है।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 29 जुलाई 2022 को ऑडिटोरियम, सीजीओ टावर्स, हैदराबाद में अ.जा/अ.ज.जा. कृषि उद्यमियों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया, ताकि अ.जा/अ.ज.जा.(SC/ST) कृषि उद्यमियों को स्टार्ट–अप नए कृषि निर्यात व्यवसाय में लाभ मिल सके।
- क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद ने 12 अगस्त 2022 को नए पंजीकृत सदस्य निर्यातकों के लिए जागरूकता (Sensitization) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। लगभग 15 निर्यातकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने बीईडीएफ के संयुक्त प्रयास से 7 अक्टूबर 2022 को निजामाबाद में सतत कृषि पर किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक में निजामाबाद और आदिलाबाद जिलों के 160 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। आईआईआरआर, कृषि विभाग, तेलंगाना सरकार के अधिकारियों को विशेषज्ञ व्यक्तियों के रूप में प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल किया गया था।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने किसान समूहों को निर्यात के लिए कीटनाशकों के उचित उपयोग, कीटनाशकों के उपयोग, धान में कीटनाशकों के एमआरएल स्तर और चावल के उत्पाद पर बीईडीएफ के समन्वय से किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने आईईसी कोड, एपीडा पंजीकरण, निर्यात प्रक्रियाओं और सूत्र विभागों की भागीदारी और निर्यात में उनकी भूमिका आदि पर एफपीओ में जागरूकता पैदा करने के लिए नाबार्ड, तेलंगाना के सहयोग से सिकंदराबाद में 26–12–2022 को एक कार्यशाला का आयोजन किया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 4–11–2022 को श्रीमती सुसीला चिंतला, सीजीएम, नाबार्ड, तेलंगाना के साथ एपीडा में निर्यातकों के रूप में एफपीओ के पंजीकरण के संबंध में एक बैठक की। बैठक के दौरान तेलंगाना राज्य में एफपीओ की स्थिति और निर्यातकों के रूप में एफपीओ को बढ़ावा देने के लिए कृषि और बागवानी उत्पादों के उत्पादन में उनकी क्षमता के बारे में चर्चा की गई।

अन्य

- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 9 मई 2022 को नोवोटेल होटल, विशाखापत्तनम में वाणिज्य सचिव, भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, श्री बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम, आईएएस की उपस्थिति में निर्यातकों के साथ इंटरैक्टिव मीटिंग का आयोजन किया जिसमें एपीडा के सदस्य निर्यातकों (फल और सब्जी निर्यातक, चावल निर्यातक, मांस निर्यातक और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यातक) ने भाग लिया।
- मलेशिया को मांस और मांस उत्पादों के निर्यात के लिए इकाइयों को मान्यता देने हेतु क्षेत्रीय कार्यालय हैदराबाद ने पाँच सदस्यीय मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ 18–21 मई 2022 को ऑनसाइट भौतिक निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने तेलंगाना में दो एकीकृत मांस प्रसंस्करण इकाइयों का दौरा किया/निरीक्षण किया। क्षेत्रीय कार्यालय ने इकाइयों के सुचारू ढंग से ऑडिट के लिए आवश्यक लॉजिस्टिक और अन्य व्यवस्थाओं की सुविधा प्रदान की।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष(आईवाईओएम–2023) संबंधित गतिविधियां

- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 20 जनवरी 2023 को सूर्यपेट, नलगोंडा में मिलेट प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित उत्पादों और मिलेट उत्पादों के निर्यात पर एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने 24 जनवरी 2023 को निजामाबाद में मिलेट की खेती, प्रसंस्करण और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों, विपणन, निर्यात पर एफपीओ/एसएचजी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने आईआईएमआर और न्यूट्रीहब के सहयोग से 08 फरवरी 2023 को वर्चुअल मोड में मिलेट आधारित स्टार्टअप और एफपीओ के लिए एक ओरिएंटेशन सत्र में एपीडा पंजीकरण और निर्यात लाइसेंसिंग पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

सीजीओ टावर्स, हैदराबाद में 29 जुलाई 2022 को निर्यात प्रक्रियाओं पर एससी/एसटी, कृषि उद्यमियों के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम

- क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद ने सीजीओ टावर्स, कावाडीगुडा, हैदराबाद के सभागार में एपीडा का 37वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर, क्षेत्रीय कार्यालय ने निर्यात बाजार में एफपीओ/एफपीसी, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों और निर्यातकों के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक का आयोजन किया है ताकि एफपीओ/एफपीसी, स्टार्टअप, उद्यमियों को प्रोत्साहित और प्रेरित किया जा सके। इस संबंध में, हमने सूत्र एजेंसियों के अधिकारियों को आमंत्रित किया है।

26 अप्रैल, 2022 को हैदराबाद में 2022 के आम के सीजन के लिए आम क्रेता विक्रेता बैठक

23–24 सितंबर, 2022 को हैदराबाद में एपीडा ने नेशनल न्यूट्री सीरियल कन्वेंशन 4.0 **(NNCC 4.0)** मे भाग लिया

16.8. जम्मू, श्रीनगर और लद्दाख

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय जम्मू की स्थापना फरवरी 2021 में हुई थी।** **क्षेत्रीय कार्यालय श्रीनगर की स्थापना मार्च 2021 में हुई थी।** **क्षेत्रीय कार्यालय लद्दाख की स्थापना नवंबर 2021 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	169.99 वर्ग फुट, 172.11 वर्ग फुट, 999.99 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	सुश्री विनीता सुधांशु, उपमहाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	खूबानी, कार्किचू सेब, काली गाजर, सेब, केसर, गाजर, शलजम, केल, मूली, कमल का तना, ब्रोकोली, लाल राजमा, छोटी रेड बीन्स, बादाम गिरी, अखरोट की गिरी, विभिन्न पुष्पों से एकत्रित शहद, बबूल शहद, अचार, जंगली वन शहद, केसर, बासमती चावल, मुश्कबुदजी चावल, कश्मीरी लाल मिर्च, केसर, केहवा।

कार्य/पहल:

नए उत्पाद/नए बाजार

- एपीडा ने लेह के खुबानी और कार्किचू सेब के लिए, भारत से सिंगापुर, मॉरीशस, वियतनाम और दुबई तक बाजार अभिगमन प्राप्त करने में सफलता हासिल की। एपीडा ने 50 साल के प्रतिबंध के बाद लद्दाख से खुबानी और सेब के निर्यात की सुविधा प्रदान की।
- सऊदी अरब के लुलु हाइपरमार्केट में कश्मीर की काली गाजर के साथ उत्तर भारतीय सब्जियों का प्रचार।
- श्रीनगर से संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के लिए काली गाजर और लाल स्वादिष्ट/कुल्लू स्वादिष्ट सेब की पहली संवर्धनात्मक खेप (शिपमेंट) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- सऊदी अरब को जीआई केसर और मिश्रित सब्जियों की पहली शिपमेंट की सुविधा प्रदान की।
- निर्यातक को श्रीनगर से सिंगापुर के लिए सेब का नमूना शिपमेंट शुरू करने की सुविधा प्रदान की।
- 2022 सीजन के दौरान पहली बार ताजा खुबानी (हलमन 90% और रक्स्टी कारपो 10% सहित) लद्दाख से विभिन्न देशों को 35 मीट्रिक टन ताजा खुबानी का निर्यात किया गया। सीजन 2022 के दौरान लद्दाख खुबानी का परीक्षण शिपमेंट सिंगापुर, मॉरीशस और वियतनाम जैसे देशों में भी हुआ।
- 2022 में 5 टन कार्किचू सेब का एक छोटा बैच पहली बार कारगिल के कार्किचू गांव से परीक्षण शिपमेंट के रूप में दुबई लुलु हाइपरमार्केट भेजा गया था।
- सितंबर, 2022 के दौरान केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर से संयुक्त अरब अमीरात के लिए सूखे लैवेंडर के शिपमेंट की सुविधा प्रदान की।
- जम्मू–कश्मीर से पहली बार बादाम का तेल, अखरोट का तेल और खुबानी का तेल सितंबर, 2022 में इस क्षेत्र से यूएई भेजा गया था।
- गाजर, शलजम, केल, मूली, कमल का तना, ब्रोकोली, लाल राजमा, पोनी रेड बीन्स, बादाम गिरी, अखरोट की गिरी, विभिन्न पुष्पों से एकत्रित शहद, बबूल शहद, अचार, जंगली वन शहद, केसर, बासमती चावल, मुश्कबुदजी चावल, कश्मीरी लाल मिर्च, केसर केहवा की शिपमेंट को यूएई में निर्यात किया गया।

जीआई उत्पादों का प्रचार

- जीआई केसर की पहली शिपमेंट सऊदी अरब के लिए।
- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रियाद में कश्मीर के जीआई टैग केसर का प्रदर्शन किया गया।

क्षमता निर्माण

- समग्र कृषि विकास कार्यक्रम (एचएडीपी) के तहत कृषि उत्पादन विभाग के आयुक्त सचिव की अध्यक्षता में जम्मू–कश्मीर राज्य सरकार की समिति ने ओडीओपी के लिए कार्रवाई योग्य निर्यात रिपोर्टधवित्तीय रोडमैप तैयार करने के लिए एपीडा को सदस्य के रूप में नामित किया है।

- एपीडा ने लद्दाख संघ शासित प्रदेश और जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश क्षेत्र से निर्यात उत्थान से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रमों / संगोष्ठी / कार्यशालाओं और सम्मेलनों के लिए धन प्रदान किया।
- 3.11.2022 को लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में उच्च मूल्य वाले फूलों की खेती के प्रबंधन पर 7 दिवसीय कार्यक्रम।
- 25.10.2022 को लेह में एफपीओ को निर्यातक बनाने के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम।

घटनाएं: आरबीएसएम/बीएसएम आदि

- एपीडा द्वारा 14 जून 2022 को कन्वेंशन हॉल, ड्रैगन होटल लेह में अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक का आयोजन लद्दाख से खुबानी और अन्य कृषि उत्पादों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने के लिए नए बाजार गंतव्य का पता लगाने और उनके पुनर्गठन के लिए किया गया था।
- एपीडा ने 28 दिसंबर 2022 को जम्मू के कन्वेंशन हॉल में और 20 मार्च 2022 को जम्मू के होटल रेडिसन में स्टेट डिपार्टमेंट जम्मू एंड कश्मीर हॉर्टीकल्चर एंड प्लानिंग मार्केटिंग के साथ जम्मू में क्रेता विक्रेता बैठक का सह–आयोजन किया।
- 9 जून 2023 को रेडिसन ब्लू श्रीनगर के कन्वेंशन हॉल में जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में एपीडा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय क्रेता विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया था। एफपीओ, एफपीसीएस, राज्य विभागों और राज्य विश्वविद्यालयों ने भाग लिया और जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के एपीडा पंजीकृत निर्यातक ने भी भाग लिया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- जम्मू और कश्मीर सरकार के उद्योग और वाणिज्य विभाग ने राज्य से निर्यात और निर्यात संबंधी गतिविधियों की समय–समय पर समीक्षा करने के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में कृषि निर्यात और कृषि हब पर कार्य समूह का गठन किया। एपीडा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर में कृषि निर्यात और कृषि केंद्रों का सदस्य है। एपीडा ने जिला निर्यात कार्य योजना को सुझाव एवं फीड बैक दिया।
- आयातक देशों में उत्पाद के सुचारू कामकाज के लिए निर्यातक के उत्पाद की निर्विघ्न गति और नमूना परीक्षण के लिए एपीडा वित्तीय सहायता प्राप्त आरसीआरक्यूए (अवशेष और गुणवत्ता विश्लेषण के लिए अनुसंधान केंद्र) प्रयोगशाला एसकेयूएएसटी–कश्मीर का निरीक्षण।
- 12.4.2023 को खूबानी के निर्यात के संबंध में केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के कृषि सचिव के साथ बैठक।

समझौता ज्ञापन

- एपीडा और शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- एपीडा और जेएंडके हॉर्टीकल्चरल प्रोड्यूस मार्केटिंग एंड प्रोसेसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

अन्य

- एपीडा ने केवीके अनंतनाग के सहयोग से उत्पाद को वैश्विक पुनर्गठन प्रदान करने के लिए विभिन्न निर्यातकों और एफपीओ को आमंत्रित करके मुश्कबुदजी सुगंधित चावल के संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा ने केवीके आर.एस. पुरा के सहयोग से क्षेत्र विस्तार द्वारा बासमती चावल के उत्पादन में वृद्धि के लिए एफपीओ को आमंत्रित करके बासमती चावल और गैर बासमती चावल के संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया।
- एपीडा ने कृषि विभाग, कश्मीर और फेयर एक्सपोर्ट्स के सहयोग से सऊदी अरब में फलों और सब्जियों को बढ़ावा दिया।
- लद्दाख में फूलों के उत्पादन की संभावनाओं का पता लगाने और उनका दोहन करने के लिए, एसकेयूएएसटी–कश्मीर के विशेषज्ञों को एपीडा द्वारा लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षण आयोजित करने की सुविधा मुहैया कराई गई ताकि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फूल उत्पादन और इसके विपणन के विस्तार की संभावनाओं का पता लगाया जा सके।

إنتاج الكشمير
PRODUCE OF
KASHMIR
INDIA
AIR FREIGHT
إنتاج الكشمير
PRODUCE OF
KASHMIR
INDIA
AIR FREIGHT

I
KASHMIR

16.9. कोच्चि

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय कोच्चि की स्थापना मई 2021 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	465 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	सुश्री सिमी उन्नीकृष्णन, सहायक महाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	2022–2023 में केरल से निर्यात किए गए प्रमुख उत्पादों में काजू (34%), गैर–बासमती चावल (12%), विविध तैयारी (8%), प्रसंस्कृत फल, रस और नट्स (7%), अन्य ताजे फल और सब्जियां (14%), अनाज निर्मित खाद्य पदार्थ (6%) आदि शामिल हैं। केरल के उत्पादों के प्रमुख गंतव्य जीसीसी देश हैं क्योंकि केरल इन देशों में सबसे अधिक प्रतिनिधित्व वाला राज्य है। संयुक्त अरब अमीरात लगभग 37% की हिस्सेदारी के साथ केरल से कृषि उत्पादों का प्रमुख गंतव्य है। संयुक्त अरब अमीरात के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (11%), सऊदी अरब (9%), कतर (8%), कुवैत (4%), ओमान (4%), यूके (4%), जापान (4%), स्पेन (3%), बहरीन (3%) आदि हैं।

कार्य/पहल:

क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने राज्य से निर्यात को बढ़ाने के लिए केरल में हितधारक परामर्श, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, जागरूकता (Sensitization) कार्यक्रम आदि जैसी कई गतिविधियों का आयोजन किया। क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने निर्यात–उन्मुख गतिविधियों को आयोजित करने के लिए कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग, वाणिज्य और उद्योग विभाग, केरल कृषि विश्वविद्यालय, नाबार्ड, एसएफएसी आदि जैसे राज्य के विभिन्न हितधारकों के साथ समन्वय किया। राज्य के एफपीओ को निर्यात प्रक्रियाओं के बारे में संवेदनशील बनाया गया है और निर्यातकों के रूप में जीआई उत्पादों, ताजे फल और सब्जियों, पोल्ट्री उत्पादों, मिलेट आदि से संबंधित एफपीओ के पंजीकरण की सुविधा प्रदान की। राज्य में अपने निर्यातोन्मुख उत्पादन को आगे बढ़ाने के लिए मिलेट्स (मिलेट) को निर्यात संवर्धन गतिविधियों में भी प्रमुखता दी गई है।

नए उत्पाद/नए बाजार

- ''छिलका रहित कटहल'' 29 अप्रैल 2022 को इडुक्की, केरल से ब्रिटेन में निर्यात किया गया था।
- केरल के कन्नूर से संयुक्त अरब अमीरात को जीआई टैग ''काइपद चावल और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों'' वाली पहली शिपमेंट 26 अक्टूबर 2022 को निर्यात की गई थी।
- 28 दिसंबर 2022 को मरयूर, इडुक्की, केरल से टोरंटो, कनाडा के लिए जीआई टैग वाले ''मरयूर गुड़'' की समुद्री शिपमेंट का निर्यात किया गया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने पाम संडे के विशेष अवसर के लिए यूरोपीय देशों को नारियल की कोमल पत्तियों के निर्यात को बढ़ावा दिया।

छिलका रहित कटहल

काइपाद चावल और इसके मूल्य वर्धित उत्पाद

जीआई उत्पादों का प्रचार

- अप्रैल 2022 में केरल के जीआई टैग वाले कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ, केरल कृषि विश्वविद्यालय के साथ बैठक आयोजित की गई थी।
- 28 दिसंबर 2022 को जीआई उत्पादकों और आईपीआर सेल, केएयू के साथ केरल के जीआई टैग वाले उत्पादों, यानी अट्टाप्पडी अट्टूकोम्बु अवारा अट्टापडी थुवारा, कंथल्लूर–वट्टावाडा वेलुथुल्ली और कोडुंगलूर पोट्टूवेल्लारी पर एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी, ताकि उनके उत्पादन के क्षेत्रों, उत्पादन क्षमता, हार्वेस्ट अवधि, मूल्य वर्धित उत्पादों और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में उनकी निर्यात संभावना का विश्लेषण करने के लिए अन्य पहलुओं की पहचान की जा सके।
- जीआई पोक्कली चावल, काइपद चावल और मरयूर गुड़ के नमूने 26 जनवरी 2023, गणतंत्र दिवस पर प्रचार के लिए भारतीय दूतावास कतर को प्रदान किए गए।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- 23 जून 2022 को केरल के नए पंजीकृत निर्यातकों के लिए एपीडा की भूमिका, पहल और वित्तीय सहायता योजना(FAS) 2021–22 से 2025–26 पर वर्चुअल जागरूकता (Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 6 अक्टूबर 2022 को नेफेड के साथ पंजीकृत केरल के एफपीओ के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई ताकि उन्हें निर्यातक के रूप में सुविधा प्रदान की जा सके।
- क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने 29 अक्टूबर, 2022 को मन्नुथी, त्रिशूर में नाबार्ड के तहत तैयार एफपीओ/एफपीसी के लिए ईएसएएफ द्वारा आयोजित सीबीबीओ केरल अध्याय प्रशिक्षण में एपीडा और निर्यात के बारे में एफपीओ/एफपीसी को अवगत कराया।
- 13 फरवरी, 2023 को एपीडा के 37वें स्थापना दिवस के अवसर पर सब्जी एवं फल संवर्धन परिषद, केरलम (वीएफपीसीके) के सहयोग से कोल्लम में एफपीओ/निर्यातकों/महिला उद्यमियों/स्टार्ट–अप के साथ क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि के अनुरोध के अनुसार, नाबार्ड ने 28 फरवरी, 7 और 9 मार्च को पूरे केरल के एफपीओ के लिए त्रिशूर, कासरगोड और त्रिवेंद्रम में एफपीओ के सुदृढ़ीकरण के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने भाग लिया और निर्यात अवसरों के बारे में एफपीओ को अवगत करवाया।

कार्यक्रमः आरबीएसएमए/बीएसएमए आदि

- केरल के निर्यातकों, आयातकों, किसानों, एफपीओ और एफपीसी के साथ एर्नाकुलम में 22 जुलाई 2022 को प्रदर्शनी के आयोजकों के साथ ''कटहल और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों पर निर्यात संवर्धन'' पर भी चर्चा की गई।
- केरल कृषि विश्वविद्यालय कृषि व्यवसाय इनक्यूबेटर (केएयू–आरएबीआई) के सहयोग से 10 मार्च 2023 को त्रिशूर में 6'चावल और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों पर प्रदर्शनी के साथ निर्यात संवर्धन और क्रेता विक्रेता बैठक'' का आयोजन किया गया।
- क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि ने कृषि विभाग, केरल सरकार के सहयोग से 24 मार्च 2023 को कोझीकोड में निर्यात संवर्धन अभियान का आयोजन किया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

केरल से मांस निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निदेशालय से सम्बद्ध अतिरिक्त निदेशकों, संयुक्त निदेशकों, उप निदेशकों और सहायक निदेशकों के साथ पशुपालन निदेशक, केरल सरकार की अध्यक्षता में 11 अगस्त 2022 को एक बैठक आयोजित की गई थी।

अन्य

- माननीय वाणिज्य सचिव, भारत सरकार ने 19 अगस्त 2022 से 21 अगस्त 2022 तक कृषि निर्यात की समीक्षा के लिए केरल का दौरा किया। यात्रा के दौरान, केरल से कृषि उत्पादों के निर्यात में उनके सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करने के लिए हितधारकों के साथ बैठक के साथ एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय, कोच्चि की समीक्षा आयोजित की गई थी।

- निर्यात से संबंधित लॉजिस्टिक्स समस्याओं की पहचान करने के लिए कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, कालीकट अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, तिरुवनंतपुरम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और कन्नूर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईएएल) जैसे हवाई अड्डों और कोचीन बंदरगाह, कोट्टायम बंदरगाह, बेपोर बंदरगाह और केरल के विझिंजम बंदरगाह जैसे प्रमुख बंदरगाहों का दौरा किया।
- कोच्चि में 10 नवंबर 2022 को संसदीय समिति के अध्ययन दौरे के दौरान एपीडा की समीक्षा आयोजित की गई थी। एपीडा अनुसूचित उत्पादों के आयात और निर्यात, हलाल प्रमाणन, भैंस के मांस के निर्यात और फल और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों पर चर्चा की गई।
- मध्य पूर्व में जीआई उत्पाद वझाकुलम अनानास के निर्यात के लिए समुद्री प्रोटोकॉल के विकास के तौर–तरीकों पर चर्चा करने के लिए 24 जनवरी 2023 को सब्जी और फल संवर्धन परिषद केरलम (वीएफपीसीके) और केएयू, त्रिशूर के साथ बैठक आयोजित की गई।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (IYOM–2023) संबंधित गतिविधियां

- मोटे अनाज (मिलेट के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 1 अगस्त 2022 को पलक्कड़ जिले में केरल सरकार के कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल (वर्चुअल) बैठक आयोजित की गई।
- 26 सितंबर 2022 को केरल सरकार के कृषि विकास और किसान कल्याण विभाग के सहयोग से केरल की मिलेट राजधानी अट्टापदी में मिलेट और उसके मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए क्षमता निर्माण और निर्यात संवर्धन का आयोजन किया गया था।
- 22 नवंबर, 2022 को मिलेट के निर्यात के अवसरों पर जानकारी देने के लिए केरल के मिलेट निर्यातकों के साथ आईवाईओएम 2023 की कार्य योजना के हिस्से के रूप में एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई थी।
- केरल से मिलेट सहित कृषि उत्पादों के निर्यात संवर्धन की रणनीति विकसित करने के लिए 27 फरवरी 2023 को एपीसी, केरल सरकार के साथ एक बैठक आयोजित की गई थी।

कोल्लम में एपीडा के स्थापना दिवस पर किसानों/एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम

एर्नाकुलम में कटहल और इसके मूल्य वर्धित उत्पादों का निर्यात संवर्धन

16.10. कोलकाता

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता की स्थापना मार्च 1996 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	980 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री संदीप साहा, सहायक प्रबंधक (एपीडा)
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	आम, मोम की परत वाला सेब, मिलेट, दार्जिलिंग संतरा, तरबूज,

कार्य/पहलः

नए उत्पाद/नए बाजार (फ्लैग–ऑफ कार्यक्रम):

क्र.सं.	नया उत्पाद	मूल	निर्यात गंतव्य
1	लीची	पश्चिम बंगाल	बहरीन
2	मोम की परत वाला सेब	पश्चिम बंगाल	बहरीन
3	बाबाधाम पेड़ा	झारखंड	बहरीन
4	दार्जिलिंग संतरा	पश्चिम बंगाल	बहरीन
5	मिलेट (कच्चा और मूल्यवर्धित)	उड़ीसा	संयुक्त अरब अमीरात
6	आम्रपाली आम	उड़ीसा	संयुक्त अरब अमीरात, रूस
7	मल्लिका आम	उड़ीसा	संयुक्त अरब अमीरात, रूस
8	पीला तरबूज	पश्चिम बंगाल	संयुक्त अरब अमीरात
9	पूसा अरुणिमा आम	पश्चिम बंगाल	रूस

जीआई उत्पादों का संवर्धनः

क्र.सं.	नया जीआई उत्पाद	मूल	निर्यात गंतव्य
1	दशहरी आम	उत्तर प्रदेश	बहरीन, बेल्जियम
2	जर्दालु आम	बिहार	बहरीन, बेल्जियम
3	खिरसापति आम	पश्चिम बंगाल	बहरीन
4	फजली आम	पश्चिम बंगाल	बहरीन
5	लक्ष्मणभोग आम	पश्चिम बंगाल	बहरीन, बेल्जियम
6	दल्ले खुरसानी (गोल मिर्च)	पश्चिम बंगाल	संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन

क्षमता निर्माणः

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	स्थान
1	अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	16.04.2022	मयूरभंज, उड़ीसा
		30.04.2022	रामगढ़, झारखंड
		05.08.2022	लोहरदगा, झारखंड
2	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम	23.04.2022	मोयना, पूर्व मेदिनीपुर
		20.05.2022	बनगांव, उत्तर 24 परगना
		23.06.2022	धुपगुड़ी, जलपाईगुड़ी, पश्चिम बगाल,
		25.06.2022	फलकता अलीपुरद्वार, पश्चिम बंगाल
		27.08.2022	कलिम्पोंग, पश्चिम बंगाल
		11.03.2023	गायघाट, उत्तर 24 परगना, प. बंगाल

क्र.सं.	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक	स्थान
3	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम (मिलेट केंद्रित)	26.07.2022	सुंदरगढ़, उड़ीसा
4	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुखी क्षमता विकास कार्यक्रम (चावल केंद्रित)	28.07.2022	संबलपुर, उड़ीसा
		24.08.2022	बारगढ़, उड़ीसा
		16.09.2022	बोलांगीर, उड़ीसा
5	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए परस्पर संवादात्मक (इंटरैक्टिव) सत्र सह शिविर	30.09.2022	मालदा, पश्चिम बंगाल
		21.10.2022	दक्षिण 24 उत्तर 24 परगना,
		01.11.2022	पश्चिम बंगाल परगना नादिया,
		02.11.2022	पश्चिम बंगाल
		19.11.2022	पश्चिम बंगाल जलपाईगुड़ी,
6	एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों के लिए आम की निर्यात योग्य किस्में, गुणवत्तापूर्ण उत्पादन पर संवादात्मक बैठक	08.10.2022	मयूरभंज, उड़ीसा
7	उड़ीसा मिलेट मिशन के साथ संयुक्त रूप से निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम (मिलेट केंद्रित)।	18.09.2023	कोरापुट, उड़ीसा
8	जनजातीय समुदाय के एफपीआ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए निर्यातोन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम सह क्रेता विक्रेता बैठक	10.12.2022	मिरिक, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
		11.12.2022	सितोंग, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल
9	बीईडीएफ के वित्तपोषण समर्थन के साथ निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम सह क्रेता विक्रेता संवादात्मक बैठक (मक्का केंद्रित)	24.12.2022	उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल
10	एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों के लिए मिलेट केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम	30.01.2023	गुमला, झारखंड
11	क्षमता विकास कार्यक्रम सह व्यापार बैठक	13.02.2023	रांची, झारखंड, कोरापुट और ढेंकनाल, ओडिशा
12	आम के निर्यात संवर्धन के लिए तैयारी बैठक	10.03.2023	मालदा, पश्चिम बंगाल
13	बीईडीएफ के वित्तपोषण समर्थन के साथ एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों (मिलेट केंद्रित) के लिए निर्यात जागरूकता(Sensitization) कार्यशाला	23.03.2023	लातेहार, झारखंड
14	पूर्वी क्षेत्र से व्यापार में फाइटोसैनिटरी मुद्दों	28.03.2023	कोलकाता, पश्चिम बंगाल

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- 29 अप्रैल, 2022 को, मालदा जिले से जीआई टैग किए गए आमों की निर्यात क्षमताओं पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई थी।
- 6 मई, 2022 को, आगामी आम के मौसम की शुरुआत में और मालदा से आम निर्यात की तैयारी की समीक्षा करने के लिए, जीआई टैग वाले आम और अन्य फलों और सब्जियों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा और सीआईएसएच–आईसीएआर द्वारा सीआईएसएच कार्यालय, मालदा जिले में एक ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई थी।
- 13 दिसंबर, 2022 को, एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता ने श्री प्रेम चंद्र चौधरी, आईएएस, निदेशक– कृषि और खाद्य उत्पादन, ओडिशा सरकार और उनके वरिष्ठ अधिकारियों की टीम के साथ कृषि भवन, भुवनेश्वर में बैठक की।

अन्य

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	प्रदर्शित उत्पाद	मूल	विदेश में प्रचार
1	13.06.2022 (7 दिन)	मैंगो फेस्ट	पूर्वी क्षेत्र से आम की 34 किस्में	पश्चिम बंगाल, झारखंड और उड़ीसा, बिहार, उत्तर प्रदेश	अल जजीरा समूह, बहरीन
2	17.06.2022 (6 दिन)	मैंगो मेनिया	पूर्वी क्षेत्र से आम की 6 किस्में	पश्चिम बंगाल, ओडिशा	ईओआई, ब्रुसेल्स, बेल्जियम
3	01.11.2022 (7 दिन)	इंडिया फेस्ट वीक	भारत के विभिन्न हिस्सों से मिठाई, अनाज निर्मित खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, किराने की वस्तुएं, ताजे फल और सब्जियां	पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड सहित भारत के विभिन्न हिस्सों	अल जजीरा समूह, बहरीन
4	08.06.2023 (8 दिन)	मैंगो फेस्ट	पूर्वी क्षेत्र से आम की 75 किस्में	पश्चिम बंगाल, ओडिशा	अल जजीरा समूह, बहरीन

- एपीडा के क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता ने फेडरेशन ऑफ नेपाल कॉटेज एंड स्मॉल इंडस्ट्रीज (एफएनसीएसआई), नेपाल के सहयोग से 12 अप्रैल 2023 को एक वर्चुअल (वर्चुअल) क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया, जिसमें मिलेट के आयातकों, निर्यातकों और एफपीओ ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम–2023) संबंधित गतिविधियां

देश विशिष्ट कार्य
भारतीय दूतावास, नेपाल के साथ बैठक

एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 के लिए तैयार

9 नवंबर 2022 को, एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता ने मिलेट और मूल्य वर्धित मिलेट उत्पादों के निर्यात संवर्धन के लिए रोड मैप तैयार करने के लिए भारतीय दूतावास, काठमांडू, नेपाल के साथ एक तैयारी बैठक का आयोजन किया।

ईओआई–काठमांडू के द्वितीय सचिव, महाप्रबंधक (एसबी)–एपीडा, वाणिज्यिक अटैची(Attache), ईओआई–काठमांडू, क्षेत्रीय प्रमुख (एसएस) – एपीडा क्षे.का. कोलकाता, बीडीएम (एसएम) सत्र में वर्चुअल रूप में शामिल हुए।

नेपाल के साथ क्रेता विक्रेता बैठक

15 दिसंबर 2022 को काठमांडू, नेपाल में भारतीय मिशन के सहयोग से एपीडा–कोलकाता ने अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष –2023 के लिए कृषि बैठक – एक कर्टेन रेजर का आयोजन किया।

बैठक की अध्यक्षता दूतावास के उप प्रमुख श्री प्रसन्ना श्रीवास्तव और एपीडा के निदेशक डॉ तरूण बजाज ने की।

राज्य विशिष्ट कार्य

1. उड़ीसा

- मिलेट निर्यात संवर्धन गतिविधियों को पूरा करने के लिए विकास आयुक्त और एपीसी, प्रधान सचिव, निदेशक और अतिरिक्त निदेशक, डीएएफई के साथ बैठक।
- हाइब्रिड मोड पर सुंदरगढ़ (उड़ीसा) में 26 जुलाई, 2022 को मिलेट केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 18 नवंबर, 2022 को कोरापुट(उड़ीसा) में उड़ीसा मिलेट मिशन के साथ संयुक्त रूप से निर्यात उन्मुख क्षमता विकास कार्यक्रम (मिलेट केंद्रित) आयोजित किया गया।
- उड़ीसा मिलेट निर्यात उन्मुख बैठक और पहली वाणिज्यिक खेप (शिपमेंट) का फ्लैग ऑफ समारोह।
- 24 जनवरी 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 की शुरुआत में, उड़ीसा मिलेट को पहली बार अपना नया अंतर्राष्ट्रीय गंतव्य मिला जब यह भुवनेश्वर, उड़ीसा से दुबई, संयुक्त अरब अमीरात तक अपनी यात्रा शुरू करने के लिए तैयार था।
- निर्यातकों को उत्पादकों से मिलने में सक्षम बनाने के लिए भुवनेश्वर में एक जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- विकास आयुक्त सह एपीसी की उपस्थिति में 1 मीट्रिक टन मिलेट अनाज और आटा (छह किस्में) की शिपमेंट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। महाप्रबंधक–नाबार्ड, संयुक्त निदेशक – कृषि, निदेशक– आईएमएजीई, एपीडा बोर्ड के सदस्य, राज्य समन्वयक– ओएमएम, प्रबंधक – डीईपीएम भी निर्यातकों, एफपीओ, किसानों आदि सहित लगभग 150 प्रतिभागियों के साथ राज्य के लिए भव्य क्षण के साक्षी बने।
- अंत में, एपीडा द्वारा 3 महीने के निरंतर प्रयासों, सहयोग और समन्वय के बाद, पहली खेप (शिपमेंट) अंततः निर्यात का आकार ले सकी।
- राज्य के मिलेट मिशन के तहत गठित एक महिला संचालित एफपीओ मेसर्स शक्तिमयी वार्ड मिशन शक्ति महासंघ द्वारा सामग्री एकत्र और पैक की गई थी।
- निर्यातक मैसर्स पाफ ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता ने दुबई, संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात किया। आयोजन के दौरान, निर्यातक ने उपज के लिए एफपीओ को भुगतान सौंप दिया। विकास आयुक्त ने 6 आरसीएमसी प्रमाण पत्र नए पंजीकृत एफपीओ जो निर्यातक बने, को सौंपे।

2. पश्चिम बंगाल

- एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता ने 10 नवंबर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष 2023 की शुरुआत में ''पश्चिम बंगाल से मिलेट और मिलेट आधारित मूल्य वर्धित उत्पादों की निर्यात संभावना'' पर एक वर्चुअल संवादात्मक बैठक(वर्चुअल इंटरैक्टिव मीटिंग) का आयोजन किया।
- डॉ. सस्वती बोस, महाप्रबंधक, एपीडा ने बैठक की अध्यक्षता की। राज्य के चावल और अन्य क्षेत्रों के लगभग 15 निर्यातकों ने बैठक में भाग लिया। यह मूल रूप से आने वाले दिनों में मिलेट पर बीएसएम और आरबीएसएम से पहले एक परिचयात्मक बैठक थी।

3. झारखंड

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने 30 जनवरी, 2023 को जिला गुमला (झारखंड) में एफपीओ/एफपीसी एवं प्रगतिशील किसानों के लिए मिलेट केंद्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- जिला गुमला मिलेट उत्पादन के लिए जाना जाता है, विशेष रूप से रागी के लिए।
- कार्यक्रम के आयोजन के पीछे का उद्देश्य एफपीओ/एफपीसी/प्रगतिशील किसानों को उनकी आजीविका की बेहतरी के लिए कृषि निर्यात व्यवसाय में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें एक निर्यातक के रूप में खुद को उन्नत करने के लिए प्रेरित करना था।
- इस कार्यक्रम में परियोजना निदेशक–एटीएमए, जिला कृषि अधिकारी, डीडीएम–नाबार्ड, निगरानी कार्यकारी– ओएफएजे, वैज्ञानिक– केवीके, कृषि विशेषज्ञ– बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, एपीडा पंजीकृत निर्यातकों, एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।
- बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सहयोग से एफपीओ/एफपीसी और प्रगतिशील किसानों (मिलेट केंद्रित) के लिए निर्यात जागरूकता (Sensitization) कार्यशाला का आयोजन बीईडीएफ के वित्तपोषण समर्थन से 23 मार्च, 2023 को लातेहार (झारखंड) में किया गया था।

क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता में मिलेट गैलरी:

16.11. मुंबई

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई की स्थापना दिसंबर 1990 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	4758.72 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री नागपाल लोहाकरे, उप महाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	भैंस का मांस, चावल, ताजे फल और सब्जियाँ (प्याज सहित), अनाज निर्मित खाद्य पदार्थ, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद

कार्य/पहलः

नए उत्पाद/नए बाजार

- मिस्र को गेहूं के निर्यात के लिए 11, 12 और 14 अप्रैल, 2022 तक जेएनपीटी बंदरगाह, एनपीपीओ कार्यालय और मध्य प्रदेश में मिस्र के प्रतिनिधिमंडलों की यात्रा का आयोजन किया।
- मलेशिया में भारत से ताजे आम के फलों के आयात के लिए फार्म, पैकिंग हाउस और उपचार केन्द्रों के लिए 01 जुलाई, 2022 से 7 जुलाई, 2022 तक मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का आयोजन किया।
- यूरोपीय संघ और अन्य देशों को भिंडी के निर्यात के लिए स्थापित निर्यात प्रमाणन प्रणाली को सत्यापित करने के लिए 11 से 17 दिसंबर, 2022 तक मुंबई, फल्टन (सतारा) और वापी (गुजरात) में ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल के दो (2) सदस्यों की यात्रा का आयोजन किया।
- इंडोनेशिया को प्याज के निर्यात के लिए अच्छी कृषि प्रथाओं (जीएपी) और अच्छी हैंडलिंग प्रथाओं (जीएचपी) के कार्यान्वयन के लिए प्याज के खेतों और पैकिंग हाउस, उत्पादन प्रणाली का क्षेत्र मूल्यांकन और समीक्षा करने के लिए 15 दिसंबर से 20 दिसंबर, 2022 तक महाराष्ट्र में इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का आयोजन और किया।
- मूंगफली में एफ्लाटॉक्सिन को नियंत्रित करने और यूरोपीय संघ के देशों को इसके निर्यात के लिए स्थापित प्रणाली का आकलन करने के लिए 13 से 22 मार्च, 2023 तक मुंबई, पुणे और गुजरात में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के तीन (3) सदस्यों की यात्रा का आयोजन किया।

जीआई उत्पादों का प्रचार

- एपीडा ने 26 मार्च, को मुंबई से जापान तक ताजा आमों के निर्यात की सीजन की पहली शिपमेंट की सुविधा प्रदान की। बेरीडेल फूड्स (ओपीसी) प्रा. लिमिटेड, एपीडा का एक पंजीकृत निर्यातक द्वारा अल्फांसो और केसर किस्मों के आमों का निर्यात मेसर्स लॉसन रिटेल चेन, जापान को किया गया था।
- समुद्र के रास्ते संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आमों का परीक्षण शिपमेंटः– एपीडा ने बीएआरसी(BARC) और एमएसएएमबी(MSAMB) के साथ मिलकर 04 जून 2022 को समुद्र के रास्ते अमेरिका के लिए 15.5 मीट्रिक टन केसर आमों के परीक्षण शिपमेंट की सुविधा प्रदान की। इसे एपीडा द्वारा अनुमोदित एमएसएएमबी पैकहाउस और विकिरण केंद्र, वाशी में संसाधित और विकिरणित किया गया था और एपीडा पंजीकृत सनप एग्रो एनिमल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्यात किया गया।

क्षमता निर्माण कार्यक्रम

- एपीडा मुंबई ने कृषि निर्यात और वित्तीय सहायता योजनाओं में एपीडा की भूमिका पर 16 जून, 2022 और 5 अगस्त, 2022 को महाराष्ट्र और गोवा के नए पंजीकृत निर्यातकों/उद्यमियों के लिए जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया।
- इसी प्रकार अनुसूचित उत्पाद के कृषि निर्यात संवर्धन में एपीडा की भूमिका के बारे में एफपीओ/एफपीसी के लिए 9 जनवरी, 2023 को जागरूकता (Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- एपीडा मुंबई ने 20 अक्टूबर, 2022 को महाराष्ट्र और गोवा के एफपीओएफपीसी के लिए वर्चुअल मोड के माध्यम से जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया ताकि उन्हें निर्यातक बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।
- एफपीओ/एफपीसी के संभावित निर्यातक बनने के लिए अभिसरण अभियान 5 नवंबर, 2022 को एपीडा ने एमएएचएएफपीओ–पुणे के सहयोग से आयोजित किया था।

- मैसर्स विकासगंगा समाजसेवी संस्था, यवतमाल, महाराष्ट्र के तहत पंजीकृत एफपीओ/एफपीसी के लिए 06 दिसंबर, 2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 06 फरवरी, 2023 को एपीडा क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई ने आईवाईओएम–2023 के उपलक्ष्य में महाराष्ट्र के मिलेट और मिलेट मूल्य वर्धित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एफपीओ/एफपीसी/स्टार्ट–अप निर्यातकों/महिला उद्यमी/प्रगतिशील किसानों के लिए जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया।

निर्यात संवर्धन कार्यक्रम/बीएसएम

- भारतीय दूतावास, कुवैत ने एपीडा और महरत्ता चौंबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्रीज एंड एग्रीकल्चर (एमसीसीआईए), भारत के सहयोग से 19 अप्रैल, 2022 को भारतीय आमों पर एक वर्चुअल क्रेता विक्रेता बैठक (वीबीएसएम) का आयोजन किया ताकि खुदरा एवं थोक बिक्री बाजार में कुवैत में भारतीय आमों के लिए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जा सके। उक्त कार्यक्रम में 500 से अधिक निर्यातकों और आयातकों ने भाग लिया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- एपीडा मुंबई ने इजरायल के दूतावास (मुंबई में इजरायल के आर्थिक और व्यापार मिशन) के साथ 25 अगस्त, 2022 को फसल कटाई के बाद की प्रौद्योगिकी पर एक रोड शो का आयोजन किया।
- एपीडा मुंबई ने नागपुर, महाराष्ट्र में फलों, सब्जियों और कृषि उत्पादों की निर्यात क्षमता के विषय पर 10 सितंबर 2022 को एक आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री. नितिन गडकरी जी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- एपीडा मुंबई ने एफपीओ/एफपीसी और महाराष्ट्र के निर्यातकों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए 15 सितंबर, 2022 को ट्राइफेड के साथ एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में लगभग 53 सदस्यों ने भाग लिया।
- क्षेत्रीय कार्यालय मुंबई ने ताजे फल एवं सब्जी (एफएफवी) के निर्यातकों के सामने आने वाली कठिनाइयों को समझने के लिए श्री यूके वत्स, महाप्रबंधक और सुश्री विनीता सुधांशु, उप महाप्रबंधक, एपीडा दिल्ली की अध्यक्षता में 04 जनवरी, 2023 को ताजे फल एवं सब्जी (एफएफवी) निर्यातकों के साथ वर्चुअल ''इंटरैक्टिव बैठक'' का आयोजन किया। बैठक में कुल 92 निर्यातकों ने भाग लिया। बैठक का कार्यवृत्त मुख्य कार्यालय को भेज दिया गया है।
- एपीडा ने एसोसिएटेड चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचौम), महाराष्ट्र राज्य विकास परिषद (एमएसडीसी) और नाबार्ड के सहयोग से 08 फरवरी, 2023 को नागपुर में कृषक उत्पादक संघ के साथ ''किसान वार्तालाप 2023 एफपीओ बैठक'' सत्र का आयोजन किया।
- एपीडा के 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एपीडा मुंबई ने 13 फरवरी, 2023 को मेसर्स सह्याद्री किसान उत्पादक कंपनी, डिंडोरी नासिक (एमएच) में एफपीओ/एफपीसी, सहकारी समितियों, स्टार्टअप, महिला उद्यमियों और निर्यातकों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम और व्यापार बैठक का आयोजन किया।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और बाद में की गई गतिविधियां

- भारत के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में इस क्षेत्र से निर्यात बढ़ाने में संयुक्त रूप से सहयोग करने के लिए 17 जुलाई 2022 को नागपुर, महाराष्ट्र में एपीडा और एग्रोविजन फाउंडेशन, नागपुर के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- 09 अक्टूबर 2021 को नागपुर, महाराष्ट्र में (एपीडा) और आईसीएआर–केंद्रीय सिट्रस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर–सीसीआरआई), नागपुर द्वारा भारत के माननीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी जी, डॉ एम अंगमुथु, आईएएस, एपीडा के अध्यक्ष और डॉ दिलीप घोष, निदेशक आईसीएआर–सीसीआरआई की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया। डॉ तरुण बजाज ने एपीडा की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

अन्य

- एपीडा मुंबई ने 19 अप्रैल से 20 अप्रैल, 2022 तक अरुणाचल प्रदेश के 16 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के महाराष्ट्र एक्सपोजर दौरे की व्यवस्था की, जिसमें राज्य सरकार के अधिकारी, निर्यातक और किसान शामिल थे। इस एक्सपोजर दौरे में निम्नलिखित सुविधाओं का दौरा किया गयाः–
  1. सब्जी प्रसंस्करण सुविधा (वीपीएफ) के लिए एमएसएएमबी द्वारा संचालित पैकहाउस
  2. वाष्प ताप उपचार सुविधा (वीएचटी)
  3. विकिरण सुविधा (Irradiation)
  4. पेरिशेबल कार्गो केंद्र (सीपीसी) – मुंबई
- एपीडा मुंबई ने कृषि में विकास के लिए महाराष्ट्र सरकार द्वारा की गई पहल को समझने के लिए 24–25 मई 2022 को श्री बीसी पाटिल जी, माननीय कृषि मंत्री, कर्नाटक सरकार और अधिकारी की मुंबई (महाराष्ट्र) यात्रा की सुविधा प्रदान की है।
- एपीडा मुंबई ने एमएसएएमबी और एनपीपीओ के साथ मिलकर आगामी सीजन में आम के निर्यात के लिए एमएसएएमबी द्वारा संचालित वीएचटी सुविधा की पुनः मान्यता प्राप्त करने हेतु18 अक्टूबर, 2022 को कृषि परामर्शदाता न्यूजीलैंड–सुश्री मेलानी फिलिप्स के दौरे की सुविधा प्रदान की।
- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक, प्रबंधक, प्रधान प्रबंधक, केंद्रीय एफएसओ, वरिष्ठ प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, तकनीकी अधिकारियों सहित 14 एफएसएसएआई अधिकारियों की एक टीम ने निर्यात संवर्धन में एपीडा की भूमिका को समझने के लिए 12 जनवरी 2023 को एपीडा मुंबई कार्यालय का दौरा किया।
- एपीडा मुंबई ने 16 जनवरी से 20 जनवरी, 2023 तक उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के 20 सदस्यों की महाराष्ट्र यात्रा की सुविधा प्रदान की, जिसमें निर्यातक और किसान शामिल थे। इस एक्सपोजर दौरे में निम्नलिखित सुविधाओं का

दौरा किया गयाः–

1. सब्जी प्रसंस्करण सुविधा (वीपीएफ) के लिए एमएसएएमबी द्वारा संचालित पैकहाउस
2. वाष्प ताप उपचार सुविधा (वीएचटी)
3. विकिरण सुविधा(Irradiation)
4. पेरिशेबल कार्गो केंद्र (सीपीसी) – मुंबई
5. मेसर्स सह्याद्री फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी, नासिक
6. मैसर्स हलकॉन सुविधा, नासिक

- संयुक्त निदेशक, उप निदेशक, सहायक निदेशक, प्रबंधक, प्रधान प्रबंधक, केंद्रीय एफएसओ, वरिष्ठ प्रबंधक, सहायक प्रबंधक, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी (एनआईपीएचटी) के तकनीकी अधिकारियों सहित 30 राज्य कृषि अधिकारियों की एक टीम ने निर्यात प्रोत्साहन में एपीडा की भूमिका को समझने के लिए 23 फरवरी 2023 को एपीडा मुंबई कार्यालय का दौरा किया।
- 17 और 18 तारीख को एपीडा मुंबई ने होर्टिनेट ट्रेसेबिलिटी सिस्टम में आम के खेतों के पंजीकरण के लिए कृषि विभाग, गोवा के राज्य अधिकारियों के लिए जागरूकता(Sensitization) प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। गोवा राज्य कृषि विपणन बोर्ड (जीएसएएमबी) के अधिकारियों को पोंडा क्षेत्र–गोवा में सामान्य अवसंरचना सुविधा के निर्माण के लिए एपीडा के वित्तीय सहायता योजना(FAS) के बारे में भी जागरूक किया गया। जीएसएएमबी ने प्रस्ताव दिया कि आगामी एमओपीए हवाई अड्डे को विभिन्न देशों में एफएफवी उत्पादों के निर्यात के लिए गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र आदि के निर्यातकों के लिए कृषि निर्यात संबंधी सेवाएं प्रदान करने के लिए संबन्धित स्थान का लाभ मिल सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम–2023) संबंधित गतिविधियां

- आईवाईओएम 2023 का जश्न मनाने के लिए, एपीडा मुंबई ने अहमदनगर (महाराष्ट्र) से दुबई तक एक किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) मैसर्स पीएच फार्मर कंपनी (300 से अधिक किसानों वाले) से जुड़ी महाराष्ट्र स्थित महिला उद्यमी कंपनी (मेसर्स समृद्धि एग्रो ग्रुप) द्वारा दुबई के लिए पहली वाणिज्यिक निर्यात खेप(शिपमेंट) (1 मिलियन टन मिलेट मूल्य वर्धित उत्पाद यानी ज्वार,रागी और रवा) के लिए एक फ्लैग ऑफ समारोह आयोजित किया।

16.12. वाराणसी

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी की स्थापना दिसंबर 1920 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	1400 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	डॉ. सी.बी. सिंह, उप महाप्रबंधक
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	**उत्तर प्रदेश** – आम, अमरूद, पपीता, जिमीकंद, कटहल, हरी मिर्च, भिंडी, कुंदरु, अन्य ताजी सब्जियां, मूंगफली, गैर बासमती चावल, बासमती चावल, मोटा अनाज (मिलेट), गेहूं, मांस और मांस उत्पाद आदि। **उत्तराखंड** – आम, आड़ू, लीची, ताजी सब्जियां, बासमती चावल, गैर बासमती चावल, गेहूं, मिलेट, जैविक उत्पाद आदि। **बिहार** – मखाना, आम, लीची, अन्य ताजी सब्जियां, गैर बासमती चावल, मोटा अनाज (मिलेट), मक्ध्का, मांस और मांस उत्पाद आदि।

कार्य/पहलः

नए उत्पाद / नए बाजार

- मिर्जापुर, बलिया, जालौन, भदोही आदि से ताजा सब्जी निर्यात।
- मिर्जापुर (यूपी) से सेनेगल भेजे गए गैर–बासमती चावल का पूर्ण कार्गो रेल रैक।
- लखीमपुर (लखनऊ से) का ईरान को केला निर्यात।
- आगरा और फर्रुखाबाद से आलू का निर्यात।
- बिजनौर और कानपुर से गुड़।
- जर्दालु आम का भागलपुर (वाया वाराणसी) से निर्यात।
- पूर्णिया से मक्का का निर्यात।
- देहरादून से ताजा आम और शहद आदि की खेप(शिपमेंट) का निर्यात।
- देहरादून से राजमा का निर्यात।
- हरिद्वार से ताजा सब्जी का निर्यात।
- हरिद्वार से हिमालयी बकरे के मांस का निर्यात
- उत्तराखंड से जैविक उत्पाद निर्यात।
- उत्तराखंड से मिलेट निर्यात।
- एलबीएसआई हवाई अड्डे से खेप(शिपमेंट) का समन्वय – 22 मई के महीने में, कृषि शिपमेंट के निर्यात में एलबीएसआई हवाई अड्डे पर कई बाधाओं की पहचान की गई थी। एपीडा – वाराणसी ने सभी हितधारकों के साथ आयोजित वर्चुअल बैठक की निगरानी की है। अब नियमित रूप से अच्छी संख्या में एलबीएसआई हवाई अड्डे से निर्यात किया जा रहा है।
- दिनांक 18.06.2022 को वाराणसी से दोहा को 2400 किलोग्राम मिश्रित सब्जियों की शिपमेंट निर्यात की गई है। वाराणसी से दोहा को निर्यात की गई मिक्स सब्जी की यह पहली खेप(शिपमेंट) थी।
- 05.08.2022 को, एपीडा ने देहरादून – उत्तराखंड से ताजा आम, शहद और राजमा के निर्यात के लिए एक फ्लैग–ऑफ समारोह का आयोजन किया।
- 06.09.2022 को, एपीडा, वाराणसी ने चुनार, मिर्जापुर से शारजाह, संयुक्त अरब अमीरात के लिए 4.5 मीट्रिक टन ताजी सब्जी के एक फ्लैग ऑफ समारोह का समन्वय और आयोजन किया है। इस खेप(शिपमेंट) को माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खेप(शिपमेंट) के लिए उपज चुनार के स्थानीय किसानों से ली गई थी।
- एपीडा ने जिला प्रशासन के सहयोग से 06.11.2022 को बलिया से कतर को ताजी सब्जियों के पहले निर्यात के लिए एक फ्लैग ऑफ समारोह का आयोजन किया। खेप(शिपमेंट) को उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी

आदित्यनाथ जी द्वारा हरी झंडी दिखाई गई। खेप(शिपमेंट) 1.2 मीट्रिक टन मिश्रित सब्जियों से भरा हुआ था।

- दिनांक 18.01.2023 को, प्रगति देखने के लिए, माननीय कृषि मंत्री, उत्तर प्रदेश ने एलबीएसआई हवाई अड्डे के कार्गो क्षेत्र का दौरा किया, जहां माननीय मंत्री जी की उपस्थिति में शारजाह को सब्जियों का निर्यात किया गया। दिनांक 13.02.2023 को 37वें एपीडा, स्थापना दिवस के अवसर पर एपीडा, वाराणसी ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम के दौरान क्रेता–विक्रेता बैठक का आयोजन किया।

जीआई उत्पादों का प्रचार

- दिनांक 15.05.22 को 5 जर्दालू आम के बाग का क्षेत्रीय दौरा किया गया और खेत(फार्म)पर जर्दालू आम उत्पादकों और निर्यातकों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया गया।
- 16.05.22 को, एपीडा ने शाही लीची के बाग का एक क्षेत्रीय दौरा किया और फार्म गेटपर शाही लीची उत्पादकों और निर्यातकों के बीच संवाद सत्र आयोजित किया।
- दिनांक 06.05.2022 को मुजफ्फरपुर स्थित शाही लीची के खेत (फार्म)पर एक यात्रा का आयोजन किया गया। शाही लीची एक जीआई टैग वाली उपज है और परिपक्वता के समय गूदे,स्वाद और रूप की समृद्धता के लिए प्रसिद्ध है।
- दिनांक 01.08.2022 को एक संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, उत्पादकों ने साझा किया कि इस चालू वर्ष में उत्पादक पहले से ही एक पिछड़ी आपूर्ति श्रृंखला(Backward supply chain) के रूप में जर्दालु आम निर्यात में शामिल हैं और कृषि–निर्यातक के रूप में सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ना चाहते हैं।
- भागलपुर से जर्दालू आम को वाराणसी के रास्ते लंदन के लिए समन्वित एवं निर्यात किया गया। उपज सीधे खेत (फार्म)से खरीदी गई हैं।

क्षमता निर्माण

- दिनांक 05.05.2022 को एपीडा वाराणसी ने प्राचार्य, मंडन भारती कृषि महाविद्यालय, अगवानपुर, सहरसा बिहार की अध्यक्षता में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम के बाद मृदा वैज्ञानिक द्वारा मृदा परीक्षण पर एक क्षेत्र दौरा और परीक्षण के लिए मिट्टी एकत्र करने के तरीके पर डेमो सत्र का प्रदर्शन किया गया।
- 05.05.2022 को, स्थानीय प्रशासन से प्राप्त अनुरोध के बाद, एपीडा ने जौनपुर जिले के एफपीओ के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक की अध्यक्षता जौनपुर के सीडीओ श्री अनुपम शुक्ला ने की।
- 02.06.2022 को उत्तराखंड सरकार के सहयोग से एपीडा ने उत्तराखंड सरकार के बागवानी विभाग के अधिकारियों के लिए 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तराखंड के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी जी ने की।
- एपीडा, वाराणसी ने 21.06.2022 से 27.06.2022 के बीच भारत से कृषि निर्यात पर विशेषज्ञ वार्ता पर पांच दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया है।
- 07.07.2022 को, एपीडा वाराणसी ने मिर्जापुर और सोनभद्र जिले के एफपीओ के खेत(फार्म)पर एफपीओ के लिए दो प्रशिक्षण सह जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किए।
- 13.07.2022 को, एपीडा ने राज्य कृषि विभाग यूपी सरकार के सहयोग से बलिया उत्तर प्रदेश में एक जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 14.07.2022 को, एपीडा ने कृषि विज्ञान केंद्र (गोरखपुर) के सहयोग से गोरखपुर उत्तर प्रदेश में एक जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया। केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विपणन और कृषि विदेश व्यापार विभाग के अधिकारियों आदि ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- 16.07.2022 को, एपीडा ने यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड (यूपीएल) के सहयोग से वाराणसी क्षेत्र के एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 100 से अधिक एफपीओ और किसानों ने भाग लिया।
- 16.07.2022 को, एपीडा, वाराणसी ने यूनाइटेड फॉस्फोरस लिमिटेड (यूपीएल) के सहयोग से वाराणसी क्षेत्र के एफपीओ के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 23.07.2022 को संत रविदास नगर में एफपीओ के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 27.07.2022 को, एपीडा, वाराणसी ने कृषि विज्ञान केंद्र, मऊ में एफपीओ के लिए एक प्रशिक्षण सह जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम के दौरान, मऊ के बागवानी विभाग के अधिकारी और केवीके से वैज्ञानिक उपस्थित थे।

- 28.07.2022 को, पूर्वांचल क्षेत्र से कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा, वाराणसी ने कमला नेहरू कृषि विज्ञान केंद्र, सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश में एफपीओ के लिए एक प्रशिक्षण सह जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया है। कार्यक्रम के दौरान बागवानी विभाग के अधिकारी और, केवीके, सुल्तानपुर के वैज्ञानिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में 30 से अधिक एफपीओ के निदेशकों, सीईओ, सदस्यों और कृषि व्यापारियों ने भाग लिया और लाभान्वित हुए।
- 28.07.2022 को, कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने और जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए एपीडा, वाराणसी ने फार्म, पांडीपुरा, प्रतापगढ़ में एफपीओ के लिए एक जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया है।
- 02.08.2022 को, बिहार राज्य से कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीडा वाराणसी ने सहरसा, बिहार के एफपीओ के खेत(फार्म) पर एफपीओ के लिए प्रशिक्षण सह जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया।
- 04.08.2022 को, पूर्वांचल क्षेत्र से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, आजमगढ़ एफपीओ निदेशकों के साथ एपीडा, वाराणसी कार्यालय में एक बैठक हुई है।
- 10.08.2022 को, बिहार राज्य से कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीडा, वाराणसी ने केवीके, आरा के सहयोग से एफपीओ के लिए जागरूकता(Sensitization) सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। यह कार्यक्रम कृषि विज्ञान केंद्र, आरा, बिहार में आयोजित किया गया था और 35 से अधिक एफपीओ निदेशकों/सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया और लाभान्वित हुए।
- 06.09.2022 को, एपीडा, वाराणसी ने मिर्जापुर से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जी की अध्यक्षता में और संयुक्त सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय एवं अध्यक्ष, एपीडा की गरिमामय उपस्थिति में किया। कार्यक्रम में डीएम मिर्जापुर, एसडीएम, राज्य बागवानी/कृषि विभाग, नाबार्ड, केवीके, आईआईवीआर, आईआरआरआई आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- 23.09.2022 को, एपीडा ने एफपीओ के लिए केंद्रित एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। क्षमता निर्माण कार्यक्रम की अध्यक्षता वाराणसी मंडल के मंडलायुक्त ने की।
- 26.09.2022 को, एपीडा ने बलिया जिले के एफपीओ के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी बलिया ने सीडीओ बलिया की उपस्थिति में की। कार्यक्रम में 50 से अधिक एफपीओ और उनके सदस्यों ने भाग लिया।
- 26.09.2022 से 30.09.2022 तक, बिहार और उत्तर प्रदेश से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एपीडा, वाराणसी ने नैबकॉन्स के साथ एफपीओ/किसानों को जागरूक बनाने, उन्हें वैश्विक कृषि व्यापार आदि के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम आयोजित किया। जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम भागलपुर, दरभंगा, मुजफ्फरपुर (बिहार) और बस्ती, जौनपुर (उत्तर प्रदेश) में आयोजित किए गए थे।
- दिनांक 26.09.2022 को, एपीडा ने बलिया जिले के एफपीओ के लिए एक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीओ बलिया की उपस्थिति में जिलाधिकारी बलिया द्वारा की गई। कार्यक्रम में 50 से अधिक एफपीओ और उनके सदस्यों ने भाग लिया।
- दिनांक 08.10.22 को एपीडा, वाराणसी ने नए कृषि उत्पादों में भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए वाराणसी मंडल और मिर्जापुर मंडलों के कृषि–निर्यातकों और एफपीओ के साथ एक बैठक का आयोजन किया है।
- बलिया से कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 09.10.22 को अधिकारियों और एफपीओ के साथ एक बैठक हुई। बलिया का दौरा माननीय मुख्यमंत्री जी के बलिया में आगामी दौरे के कारण हुआ।
- एपीडा ने एनआईपीएचएम और केवीके के सहयोग से बिहार के कैमूर, औरंगाबाद और आरा जिलों में एसपीएस, टीबीटी, उपायों, जीएपी और खाद्य सुरक्षा पर 26 से 29 दिसंबर 2022 तक 3 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। प्रत्येक प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 60 एफपीओ और किसानों ने भाग लिया।
- 06.01.2023 को, एपीडा, वाराणसी ने उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के लिए जिला मजिस्ट्रेट, जालौन की गरिमामय उपस्थिति में एक वर्चुअल हितधारक बैठक का आयोजन किया है। बैठक में बागवानी, कृषि विभाग, केवीके के अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया।
- 18.01.2023 को, एपीडा ने बिहार कृषि प्रबंधन और प्रशिक्षण संस्थान (बीएएमईटीआई) के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय निर्यात से संबंधित सरकारी योजनाओं और लाइसेंस पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, बीएएमईटीआई ने की और लगभग 100 एफपीओ, कृषि–निर्यातकों और प्रगतिशील किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- 30.01.2023 को, एपीडा ने ग्रामीण फाउंडेशन के सहयोग से केवीके वाराणसी में एफपीओ के लिए एक जागरूकता(Sensitization) कार्यक्रम का आयोजन किया। सत्र में पूर्वांचल क्षेत्र के 14 जिलों के एफपीओ ने भाग लिया। 25 से अधिक एफपीओ सह निर्यातकों के मुद्दों/चुनौतियों पर ध्यान दिया गया।
- 30.01.2023 को, एपीडा ने बागवानी विभाग, जौनपुर के सहयोग से कृषि–निर्यात में अवसरों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीओ, जौनपुर ने की और लगभग 50 एफपीओ, कृषि–निर्यातकों और प्रगतिशील किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- 31.01.2023 को, एपीडा ने बागवानी विभाग, वाराणसी के सहयोग से बागवानी परिसर, वाराणसी में कृषि–निर्यात में अवसरों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप निदेशक, बागवानी विभाग, वाराणसी ने की और लगभग 50 एफपीओ, कृषि–निर्यातकों और प्रगतिशील किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- 31.01.2023 को, एपीडा ने बागवानी विभाग, चंदौली के सहयोग से कृषि–निर्यात पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, चंदौली में किया गया और 35 से अधिक एफपीओ निदेशकों/सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया और लाभान्वित हुए।
- 13.02.2023 को एपीडा, वाराणसी ने 37वें एपीडा स्थापना दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कृषि–निर्यात क्षमता निर्माण कार्यक्रम और बी2बी का आयोजन किया। वाराणसी के कमिश्नर सभागार में पद्मश्री, डॉ. रजनीकांत (जीआई विशेषज्ञ) की गरिमामयी उपस्थिति में वाराणसी मंडल के मंडलायुक्त की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 23.02.23 को एपीडा, वाराणसी द्वारा कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार (नोडल एजेंसी यूपी एईपी), वाराणसी मंडल, वाराणसी उ.प्र. के सहयोग से एक दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 14.03.2023 को, एपीडा ने कृषि विपणन और कृषि विदेश व्यापार निदेशालय (एईपी यूपी के लिए नोडल विभाग) के सहयोग से आगरा, उ.प्र. में एईपी के माध्यम से कृषि निर्यात के प्रचार और प्रसार के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- 16.03.2023 को, एपीडा ने कृषि विपणन और कृषि विदेश व्यापार निदेशालय (एईपी यूपी के लिए नोडल विभाग) के सहयोग से गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में मंडलायुक्त, गोरखपुर की अध्यक्षता में एईपी के माध्यम से कृषि निर्यात के प्रचार और प्रसार के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया।

हितधारकों के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में एपीडा, वाराणसी की सक्रिय भागीदारी

- दिनांक 23.08.2022 को एपीडा, वाराणसी कार्यालय में भभुआ, बिहार स्थित एफपीओ निदेशकों और प्रगतिशील किसानों के साथ एक भौतिक बैठक हुई है। एफपीओ ने साझा किया कि उन्हें भभुआ में हर घर तिरंगा कैंपेन के दौरान एपीडा के बारे में पता चला।
- 23.08.2022 को, पटना में एपीडा और पीएचडीसीसीआई द्वारा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम खाद्य प्रसंस्करण के उभरते क्षेत्र और निर्यात में इसके अवसरों पर केंद्रित था। नाबार्ड, इन्वेस्ट इंडिया, सीआईएमपी (संस्थान) और राज्य सरकार के विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।
- 25.08.2022 को, एपीडा, वाराणसी कृषि विपणन और कृषि विदेश व्यापार निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा एक वर्चुअल एफपीओ/एफपीसी और निर्यातक सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- दिनांक 06.09.2022 को एपीडा ने चुनार मिर्जापुर में ''सरदार वल्लभ भाई पटेल निर्यात सुविधा केंद्र'' का स्थापना समारोह आयोजित किया। आधारशिला श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी, (माननीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री, भारत सरकार), संयुक्त सचिव, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय और एपीडा के अध्यक्ष द्वारा रखी गई थी।
- दिनांक 09.09.2022 को आजमगढ़ स्थित एफपीओ के साथ एक बैठक हुई। बैठक के दौरान, एपीडा के अधिकारी ने कृषि–निर्यात से संबंधित वांछित जानकारी से अवगत करवाया।
- 27.09.2022 को, एपीडा, वाराणसी ने लखनऊ क्षेत्र के एफपीओ के साथ आर–फ्रैक कैंपस लखनऊ में कृषि–निर्यातक के रूप में उन्हें बढ़ावा देने के लिए एक वार्ता सत्र का आयोजन किया। बैठक में 12 से अधिक एफपीओ ने भाग लिया। डीजीएफटी पर आईईसी के लिए प्रारंभिक पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है।
- एपीडा ने कृषि निर्यातक के रूप में एफपीओ को बढ़ावा देने के संबंध में कृषि विज्ञान केंद्र कैमूर में एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। बैठक में केवीके के साथ कैमूर जिले के 5 से अधिक एफपीओ ने भाग लिया।

कार्यक्रमः आरबीएसएम/बीएसएम आदि

- पूर्वांचल क्षेत्र के एफपीओ और मुंबई में वीएएफए के बीच क्रेता विक्रेता बैठक का आयोजन किया गया।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- 19.04.2022 को, एपीडा अधिकारी ने जिला और विभागीय अधिकारियों के साथ एक बातचीत बैठक आयोजित की। बातचीत में हॉर्टिनेट के तहत किसानों के पंजीकरण, अभ्यास पैकेज के कार्यान्वयन, लेबल क्लेम, अनुशंसित निर्यात आवश्यकता और इसके प्रोटोकॉल आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- दिनांक 20.04.2022 को केंद्रीय कीट प्रबंधन केंद्र संस्थान और पादप संगरोध के क्षेत्रीय कार्यालय के साथ एक संवाद बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान चर्चा का प्रमुख क्षेत्र कृषि निर्यात के लिए फाइटोसैनिटरी प्रमाणन जारी करना था।
- 20.04.2022 को, निर्यात अवसर पर चर्चा करने के लिए, एपीडा अधिकारी ने उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की थी। विशिष्ट संभावित उत्पाद (ताजे फल और सब्जियां) के निर्यात के लिए एक वार्षिक निर्यात योजना विकसित की गई थी।
- उत्तर प्रदेश फ्लोरीकल्चर मिशन शुरू करने के लिए लखनऊ में दिनांक 09.05.2022 को मुख्य सचिव - उ.प्र. सरकार के साथ एक वार्ता बैठक हुई।
- 23.05.2022 को एपीडा, वाराणसी कार्यालय में आईआईपी, मुंबई के अधिकारियों के साथ एक बातचीत बैठक हुई। बैठक के दौरान अधिकारियों ने चुनार, मिर्जापुर में आईआईपी परियोजना की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की।
- चुनार–मिर्जापुर में भारतीय पैकेजिंग संस्थान के केंद्र की स्थापना के लिए दिनांक 08.04.2022 को एपीडा द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार जिला प्रशासन – मिर्जापुर द्वारा 5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। प्रस्तावित भूमि के सर्वेक्षण की आवश्यकता पर विचार करते हुए, एपीडा अधिकारी के साथ आईआईपी अधिकारियों ने चुनार – मिर्जापुर का दौरा किया। आईआईपी ने एपीडा से आस–पास के क्षेत्र में उपलब्ध उद्योगों का विवरण मांगा।
- एपीडा वाराणसी जमीन खरीद के लिए लगातार जिला प्रशासन मिर्जापुर के संपर्क में है। भूमि खरीदने के लिए राशि स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रदान किए गए खाते में स्थानांतरित कर दी गई है। भूमि अधिग्रहण के संबंध में जिला प्रशासन के जवाब की प्रतीक्षा की जा रही है।
- पूर्वांचल, उत्तर प्रदेश के 5 जिलों में 5 कृषि–निर्यात संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन पर नैबकॉन्स टीम के साथ दिनांक 15.06.2022 को एक ऑनलाइन बैठक हुई है। संबंधित जिलों से संबंधित निर्यात संभावित फसलों के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है जो क्षेत्र के अधिकतम हितधारकों को लाभान्वित करेगा।
- जौनपुर (पूर्वांचल) से कृषि–निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, मुख्य विकास अधिकारी, जौनपुर, उत्तर प्रदेश के साथ दिनांक 18.06.2022 को एक बैठक हुई है।
- दिनांक 04.07.2022 को बागवानी निदेशक, उत्तराखण्ड के साथ एक बैठक हुई। बैठक के दौरान आगामी अवसंरचना विकास, क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर हितधारकों के लिए पिछड़ी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए चर्चा की गई।
- एपीडा मुख्य कार्यालय में यूके में आम के प्रचार कार्यक्रम और चुनार परियोजना पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिनांक 06.07.2022 को एक बैठक हुई।
- डीआईबीईआर–डीआरडीओ द्वारा डीआईबीईआर, हल्द्वानी में एपीडा के माध्यम से कृषि उपज निर्यात को बढ़ावा देने के विषय पर दिनांक 12 अगस्त, 2022 को सुबह 10:30 बजे तकनीकी चर्चा आयोजित की गई।
- एपीडा, वाराणसी ने चुनार में आगामी परियोजना पर चर्चा करने के लिए दिनांक 26.08.22 को नाबार्ड अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल बैठक आयोजित की है। एपीडा के अधिकारी चुनार परियोजना और उस परियोजना की अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हैं।
- उत्तराखंड सरकार के कृषि सचिव (उन्होंने हाल ही में कृषि का प्रभार ग्रहण किया है) के साथ दिनांक 12.09.2022 को एक इंटरैक्टिव बैठक हुई। बैठक के दौरान एपीडा की सम्पूर्ण कार्यकलापों की जानकारी दी गई।
- बासमती की खेती के मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार के साथ बैठक– बासमती चावल के निर्यात पर अपर मुख्य सचिव, कृषि, उत्तर प्रदेश सरकार के साथ लखनऊ में दिनांक 27.09.22 को बैठक हुई। वर्तमान में, यदि निर्यातक हरियाणा और पंजाब जैसे किसी भी राज्य से बासमती (धान) की खरीद करना चाहता है, तो राज्य सरकार उन पर मंडी कर लगाती है।

- एपीडा ने बिहार के एफपीओ को निर्यातक के रूप में बढ़ावा देने में सहयोग देने के लिए नाबार्ड पटना के साथ दिनांक 27.10.2022 को एक वर्चुअल बैठक आयोजित किया। जीएम की अध्यक्षता में नाबार्ड की ओर से 25 से अधिक जिला विकास प्रबंधकों (डीडीएम) ने बैठक में भाग लिया।
- पटना में ''पहला मखाना दिवस और राष्ट्रीय सम्मेलन'' आयोजित करने के लिए दिनांक 03.11.2022 को बिहार राज्य के अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता बिहार सरकार के कृषि सचिव ने की। कृषि सचिव ने उक्त कार्यक्रम के लिए एपीडा को सह–आयोजक के रूप में बिहार सरकार के साथ मिलकर काम करने का अनुरोध किया। उन्होंने यह भी कहा कि एपीडा उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- उत्तराखण्ड से निर्यात की क्षमता पर विचार–विमर्श करने के लिए उत्तराखण्ड की सहकारी समितियों के साथ दिनांक 04.11.2022 को एक बैठक आयोजित की गई।
- दिनांक 09.11.2022 को एपीडा, वाराणसी ने बलिया के एसडीएम और कृषि विभाग, बलिया के अधिकारियों का करखियांव, वाराणसी (पूर्वांचल में पहली बार) में नए पैकहाउस के दौरे का समन्वय किया।
- निदेशक – कृषि विपणन और कृषि विदेश व्यापार निदेशालय (यूपी एईपी की नोडल एजेंसी) के साथ दिनांक 11.11.2022 को एक बैठक आयोजित हुई। इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश से कृषि निर्यात की भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करना था।
- **उत्तर प्रदेश मंडी परिषद** – दिनांक 15.11.2022 को विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में निदेशक यूपी मंडी परिषद के साथ एक बैठक हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सहजनवा में एपीडा द्वारा मंजूर की गई परियोजना के विकास में तेजी लाना था।
- **बामर लॉरी के साथ बैठक** – दिनांक 14.02.2023 को एपीडा, वाराणसी में बामर लॉरी के अधिकारी के साथ एक बैठक हुई है। बैठक के दौरान सदस्यों ने कंटेनर की कमी और वाराणसी में नया कार्यालय खोलने आदि जैसे मुद्दों पर चर्चा की।
- **एसोचैम के साथ बैठक** – दिनांक 24.02.23 को एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचौम) के अधिकारियों के साथ एपीडा, वाराणसी कार्यालय में बैठक संपन्न हुई।
- अयोध्या क्षेत्र से कृषि निर्यात में तेजी लाने के लिए दिनांक 13.03.2023 को अयोध्या क्षेत्र के डिवीजनल कमिश्नर साथ एक बैठक हुई।
- दिनांक 15.03.2023 को एपीडा, वाराणसी ने जी 20 कार्यक्रम में विकास पर एक तैयारी बैठक में भाग लिया। बैठक का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा वाराणसी के जिला मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में किया गया।
- उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 17.03.2023 को वाराणसी में पूर्वांचल क्षेत्र के पहले पैकहाउस के विकास का दौरा किया और इसकी समीक्षा की। इस पैकहाउस का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 24.03.2023 को किया जाना था। इस दौरे के दौरान माननीय मुख्यमंत्री जी ने एपीडा के कार्यों और विशेष रूप से पूर्वांचल क्षेत्र में की गई पहल की सराहना की। डीजीएम (सीबीएस) ने माननीय मुख्यमंत्री जी को उत्तर प्रदेश में सम्पूर्ण परियोजना और एपीडा के कार्यकलापों की जानकारी दी।
- माननीय प्रधान मंत्री जी ने वाराणसी में पैकहाउस का उद्घाटन किया। एपीडा और पूर्वांचल क्षेत्र के लिए यह बहुत महत्त्वपूर्ण दिन था। माननीय प्रधान मंत्री जी ने उद्घाटन समारोह के दौरान सभा को संबोधित किया और वाराणसी क्षेत्र से होने वाली कृषि निर्यात गतिविधियों के बारे में बताया। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कृषि निर्यात से संबंधित गतिविधियों में पैकहाउस की भूमिका के बारे में जानकारी दी। वाराणसी में पैकहाउस में प्रमुख सुविधाएं निम्नलिखित हैं:
  1. वेपर हीट ट्रीटमेंट यूनिट
  2. हॉट वॉटर डिप ट्रीटमेंट प्लांट
  3. मैंगो/ फ्रूट प्रोसेसिंग, ग्रेडिंग और, सॉर्टिंग लाइन
  4. वेजिटेबल प्रोसेसिंग लाइन
  5. कोल्ड रूम (2)
  6. प्री–कूलिंग रूम (2)
  7. राइपनिंग चैम्बर

एमओयू (MOUs)

- एफपीओ से एफएफवी की सीधी खरीद के लिए पूर्वांचल क्षेत्र के एफपीओ और वीएएफए के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- सहजनवा पैकहाउस के लिए एपीडा और उत्तर प्रदेश मंडी परिषद के बीच एमओयू साइन किया गया है।

अन्य

- चुनार– मिर्जापुर में आईआईपी केंद्र की स्थापना के लिए प्रस्तावित भूमि का सर्वेक्षण (एपीडा – आईआईपी द्वारा) – चुनार–मिर्जापुर में भारतीय पैकेजिंग संस्थान के केंद्र की स्थापना के लिए एपीडा द्वारा दिनांक 08.04.2022 को किए गए अनुरोध के अनुसार मिर्जापुर जिला प्रशासन के द्वारा 5 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है।
- दिनांक 11–16 अप्रैल 2022 तक पांच दिवसीय तकनीकी दौरे पर मिश्र के प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल के द्वारा संभावित क्षेत्रों का दौरा किया गया और गेहूं के निर्यात के अवसरों की तलाश की गई।
- पूर्वांचल को कृषि निर्यात हब बनाने के लिए दिनांक 21.05.2022 को एपीडा ने एक बैठक आयोजित की और फेयर एक्सपोर्ट्स (लुलु हाइपर चेन के प्रमुख निर्यातक) का कृषि दौरा निर्धारित किया, जहां मिश्रितसब्जियों अर्थात भिंडी, टिंडे, कटहल, लॉन्ग बीन्स, आम (बनारसी लंगड़ा, दशहरी आदि), पपीता आदि की सोर्सिंग का ट्रायल शुरू करने का निर्णय लिया गया।
- भारतीय कृषि उत्पादों के साथ सुपरमार्केट को जोड़ने के संबंध में सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त सलाह के अनुसार, एपीडा वाराणसी ने लुलु समूह (दुनिया की सबसे बड़ी सुपर मार्केट चेन) को वाराणसी स्थित एफपीओ से जोड़ने की प्रक्रिया शुरू की है। एपीडा वाराणसी ने पूर्वांचल क्षेत्र से ताजा शाही लीची (मुजफ्फरपुर क्षेत्र से) और अन्य ताजी सब्जियों के शिपमेंट का समन्वय किया और दिनांक 26.05.2022 को 1147 किलोग्राम मिश्रित कृषि उपज की खेप दुबई भेजी गई।
- दिनांक 23.04.2022 को चंदौली जिले में एक फील्ड दौरे का आयोजन किया गया था। एपीडा के अधिकारी ने निर्यातक के साथ इस दौरे का समन्वय किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय बाजार की मांग को पूरा करने के लिए गेहूं के निर्यात का सर्वेक्षण और समन्वय करना था।
- एपीडा ने अपने परिसर में एफपीओ और फेयर एक्सपोर्ट्स की एक बैठक और उसके बाद फार्म स्तर पर दौरा आमंत्रित किया। इस दौरे के आयोजन का उद्देश्य उत्पादित संभावित कृषि और बागवानी के निर्यात को बढ़ावा देना और उत्पादकों को बाजार संपर्क प्रदान करना था।
- 20 निर्यातकों/एफपीओ के समूह ने एपीडा अधिकारियों के साथ पूर्वांचल क्षेत्र के कृषि निर्यात से संबंधित जागरूकता और जानकारी प्राप्त करने के लिए दिनांक 17.01.2023 को मुंबई में निम्नलिखित सुविधाओं/ गतिविधियों का दौरा किया।
- व्यापारियों (अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू व्यापार के लिए) के साथ बातचीत करने के लिए सब्जी मंडी
- वीएएफए और एफपीओ के साथ बीएसएमः आठ से अधिक प्रमुख निर्यातक बीएसएम में शामिल हुए।
- वीएचटी सुविधा का दौरा – जापान में आम का निर्यात करने के तरीके आदि के बारे में तकनीकी जानकारी लेने के लिए।
- विकिरणन फैसिलिटी का दौरा – संयुक्त राज्य अमेरिका आदि को आम निर्यात के बारे में तकनीकी जानकारी लेने के लिए।
- सीपीसी मुंबई हवाई अड्डा और उसके बाद सरकारी और निजी पैकहाउस का दौरा।
- इस दौरे का उद्देश्य एफपीओ को पूरी फॉरवर्ड सप्लाई चेन की जानकारी देना है।
- एक्सपोजर दौरे के दौरान पूर्वांचल क्षेत्र से निर्यात आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए वीएएफए और पूर्वांचल स्थित निर्यातक एफपीओ के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया।
- एफपीओ की टीम ने दिनांक 18.01.2023 को नासिक स्थित हलकॉन फैसिलिटी और सह्याद्री फार्म का दौरा किया। एफपीओ को अंगूर और अनार के लिए मॉडल फार्मिंग एप्रोच को देखने का अवसर मिला। एफपीओ को सहयाद्री फार्मों में प्रोसेसिंग और पैकेजिंग लाइन को दिखाने के बाद हलकॉन फैसिलिटी को दिखाया जाना निर्दिष्ट किया गया था।
- उनकी उपज की सीधी खरीद के लिए सहयाद्री फार्मों और एफपीओ के साथ जल्द ही एक वर्चुअल बी2बी बैठक आयोजित की जाएगी।
- वाराणसी मंडल के एफपीओ और प्राकृतिक खेती के विशेषज्ञ के साथ एपीडा, वाराणसी ने दिनांक 23.02.23 को एक बैठक आयोजित की। कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक खेती के परामर्शदाता ने एफपीओ के साथ तकनीकी इनपुट साझा किए।
- एपीडा द्वारा डीआईसीसीआई (दलित इंडियन चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के सहयोग से पटना में कृषि उपज के निर्यात पर दिनांक 21.12.22 को एक व्यावसायिक कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

- राष्ट्रीय जलमार्ग 1 पर यातायात बढ़ाने के लिए आईडब्ल्यूएआई द्वारा दिनांक 23.12.22 को एक व्यापार बैठक आयोजित किया गया था। बैठक की अध्यक्षता श्री सुधांशु पंत, ओएसडी (पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय) ने की और उस बैठक में आईडब्ल्यूएआई के उपाध्यक्ष और वाराणसी के डिवीजनल कमिश्नर उपस्थित रहे। बैठक में कृषि, सीमेंट, उर्वरक, कालीन आदि उद्योग के 10 से अधिक व्यापारियों ने भाग लिया और बैठक में अपनी चिंताओं से अवगत कराया।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम–2023) से संबंधित गतिविधियां

- उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री के साथ बैठक – उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री के साथ दिनांक 09.01.2023 को एक बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा की गई:
  1. हाल ही में एपीडा द्वारा वाराणसी में किए गए कार्य।
  2. वर्तमान कृषि–निर्यात परिदृश्य।
  3. उत्तर प्रदेश से निर्यात को तेज करने के लिए रोडमैप।
  4. आईवाईओएम में मिलेट के निर्यात के लिए रोडमैप।
  5. निर्यात में एफपीओ की भूमिका और निर्यातक के रूप में उनका पंजीकरण।

  माननीय मंत्री जी ने एपीडा के प्रयासों की सराहना की और कहा कि बहुत कम समय में परिणाम दिखाई दे रहा है। बहुत जल्द, लखनऊ में एक बैठक निर्धारित की जा सकती है, जहां एक प्रेजेंटेशन का अनुरोध किया जा सकता है।
- लखनऊ में मिलेट पर कॉन्क्लेव – अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के अवसर पर एपीडा ने एसोचैम–उत्तर प्रदेश के सहयोग से दिनांक 31.01.23 को लखनऊ में मिलेट पर एक सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य जी ने की। कार्यक्रम में एपीडा के बोर्ड के सदस्य और राज्य के अन्य उच्चाधिकारी भी उपस्थित थे। एपीडा के अधिकारी ने मिलेट के महत्व और आईवाईओएम के कारण मिलेट निर्यात के क्षेत्र में नए अवसरों को साझा किया। बातचीत के दौरान माननीय उप मुख्यमंत्री जी द्वारा एपीडा के प्रयासों की सराहना की गई। कॉन्क्लेव में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

16.13. विशाखापत्तनम

परिचय	:	**क्षेत्रीय कार्यालय विशाखापत्तनम की स्थापना अगस्त 2022 में हुई थी।**
क्षेत्रफल	:	1195 वर्ग फुट
एपीडा गुजरात के क्षेत्रीय प्रमुख	:	श्री. आर पी नायडू, सहायक प्रबंधक प्रमुख उत्पाद
निर्यात के प्रमुख उत्पाद	:	निर्यात किए गए उत्पादरू गैर–बासमती चावल, मक्का, भैंस का मांस, आम का गूदा, ताजा आम, ताजा केला, अनार, नर्सरी पौधे और काजू की गिरी

कार्य/पहलः

नए उत्पाद / नए बाजार

क्र.सं.	नया उत्पाद	नया बाजार
1	फ्रोजन पाम फ्रूट/ आइस एप्पल (थाटी मुंजालु)	यूएसए(USA), कनाडा, ऑस्ट्रेलिया
2	इमली की कोमल पत्तियाँ (चिंथा चिगुरु कोमल पत्ते)	यूएसए(USA), कनाडा, ऑस्ट्रेलिया
3	सूखे अनार के दाने	स्विट्जरलैंड, दक्षिण कोरिया

जीआई उत्पादों का संवर्धन

– जीआई आम – बंगनपल्ली

क्षमता निर्माण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने नए पंजीकृत सदस्य निर्यातकों के लिए दिनांक 24 अगस्त 2022 को जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया है। लगभग 20 निर्यातकों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है। क्षे.का., हैदराबाद ने निर्यात की प्रक्रियाओं, खराब होने वाले उत्पादों के निर्यात के लिए फाइटो सैनिटरी आवश्यकताओं, ताजा आम के निर्यात के लिए आयातक देशों के विनियमन आदि पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया है। इसके अलावा, उन्होंने एपीडा की वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में और अन्य जानकारी दी।
- आंध्र प्रदेश राज्य बीज प्रमाणन प्राधिकरण के अधिकारियों और विभाग के अधिकारियों के लिए जैविक प्रमाणन प्रक्रियाओं पर दिनांक 24 अगस्त 2022 को आयोजित वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षे.का., विशाखापत्तनम शामिल हुए। क्षे.का., हैदराबाद ने जैविक प्रमाणन प्रक्रियाओं, एनपीओपी आदि और एपीडा की वित्तीय सहायता योजनाओं पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया।
- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग, कीटनाशकों के उपयोग, धान में कीटनाशकों के एमआरएल स्तर और किसान समूहों को निर्यात करने के लिए चावल के उत्पादन, एफपीओ, एफपीसी पर दिनांक 29–10–2022 को एआरएस, नेल्लोर, आंध्र प्रदेश में बीईडीएफ के समन्वय से किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है।
- एपीडा में एफपीओ के पंजीकरण के लिए क्षे.का., विशाखापत्तनम ने दिनांक 15–11–2022 को ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी, सीबीबीओ के सहयोग से एक वर्चुअल बैठक का आयोजन किया है। आंध्र प्रदेश से 13 एफपीओ के लगभग 30 सदस्य वर्चुअल बैठक में शामिल हुए और डीजीएफटी से आईईसी का आवेदन करने की प्रक्रिया और एपीडा की पंजीकरण प्रक्रियाओं, एपीडा की वित्तीय सहायता योजनाओं आदि के बारे में जानकारी दी।
- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में दिनांक 24–11–2022 को आंध्र प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के साथ संयुक्त रूप से जैविक प्रमाणन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था। कार्यक्रम में राज्य सरकार के कृषि अधिकारी, बीज प्रमाणन अधिकारी, मंडल और ग्राम स्तर के कृषि अधिकारी, एफपीओ और किसान उपस्थित थे। कार्यशाला की अध्यक्षता श्रीमती पूनम मलकोंडैया, आईएएस, विशेष मुख्य सचिव, कृषि एवं सहकारिता विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा की गई। तकनीकी सत्र में श्री कोटेला श्रीहरि, मैसर्स आईएनडी जीएपी ने जीएपी प्रमाणन प्रक्रिया

के कार्यान्वयन, किसानों के प्रलेखन, फसल मानक और कृषिगैप आदि पर एक विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया था, कार्यक्रम के दौरान, राज्य के कृषि विभाग के अधिकारी ने जीएपी, आईपीएम, एफपीओ के गठन और जैविक प्रमाणन आदि पर एक प्रेजेंटेशन दिया।

- दिनांक 28–12–2022 को होटल एलिगेंट विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में क्षे.का., विशाखापत्तनम ने आंध्र प्रदेश में अच्छी कृषि प्रथाओं और जैविक प्रमाणन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था।

राज्य सरकारों के साथ बातचीत

- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने इस क्षेत्र से कृषि उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को तलाशने के लिए आईटीडीए अधिकारियों और किसानों के साथ एक इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की थी और 14 से 16 नवंबर 2022 तक आईटीडीए पाडेरू अराकू क्षेत्र, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश में फील्ड दौरे किए थे।
- क्षे.का., विशाखापत्तनम दिनांक 11 सितंबर, 2022 को नेल्लोर में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अवसरों पर जागरूकता कार्यक्रम के विषय पर आंध्र प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग महासंघ (एपीएफपीआई) द्वारा आयोजित बैठक में शामिल हुए। बैठक के दौरान आरओ ने खाद्य प्रसंस्करण के वर्तमान निर्यात परिदृश्य, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए उपलब्धा अवसर, रेडी टू ईट उत्पाद प्रस्तुत किया और एपीडा की वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में और अन्य जानकारी दी।

अन्य

- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने दिनांक 12 सितंबर, 2022 को संयुक्त रूप से कृषि विभाग, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा कुर्नूल में आयोजित ''टिकाऊ कृषि खाद्य प्रणालियों को अपनाने के लिए किसानों का सहयोग करने के लिए आंध्र प्रदेश सरकार की क्षमताओं को मजबूत करने'' के विषय पर आयोजित बैठक में भाग लिया, क्षे.का., हैदराबाद ने "एनपीओपी कार्यक्रम, प्रमाणन निकाय के प्रत्यायन की प्रक्रिया और एनपीओपी, ट्रेसनेट के तहत भारत में जैविक प्रमाणन प्रक्रिया और जैविक उत्पादों के निर्यात में एपीडा की भूमिका" पर विस्तृत प्रेजेंटेशन दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष (आईवाईओएम–2023) से संबंधित गतिविधियाँ

- क्षे.का., विशाखापत्तनम ने आईआईएमआर और न्यूट्रीहब के सहयोग से एपीडा पंजीकरण और निर्यात लाइसेंसिंग, मिलेट आधारित स्टार्टअप और एफपीओ के लिए ओरिएंटेशन सेशन पर दिनांक 08 फरवरी 2023 को वर्चुअल मोड में एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु राज्यों से लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। क्षे.का., हैदराबाद ने आयात निर्यात कोड पंजीकरण प्रक्रियाओं, एपीडा आरसीएमसी पंजीकरण, निर्यात में एपीडा की भूमिका, वित्तीय सहायता योजनाओं, किसान कनेक्ट पोर्टल पर एक प्रेजेंटेशन दिया था और इसके साथ–साथ आईईसी और आरसीएमसी आवेदन प्रक्रियाओं को ऑनलाइन दर्शाया था।

दिनांक 04–02–2023 को अनंतपुर, आंध्र प्रदेश में आयोजित रायलसीमा एफपीओ सम्मेलन का क्षेत्रीय स्तरीय सम्मेलन

17. सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 का कार्यान्वयन

वर्ष 2022–2023 के दौरान प्राधिकरण ने तालिका (1.1) में दर्शाए गए अधिकारियों को अपीलीय प्राधिकारी और तालिका (1.1.1) में दर्शाए गए अधिकारियों को जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) के रूप में नामित किया। श्रीमती रेखा मेहता, सहायक महाप्रबंधक इस अवधि के दौरान नोडल सीपीआईओ हैं।

प्रथम अपीलीय प्राधिकारी (एफएए) तालिका का विवरण (1.1)

क्र.सं.	प्रथम अपीलीय प्राधिकारी का नाम	विभाग
1.	डॉ. तरुण बजाज	अनाज विभाग, बीईडीएफ, डब्ल्यूटीओ, सतर्कता,बाजार पहुँच,
2.	श्री.एस एस नय्यर	बजट और वित्त, जनसंपर्क और व्यापार मेले, कार्मिक और प्रशासन, कंप्यूटर और सूचना, वैधानिक प्रभाग, पंजीकरण
3.	श्री वी.के. विद्यार्थी	सामान्य अवसंरचना, राजभाषा हिंदी, जीआई उत्पादों, जैविक और प्राकृतिक उत्पादों का प्रचार
4.	श्री यू.के. वत्स	एफएफवी, फूलों की खेती, एफएफवी, ईडीएफ और उत्तर पूर्व क्षेत्र की बाजार पहुंच, जैविक उत्पादों की प्रमाणन गतिविधियां
5.	डॉ. सुधांशु	कृषि निर्यात नीति, पशु उत्पाद, प्रसंस्कृत खाद्य, गुणवत्ता, पुस्तकालय, संसद के प्रश्न, लॉजिस्टिक्स।

जन सूचना अधिकारी (पीआईओ) का विवरण तालिका (1.1.1)

क्र.सं.	जन सूचना अधिकारी का नाम	विभाग
1	डॉ. शाश्वती बोस	जीआई उत्पादों, जैविक और प्राकृतिक उत्पादों, डब्ल्यूटीओ का प्रचार
2.	सुश्री विनीता सुधांशु	ताजे फल और सब्जियां, बाजार अभिगमनऔर फूलों की खेती, उत्तर पूर्व क्षेत्र और ईडीएफ
3.	सुश्री समिधा गुप्ता	बजट और वित्त विभाग
4.	श्री मान प्रकाश विजय	अनाज प्रभाग
5.	श्री उमेश कुमार	प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ
6.	श्री बिद्युत बरुआ	पशु उत्पाद विभाजन
7.	सुश्री रीबा अब्राहम	गुणवत्ता
8.	श्री प्रशांत प्रमोद वाघमारे	जैविक उत्पाद
9.	सुश्री रेखा मेहता	व्यापार मेले, जन संपर्क और वैधानिक प्रभाग
10.	सुश्री रजनी अरोड़ा	कार्मिक, बीईडीएफ
11.	सुश्री सिमी उन्नीकृष्णन	बाजार पहुंच, संसद के प्रश्न, राजभाषा हिंदी
12.	श्री सौरव अग्रवाल	सामान्य अवसंरचना
13	श्री हरप्रीत सिंह	कंप्यूटर और सूचना
14.	सुश्री शिशुपाल रावत	पुस्तकालय
15.	सुश्री रोजलीन	पंजीकरण
16.	श्री विष्णु सारस्वत	कृषि निर्यात नीति

18. कृषि निर्यात नीति का कार्यान्वयन

कृषि निर्यात नीति वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार की गई थी और कृषि निर्यात उन्मुख उत्पादन, निर्यात संवर्धन, किसान के बेहतर लाभ और भारत सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों के बीच तालमेल रखने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दिसंबर 2018 में लागू की गई थी। इसके लिए स्रोत पर ही मूल्य वर्धन के माध्यम से बेहतर आय के लिए ''किसान केंद्रित दृष्टिकोण'' होना आवश्यक है जो मूल्य श्रृंखला में नुकसान को कम करने में मदद करेगा। खाद्य सुरक्षा और विश्व के एक प्रमुख कृषि निर्यातक बनने के दोहरे उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए भारत को किसान उन्मुख रणनीति की जरूरत है। यह नीति खाद्य उत्पादन में बहुत अधिक वृद्धि के लिए खाद्य प्रसंस्करण/उत्पादन को बढ़ावा देगी, जिससे वैश्विक स्तर पर कृषि निर्यात बास्केट में मूल्य वर्धित प्रसंस्कृत उत्पादों में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी।

कृषि निर्यात नीति के कार्यान्वयन की दिशा में की गई पहलें इस प्रकार हैं:

- पश्चिम बंगाल ने राज्य कृषि निर्यात नीति को अंतिम रूप दे दिया है। ओडिशा और जम्मू और कश्मीर की राज्य विशिष्ट कृषि निर्यात नीति को अंतिम रूप देने के लिए संबंधित राज्य नोडल एजेंसी को इनपुट प्रदान किए गए हैं।
- क्लस्टर्स को सक्रिय करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दृष्टिकोण अपनाया गया था। कृषि निर्यात में समग्र वृद्धि ने फार्म गेट में किसानों के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सक्षम बनाया है। एपीडा ने निर्यात मूल्य श्रृंखला में किसान समूहों को जोड़ने के लिए कई पहल की हैं। कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए एफपीओ के विकास और सुदृढ़ीकरण के लिए नाबार्ड, एनसीडीसी, एसएफएसी, नेफेड, ट्राईफेड जैसे संगठनों के साथ सहयोग किया गया है।
- एफपीओ/एफपीसी/एसएचजी/निर्यातकों के लिए राज्य विभागों, एसएयू, केवीके के सहयोग से कृषि समूहों और राज्यों में बहुत से क्षमता निर्माण/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ताकि किसान समूहों को निर्यातों से जोड़ा जा सके और उद्यमियों को भावी निर्यातक बनने के लिए तैयार किया जा सके।
- एफपीओ को मजबूत किया गया है और उन्हें ताजे फलों, सब्जियों, क्षेत्रीय चावल के निर्यात और मल्टीमॉडल शिपमेंट से जोड़ा गया है, वाराणसी (ताजी सब्जियां) उत्तर प्रदेश, अनंतपुर (केला), आंध्र प्रदेश, नागपुर (संतरे), महाराष्ट्र, थेनी (केला), तमिलनाडु, चिकबल्लापुरा (गुलाब प्याज), कर्नाटक के क्लस्टर्स में कई स्थानों पर उन्हें सुविधा प्रदान की गई है।
- सरकारी एजेंसियों और संस्थानों के साथ सहयोगः एपीडा विभिन्न हितधारकों के क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पेशेवरों और विशेष योग्यता वाले वाले कई संगठनों और संस्थानों के साथ तालमेल स्थापित करने के लिए सहयोगी दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता रहा है तथा कृषि के विकास और इसके निर्यात में वृद्धि के लिए कुछ चिह्नित उपायों को करने के लिए समाधान उपलब्ध कराता रहा है।
- हितधारकों के लिए निर्यात मूल्य श्रृंखला में बेहतर मूल्य लाने के लिए, कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के हित में गतिविधियों को समन्वित करने के लिए एक साथ मिल कर काम करके उनकी विशेषज्ञता का उपयोग करने के लिए निम्नलिखित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गएः
- **एनआरडीसी**
- **एनआईपीएचएम**
- सहयोग के साझा क्षेत्रों पर काम करने के लिए **एपीडा, कृषि और किसान कल्याण विभाग और एडीटी प्रोजेक्ट कंसल्टिंग जीएमबीएच के बीच मार्च, 2023 में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन** पर हस्ताक्षर किए गए थे। कृषि और किसान कल्याण विभाग और एपीडा के साथ सहयोग 3 राज्यों (राजस्थान, यूपी, ओडिशा) से 6 संभावित फसलों (जीरा, धनिया, आम, हरी मिर्च, अदरक, हल्दी) पर विचार करते हुए एएमडी पायलट परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए किया गया है। कृषि और किसान कल्याण विभाग की संयुक्त सचिव (विपणन) डॉ विजयलक्ष्मी नदेंदला की अध्यक्षता में एक संयुक्त कार्य दल का गठन किया गया था जिसमें एएमडी परियोजना के कार्यान्वयन की प्रगति पर चर्चा और मॉनिटरिंग करने के लिए तीनों संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

  एपीडा ने एक नॉलेज पार्टनर के रूप में भाग लिया और एएमडी परियोजना टीम द्वारा आयोजित ऑनलाइन ''निर्यात आयात प्रबंधन पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम'' के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में प्रशिक्षण सत्रों में योगदान दिया।

- अप्रैल 2022 में बीएसएम के आयोजन के लिए निर्यातकों के प्रतिनिधिमंडल के साथ एपीडा की सिंगापुर यात्रा के पश्चात फलों और सब्जियों के निर्यात, एग्रीटेक सहयोग जैसे कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एंटरप्राइज सिंगापुर के अधिकारियों के साथ बहुत सी बैठकें आयोजित की गई थी। इस संबंध में, सिंगापुर को ताजी सब्जियों (पत्तागोभी और फूलगोभी) की समुद्री खेप पहुँचाने और सिंगापुर को रि–एक्सपोर्ट हब के रूप में विकसित करने की संभावना तलाशने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- **कृषि स्टार्टअप को बढ़ावा** – मई, 2022 में नेफेड, एमओएफपीआई और मिलेट आधारित स्टार्टअप के साथ एक वार्ता बैठक आयोजित की गई है। इस वर्चुअल प्लेटफॉर्म ने स्टार्टअप्स को नेफेड के विपणन चौनलों के माध्यम से अपने उत्पादों/ब्रांडों को प्रदर्शित करने में सक्षम बनाने के लिए नेफेड के साथ संपर्क करने का अवसर प्रदान किया। इसके साथ–साथ छोटे खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए एमओएफपीआई की पीएमएफएमई योजना से संबंधित जानकारी स्टार्टअप्स के साथ साझा की गई।

कृषि सहकारी समितियों/एफपीओ को बढ़ावा देना

- वामनीकॉम (सहकारिता मंत्रालय के तहत संस्थान), पुणे के सहयोग से, आईआईवीआर, वाराणसी और जम्मू–कश्मीर में सहकारी समितियों और एफपीओ के लिए कृषि निर्यात विपणन पर ओरिएंटेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम के दो बैच आयोजित किए गए थे।
- पूर्वांचल उत्तर प्रदेश के संभावित क्षमता वाले पांच जिलों में कृषि निर्यात संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए नैबकॉन्स, नई दिल्ली के साथ समन्वय
- वाराणसी में एपीडा परियोजना कार्यालय के सहयोग से पूर्वांचल यूपी और बिहार के संभावित क्षमता वाले जिलों में छह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एनआईपीएचएम, हैदराबाद के साथ समन्वय किया गया।
- कृषि सहकारी समितियों के निर्यात लिंकेज पर चर्चा के लिए इफको टीम और इफको किसान संचार लिमिटेड (आईकेएसएल) के साथ इंटरैक्टिव बैठक आयोजित की गई। उत्पादन क्लस्टर्स से चरणबद्ध तरीके से निर्यात किए जाने वाले संभावित उत्पादों के उत्पाद मैट्रिक्स की पहचान करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा, इफको की व्यापार भागीदारों के रूप में उपस्थिति वाले देशों– जापान, दक्षिण कोरिया, ओमान, जॉर्डन और यूएई पर ध्यान केंद्रित करने पर सहमति हुई।
- कार्यान्वयन एजेंसियों (आईए) अर्थात नाबार्ड, एसएफएसी, केंद्रीय क्षेत्र की योजना के तहत एफपीओ के संवर्धन के लिए अधिकार प्राप्त एफडीआरवीसी को अध्यक्ष, एपीडा द्वारा भेजे गए पत्रों के अनुसरण में अनुवर्ती कार्रवाई में आईए द्वारा समर्थित चिह्नित एफपीओ के लिए एपीडा पंजीकरण शुल्क राशि के प्रायोजन के लिए समर्थन हेतु अनुरोध किया गया है।
- एपीडा के सचिव ने एसएफएसी के निदेशक के साथ बातचीत शुरू की और उन्होंने एसएफएसी द्वारा चिह्नित किए गए 100 एफपीओ की एक सूची साझा की। इसके साथ ही शोर्टलिस्ट किए गए 100 एफपीओ की सूची हमारे संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों को परिचालित की गई है जो क्षमता निर्माण, हैंडहोल्डिंग और निर्यात लिंकेज के लिए एफपीओ के साथ बातचीत करेंगे।
- एपीडा आरसीएमसी जारी करने के लिए एफपीओ/सहकारी समितियों/महिला उद्यमियों/स्टार्टअप्स को पंजीकृत करने के लिए सभी क्षेत्रों में सामूहिक रूप से प्रयास किए गए हैं। निर्यात से जुड़ना संभव बनाने के लिए वित्तीय वर्ष के अंत तक **1200 से अधिक एफपीओ/सहकारी समितियों/महिला उद्यमियों/स्टार्टअप्स** को एपीडा सदस्यों के रूप में पंजीकृत किया गया है।

क्लस्टर विकास के लिए लाइन मंत्रालयों के साथ तालमेलः कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, एमओएफपीआई और डीजीएफटी के चिह्नित किए गए क्लस्टरों के साथ तालमेल बनाने के प्रयास किए गए हैं।

- पीएमएफएमई योजना (ओडीओपी) और बागवानी क्लस्टर विकास कार्यक्रम (एनएचबी) के संबंध में संबंधित क्लस्टर अधिकारियों और क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं ताकि उनकी वित्तीय सहायता योजनाओं के साथ समरूपता बनाई जा सके।
  - डीजीएफटी की ओडीओपी पहल के साथ एकीकरण की दिशा में, एपीडा ने इन्वेस्ट इंडिया के सहयोग से टोक्यो में भारतीय मिशन के साथ समन्वय कर भारत–जापान मैंगो फेस्टिवल 2022 आयोजित किया था। इसके परिणामस्वरूप, लॉसन, कॉस्टको, सीजीसी, योकोहामा जैसी रिटेल चेन्स को जोड़ा गया है और व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारतीय आम की किस्मों की सैंपलिंग और टेस्टिंग के बाद लॉसन और कॉस्टको से पहली बार केसर आम के लिए वाणिज्यिक ऑर्डर प्राप्त हुए हैं।
  - इसके अलावा, ईओआई, जापान से प्राप्त अनुरोध के अनुसार, एक वीडियो/गाइड संकलित किया गया था जिसमें भारतीय आमों को क्यूब्स में काटने की बेहतरीन विधि को दिखाया गया था। आगे इस वीडियो को जापान में अग्रणी रिटेल चेन्स द्वारा उनके उपभोक्ताओं के लिए प्रसारित किया गया था।
  - निर्यात हब (डीईएच) पहल के रूप में चरण 1 वाले जिलों के अंतर्गत चयनित 75 जिलों के लिए कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए महानिदेशक, डीजीएफटी द्वारा बुलाई गई बैठक के अनुसरण में, सभी संबंधित एपीडा अधिकारी डीजीएफटी के संबंधित आरए के साथ समन्वय कर रहे हैं और चिह्नित किए गए एपीडा सूचीबद्ध उत्पाद वाले जिलों के लिए हितधारकों के साथ परामर्श में भाग ले रहे हैं।
  - माननीय प्रधानमंत्री के ''वोकल फॉर लोकल'' और ''आत्मनिर्भर भारत'' के आह्वान के अनुरूप जीआई टैग, स्वदेशी, जातीय कृषि उत्पादों को बढ़ावा देना। एपीडा स्थानीय रूप से सोर्स किए गए जीआई टैग वाले स्वदेशी, जातीय कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, कतर आदि के साथ खरीदारों और विक्रेताओं की वर्चुअल बैठकें आयोजित की गई हैं। नए उत्पादों की पहचान की गई है और तदनुसार ट्रायल शिपमेंट की व्यवस्था की गई है।

19. अन्य गतिविधियाँ

1. एपीडा का 37 वां स्थापना दिवस

दिनांक 13.02.2023 को एपीडा के 37वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में, एपीडा ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम और एफपीओ/निर्यातका/महिला उद्यमियों/स्टार्ट–अप के साथ व्यापार बैठक का आयोजन किया।

2. बेंगलुरु में कृषि दिवस मनाया गया

एपीडा ने देशपांडे फाउंडेशन द्वारा दिनांक 24.01.2023 को बैंगलोर में आयोजित ''कृषि दिवस'' समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर एपीडा के अध्यक्ष डॉ. एम. अंगमुथु, भा.प्र.से., इंफोसिस के संस्थापक श्री एन. आर. नारायण मूर्ति, देशपांडे फाउंडेशन के सह–संस्थापक श्री गुरुराज देशपांडे, नाबार्ड के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जी. आर. चिंताला, नाबार्ड के सीजीएम श्री टी. रमेश उपस्थित थे।

3. गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान रोम, इटली में मिलेट का प्रचार

भारतीय दूतावास, रोम, इटली ने एपीडा के सहयोग से रोम में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान मिलेट संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया। एपीडा के द्वारा मिलेट के उत्पाद, गिफ्ट हैंपर और प्रचार सामग्री उपलब्ध कराए गए थे।

4. बेल्जियम में जीआई आम का प्रचार

आयातक देशों में जीआई आम को बढ़ावा देने के लिए, भारतीय दूतावास द्वारा एपीडा के सहयोग से दिनांक 17 जून, 2022 को ब्रुसेल्स में एक आम के संवर्धन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। एपीडा ने आमों की पांच निम्नलिखित जीआई किस्मों सहित कुल सात किस्मों की सोर्सिंग और आपूर्ति की व्यवस्था की है:

1. जीआई बंगनपल्ली आम
2. जीआई खिरसापति (हिमसागर)
3. जीआई लक्खनभोग
4. जीआई जर्दालू
5. जीआई मलिहाबादी दशहरी

माननीय सीआईएम ने ब्रुसेल्स में प्रदर्शनी सह टेस्टिंग कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। ईओआई से प्राप्त फीडबैक के अनुसार कार्यक्रम में लोगों की संख्या अत्यंत उत्साहवर्धक थी और भेजे गए आमों की सभी किस्में आमंत्रित व्यक्तियों को पसंद आईं। एपीडा द्वारा तैयार की गई प्रचार सामग्री अर्थात जीआई आम की विवरण पुस्तिका प्रतिभागियों को वितरित की गई।

5. कतर के साथ जीआई उत्पादों पर वर्चुअल नेटवर्किंग मीट

भारतीय मूल के कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास के तौर पर, दोहा में भारतीय दूतावास और आईबीपीसी कतर के सहयोग से दिनांक 07.09.2022 को कतर के साथ कृषि और खाद्य जीआई उत्पादों पर एक वर्चुअल नेटवर्किंग मीट का आयोजन किया गया। निर्यातकों, आयातकों, आईबीपीसी के प्रतिनिधियों, भारतीय दूतावास और एपीडा के अधिकारियों सहित 80 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया।

इस वर्चुअल मीट ने भारतीय निर्यातकों और कतर के आयातकों के बीच बातचीत के लिए एक मंच का काम किया, जिसमें भारतीय मूल के कृषि और खाद्य उत्पादों के निर्यात के क्षेत्र में भारत की ताकत को अलग–अलग विशेषताओं के साथ दर्शाया गया।

बातचीत के दौरान, निर्यातकों ने निर्यात संभावित जीआई उत्पादों जैसे बासमती चावल, आम, अनार, पूर्वोत्तर क्षेत्र के उत्पादों और कई प्रसंस्कृत उत्पादों के बारे में जानकारी दी।

6. ईओआई, दोहा के सहयोग से दोहा, कतर में जीआई का प्रचार

दोहा, कतर में स्थित भारतीय दूतावास ने गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान जीआई उत्पादों पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। जीआई उत्पाद एपीडा द्वारा उपलब्ध कराए गए थे।

7. एपीडा ने दिनांक 13, 14 और 15 अगस्त 2022 को हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित किया गया था। एपीडा के अधिकारियों ने गांव के हर घर में वितरण करने के लिए गांव के बच्चों को राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराया। इसके अलावा, जीएपी को लागू करने और गांव को कृषि निर्यात से जोड़ने की शपथ भी ली गई। 100 से अधिक झंडे घरों में वितरित किए गए। ग्रामीणों ने हर घर तिरंगा पहल और गांव को राष्ट्रीय अभियान से जोड़ने के सरकार के प्रयासों की सराहना की।

8. वाराणसी में हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन – स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) मनाने के लिए एपीडा, वाराणसी ने दिनांक 14.08.22 को डीजीएफटी द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी, माननीय राज्य मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने की। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि उत्तर प्रदेश के आयुष मंत्रालय में माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर मिश्र जी और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के कुलपति उपस्थित थे।

9. दिनांक 10 नवंबर, 2022 को कोच्चि में संसदीय समिति के स्टडी दौरे के दौरान एपीडा की समीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके दौरान एपीडा के सूचीबद्ध उत्पादों, हलाल प्रमाणन, भैंस के मांस का निर्यात और फल तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों के आयात और निर्यात के संबंध में चर्चा की गई है।

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा)

(वाणिज्य एवं उद्योग विभाग मंत्रालय, भारत सरकार)

पता : तीस मन्जिल, एनसीयूआई बिल्डिंग, 3, सीरी सांस्थानिक क्षेत्र
अगस्त क्रान्ति मार्ग, (खेल गांव के सामने) नई दिल्ली–110016
दूरभाष : 91-11-2867007, 20867008, 20863919, 26850301, 41486013
ई-मेल : headq@apeda.gov.in • **वेबसाईट** : www.apeda.gov.in